असम में हिंसा, मौके पर आरएएफ तैनात और इंटरनेट बंद - 12

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर चार माह के उच्चतम स्तर 3.7 प्रतिशत पर - 12

ग्रीनलैंड पर शुल्क की धमकी से ट्रंप की विश्वसनीयता पर उठे सवाल - 13

न्यूजीलैंड से वनडे का हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत - 14

आज का मौसम
21.0° अधिकतम तापमान
9.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.06
सूर्यास्त 05.41

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष तृतीया 02:47 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 21 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 332, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

मेरे भी बॉस : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा की मौजूदगी में नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन ने पदभार ग्रहण किया। मोदी ने इस मौके पर कहा- अब नितिन नबीन मेरे भी बॉस हैं। ● एजेंसी

धामी ने दी बधाई

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से भेंट कर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। धामी ने कहा, नितिन नबीन का कुशल नेतृत्व, गहरा संगठनात्मक अनुभव और दूरदर्शी सोच पार्टी को नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा प्रदान करेगी।

ट्रंप की धमकियों से सहमे बाजार में 9.86 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

- चौतरफा बिकवाली से सेंसेक्स 1,066 अंक लुढ़का, निफ्टी में भी 353 अंकों की भारी गिरावट

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को आक्रामक हथियार बनाने और लगातार धमकियां देने का बड़ा असर मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार पर पड़ा। सेंसेक्स 1,065.71 अंकों की भारी गिरावट के साथ धड़ाम हो गया और निफ्टी भी 353 अंक टूट गया। इस भारी गिरावट से निवेशकों के 9.86 लाख करोड़ रुपये डूब गए।

ट्रंप की धमकियों से वैश्विक स्तर पर लगातार तनाव बढ़ने के कारण मंगलवार को शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली हुई। इससे सेंसेक्स में भारी गिरावट आई और वह 1.28 प्रतिशत फिसलकर 82,180.47 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 353 अंक यानी 1.38 प्रतिशत गिरकर 25,232.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबारियों ने इस भारी गिरावट का कारण अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट जारी रहने को भी बताया। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने इस संकट को और गहरा कर दिया। बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सूचकांक 2.74 प्रतिशत और मझोली कंपनियों के मिडकैप सूचकांक में 2.52 प्रतिशत लुढ़क गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन 9,86,093.96 करोड़ रुपये घटकर 4,55,82,683.29 करोड़ रुपये यानी 5.01 लाख करोड़ डॉलर रह गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,503 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई जबकि 780 शेयर चढ़कर बंद हुए और 119 अपरिवर्तित रहे।

> अमेरिकी प्रशासन की ओर से टैरिफ को विदेश नीति के एक उपकरण के रूप में आक्रामक और अप्रत्याशित तरीके से इस्तेमाल किए जाने से वैश्विक बाजारों में बेचैनी बढ़ी है जो वित्तीय बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव पैदा कर रही है।
> - पोनमुडी आर, सीईओ एनरिच मनी

चीन, जापान, कोरिया में भी भारी गिरावट यूरोप के बाजारों में भी मचा हाहाकार

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में कारोबार के दौरान एक प्रतिशत से अधिक की कमजोरी देखी गई। अमेरिकी बाजार सोमवार को अवकाश के कारण बंद रहे।

- शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 3,262.82 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,234.30 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप- 4 के प्रतिबंध हटे

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में सुधार होने के बाद चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के चौथे चरण के तहत लागू पाबंदियां हटा लीं। सीएक्यूएम ने एक आदेश में कहा कि पहले, दूसरे और तीसरे चरण की पाबंदियां लागू रहेंगी। आदेश में कहा गया, ग्रैप के चौथे चरण की पाबंदियां हटा ली गई हैं। लोगों से अनुरोध है कि वे ग्रैप के पहले, दूसरे और चौथे चरण के तहत लागू पाबंदियों का सख्ती से पालन करें ताकि एक्यूआई और खराब न हो।

बेंगलुरु में 5.15 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में मंगलवार को अपराध नियंत्रण ब्यूरो (सीसीबी) की स्वापक रोधी शाखा ने 2.5 किलोग्राम एमडीएमए और 300 एक्स्टसी टैबलेट जब्त की। जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत लगभग 5.15 करोड़ रुपये है। पुलिस के मुताबिक, मराठाहल्ली थाना क्षेत्र के मुन्नेकोलाला इलाके में किराए के एक मकान से एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि वह इस मकान से ही मादक पदार्थों का व्यापार कर रहा था। आरोपी के खिलाफ हेन्नूर और कडुगोडी थानों में पहले से ही मादक पदार्थों की तस्करी के दो मामले दर्ज हैं।

चुनाव से ऐन पहले केरल-तमिलनाडु में राज्यपाल और सरकारों में बढ़ा टकराव

तमिलनाडु में अभिभाषण पढ़े बगैर चले गए रवि, केरल में राज्यपाल ने छोड़े कई अंश

चेन्नई/तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि मंगलवार को यह कहकर राज्य विधानसभा के इस साल के पहले सत्र में सदन में अभिभाषण पढ़े बिना बाहर चले गए कि द्रमुक सरकार द्वारा तैयार अभिभाषण में बहुत सी गलतियां हैं। उधर, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी आरोप लगाया कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राज्य मंत्रिमंडल की ओर से अनुमोदित भाषण के कई हिस्सों को नहीं पढ़ा। दोनों राज्यों में इसी साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति एक बार फिर गरमा गई है।

राज्यपाल के सदन से जाने के बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वह नियमों, परंपराओं का उल्लंघन करते हुए एक बार फिर सदन से बाहर चले गए हैं। उनका व्यवहार उनके उच्च पद के अनुकूल नहीं है और सदन और उसकी गरिमा का भी अपमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 176 के अनुसार परंपरागत संबोधन राज्य सरकार तैयार करती है और इसे राज्यपाल द्वारा पूरी तरह से पढ़ा जाना चाहिए।

चेन्नई में राज्यपाल के सदन से जाने के बाद एआईएडीएमके के विधायकों ने भी वाकआउट कर गए।

मेरा माइक बंद किया, राष्ट्रगान का हुआ अपमान: रवि

चेन्नई। विधानसभा में हुए घटनाक्रम के बाद लोकभवन ने बयान जारी कर दावा किया कि राज्यपाल आरएन रवि ने परंपरागत अभिभाषण पढ़ने से इसलिए इन्कार कर दिया, क्योंकि उसमें कई अप्रमाणित दावे और भ्रामक बयान शामिल थे। लोकभवन ने आरोप लगाया कि राष्ट्रगान का एक बार फिर अपमान किया गया। साथ ही, जनता को परेशान करने वाले कई मुद्दों को अनदेखा किया गया। राज्यपाल रवि परंपरागत अभिभाषण की शुरुआत में राष्ट्रगान बजाने की मांग कर रहे थे, जबकि राज्य सरकार का कहना है कि परंपरा के अनुसार शुरुआत में तमिल थाई वाज़्थु और अंत में राष्ट्रगान बजाया जाता है। लोकभवन की ओर से जारी 13 बिंदुओं वाले एक विवरण में यह भी आरोप लगाया गया कि राज्यपाल का माइक बार-बार बंद किया गया और उन्हें बोलने नहीं दिया गया।

अभिभाषण की अनिवार्यता हटे : मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी संविधान में संशोधन के माध्यम से उन प्रावधानों को हटाने का प्रयास करेगी, जिनमें वर्ष की शुरुआत में राज्यपाल के अभिभाषण को अनिवार्य बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने एक प्रस्ताव भी पेश किया जिसमें कहा गया कि सदन राज्यपाल के परंपरागत संबोधन न पढ़ने के व्यवहार को स्वीकार नहीं करता है।

राज्यपाल ने केंद्र की आलोचना वाले अहम हिस्से नहीं पढ़े: विजयन

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में मंगलवार को तब अभूतपूर्व स्थिति उत्पन्न हो गई जब मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सदन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के संबोधन के तुरंत बाद आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल की ओर से अनुमोदित नीतिगत भाषण को पूरी तरह नहीं पढ़ा। विजयन ने कहा कि छोड़े गए अंशों में भाजपा-शासित केंद्र सरकार की राजकोषीय नीति की आलोचना करने वाले हिस्से और राजभवन में लंबित विधेयकों से संबंधित संदर्भ शामिल थे। विजयन के अनुसार, राज्यपाल ने दस्तावेज के 12वें पैरा का शुरुआती हिस्सा और 15वें पैरा के अंतिम हिस्से को नहीं पढ़ा। इसके अलावा, 157 पैरा और 72 पृष्ठों वाले नीतिगत भाषण के 16वें पैरा में राज्यपाल ने एक पंक्ति जोड़ी। विजयन ने विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि राज्य मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर नीतिगत संबोधन को ही आधिकारिक संस्करण के तौर पर स्वीकार किया जाए।

शहीद गजेंद्र को सैन्य सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

शहीद पिता गजेंद्र गढ़िया को अंतिम विदाई देते उनके पुत्र।

संवाददाता, बागेश्वर

- किश्तवाड़ में आतंकियों से मुठभेड़ में बागेश्वर के सपूत हवलदार गजेंद्र सिंह ने पाई थी वीरगति

अमृत विचार: जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के सिंहपोरा में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त स्पेशल फोर्सेज के हवलदार, कपकोट तहसील अंतर्गत बीथी निवासी गजेंद्र सिंह गढ़िया के बलिदान से पूरे जनपद में शोक की लहर है।

मंगलवार को शहीद सैनिक का पार्थिव शरीर सैन्य हेलीकॉप्टर से गृह जनपद बागेश्वर के कपकोट लाया गया। पीजी कॉलेज ग्राउंड में 'भारत माता की जय' एवं 'शहीद गजेंद्र सिंह अमर रहें' के गगनभेदी नारों के बीच उनके माता-पिता, पत्नी, परिजन, ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद को श्रद्धांजलि दी। अंतिम संस्कार के दौरान 19 सिख रेजिमेंट ने शहीद को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। सैन्य अधिकारियों ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

शहीद गजेंद्र का अंतिम संस्कार सरयू-खीरगंगा संगम पर पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया गया। मुखाग्नि पुत्र राहुल और धीरज ने दी। अंतिम विदाई के समय शहीद के पिता धन सिंह, माता चंद्रा देवी, पत्नी लीला देवी एवं परिजनों की आंखें नम रहीं। वहीं, पूरे बीथी गांव सहित क्षेत्रवासियों ने गर्व के साथ अपने वीर सपूत को अंतिम सलामी देते कहा कि शहीद गजेंद्र का बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। इस दौरान डीएम आकांक्षा कोंडे, पैरा लेफ्टिनेंट कर्नल हरी लुइस, विधायक सुरेश गड़िया, सैनिक कल्याण अधिकारी विजय मनराल सहित पुलिस-प्रशासन व सेना के अधिकारी मौजूद रहे।

एसएसपी ऊधमसिंह नगर समेत 5 पुलिसकर्मी तलब

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- सुखवंत सुसाइड केस में एसआईटी ने सभी को जारी किए नोटिस
- रजिस्ट्रार, तहसील कार्यालय और संबद्ध बैंक भी विवेचना के दायरे में

अमृत विचार: काशीपुर के किसान सुखवंत सिंह सुसाइड मामले में उच्चस्तरीय विशेष अन्वेषण दल (एसआईटी) ने अपना दायरा बढ़ाते हुए विवेचना तेज कर दी है।

प्रारंभिक तौर पर अभिलेखों को कब्जे में लेने और घटनास्थल पर जांच और क्राइम सीन जांचने के बाद अब एसआईटी ने ऊधमसिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मणिकांत मिश्रा समेत तीन उपनिरीक्षकों (एसआई) और एक अपर उपनिरीक्षक (एएसआई) को नोटिस जारी कर तलब कर लिया है। एसआईटी उनसे पूछताछ करने के साथ ही बयान दर्ज करेगी। इस बहुचर्चित प्रकरण में सुखवंत द्वारा मौत को गले लगाने से पूर्व सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो तथा परिजनों द्वारा दिए गए बयानों के आधार पर यह नोटिस दिए गए हैं।

एसआईटी के सदस्य/पुलिस अधीक्षक, चम्पावत अजय गणपति ने मंगलवार को बताया कि, एसआईटी ने धोखाधड़ी के आरोपों की पुष्टि के लिए रजिस्ट्रार, तहसील कार्यालय और संबद्ध बैंकों को भी नोटिस जारी किया है ताकि मृतक सुखवंत के साथ भूमि खरीद के नाम पर धोखाधड़ी के आरोपों के संबंध में पुष्टि हो सके। एसआईटी इन संस्थानों से प्राप्त अभिलेखों के आधार पर लेन-देन एवं दस्तावेजों की सत्यता की जांच करेगी। साथ ही एसआईटी की ओर से घटनाक्रम से संबंधित अभिलेखों को कब्जे में लेकर उनका परीक्षण किया जा रहा है। विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा तकनीकी सर्विलांस के माध्यम से कॉल डिटेल, सीसीटीवी, डिजिटल साक्ष्य एवं अन्य तकनीकी तथ्यों का निरंतर विश्लेषण किया जा रहा है।

एमबीबीएस के नौ छात्र निष्कासित, जुर्माना

देहरादून। राजधानी स्थित राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग किए जाने के मामले में एमबीबीएस के नौ छात्रों को कॉलेज तथा हॉस्टल से निष्कासित कर दिया गया है जबकि इनमें से दो छात्रों पर निष्कासन के साथ ही 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

(विस्तृत पेज-2)

हॉस्पिटल मालिक ने खुद को गोली से उड़ाया

खटीमा। प्रेमजी हॉस्पिटल के मालिक वरिष्ठ व्यवसायी कंजाबाग निवासी जशोदर भट्ट (62) पुत्र प्रेमबल्लभ भट्ट ने मंगलवार को सुजिया नहर के किनारे खुद को कनपटी में गोली मारकर जान दे दी।

इस सनसनीखेज घटना का पता चलने पर पुलिस-प्रशासन में हड़कंप के साथ परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव के पास से व्यवसायी का लाइसेंसी रिवॉल्वर, दो पेज का सुसाइट नोट और बाइक बरामद की है। साक्ष्यों और सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस इसे प्रथम दृष्टया आत्महत्या मानकर जांच कर रही है। सुजिया के प्रधान ने कोतवाल बिजेंद्र साह को दोपहर में झाड़ियों में शव पड़ा होने की सूचना दी थी। कोतवाल मौके पर पहुंचे तो शव की शिनाख्त व्यवसायी जशोदर के रूप में हुई। वे प्रॉपर्टी में भी डीलिंग करते थे।

- खटीमा में घटना, सुजिया नहर किनारे शव के पास मिला रिवॉल्वर व सुसाइड नोट

सीओ विमल रावत ने बताया कि, जशोदर सुबह करीब दस बजे नाश्ता कर घर से निकले थे। इससे पहले उन्होंने अपने पुत्र से बातचीत की थी। व्यवसायी के पुत्र दंत चिकित्सक डॉ. गौरव भट्ट अस्पताल का संचालन करते हैं जबकि पुत्री बबीता सोनीपत में फैशन डिजाइनिंग का कोर्स कर रही हैं। सीओ के अनुसार, सुसाइड नोट में व्यवसायी ने अपनी मर्जी से आत्महत्या करने की बात लिखी है। मामले की गहन जांच की जा रही है। (संबंधित पेज-7)

अविमुक्तेश्वरानंद से प्रशासन ने शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा

प्रयागराज। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट के नोटिस का हवाला देते हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को नोटिस जारी कर 24 घंटे में ज्योतिष पीठ का शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा है। जवाब में उन्होंने कहा है कि शंकराचार्य वह है जिसे बाकी तीन पीठों के शंकराचार्य मान्यता देते हैं।

उन्होंने दावा किया है कि बाकी दो पीठ द्वारका पीठ और श्रृंगेरी पीठ के शंकराचार्य उन्हें शंकराचार्य कहते हैं। पिछले माघ मेले में उनके साथ स्नान भी कर चुके हैं। जब दोनों शंकराचार्य यह कह रहे हैं कि वह शंकराचार्य हैं तो और किस प्रमाण की आवश्यकता है कि वह शंकराचार्य हैं कि नहीं। उन्होंने कहा, क्या अब प्रशासन तय करेगा कि वह शंकराचार्य हैं कि नहीं।

इजराइल ने पूर्वी यरुशलम में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय पर चलाया बुलडोजर

यरुशलम, एजेंसी

- कर्मचारियों के उपकरण जब्त कर इमारत से जबरन बाहर निकाला
- संरा ने बताया अभूतपूर्व हमला, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन

इजराइल के अधिकारियों ने पूर्वी यरुशलम में संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय को बुलडोजर से गिराना शुरू कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी ने कहा कि इजराइली सेना ने कार्यालय के कर्मचारियों के उपकरण जब्त कर लिए और उन्हें शेख जर्राह इलाके में स्थित इमारत से जबरन बाहर निकाल दिया।

संयुक्त राष्ट्र ने 'एक्स' पर कहा, यह न केवल यूएनआरडब्ल्यूए और उसके परिसर पर अभूतपूर्व हमला है, अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र के विशेषाधिकारों का गंभीर उल्लंघन भी है। इजराइल लंबे समय से यह कहकर यूएनआरडब्ल्यूए पर निशाना साधता रहा है कि वह फिलिस्तीन समर्थक है। उस पर हमास से संबंध रखने का भी आरोप लगाया है जिसे संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने पूरी तरह नकार दिया है। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह कार्रवाई उस नए कानून के तहत की गई है जिसके तहत आतंकवादी समूहों और हमास से संबंध रखने के आरोप में संगठन पर प्रतिबंध लगाया गया है।

फैसला | सुप्रीम कोर्ट ने कहा- केस दर्ज कर आरोपपत्र भी कर सकती है दाखिल, सीबीआई की पूर्वानुमति की भी जरूरत नहीं

केंद्रीय कर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच कर सकती है राज्य पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में व्यवस्था दी कि रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के अपराधों के मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत राज्य पुलिस के अधिकारी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ जांच कर आरोप पत्र दाखिल कर सकते हैं। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि राज्य पुलिस को केंद्र सरकार के किसी कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज करने से पहले सीबीआई की पूर्व अनुमति की भी आवश्यकता नहीं है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराधों की जांच राज्य एजेंसी, केंद्रीय एजेंसी या कोई भी पुलिस एजेंसी इस शर्त के साथ कर सकती है कि पुलिस अधिकारी विशेष रैंक का हो। पीठ ने अधिनियम की धारा 17 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह धारा राज्य पुलिस या राज्य की किसी विशेष एजेंसी को केंद्रीय कर्मचारियों के खिलाफ रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और कदाचार से संबंधी मामलों को दर्ज करने या जांच करने से नहीं रोकती है। पीठ ने कहा, सुविधा और काम के दोहराव से बचने के लिए सीबीआई को केंद्र के कर्मचारियों के खिलाफ जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इसी तरह राज्य के भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो पर राज्य सरकार के कर्मचारियों के खिलाफ जांच करने जिम्मेदारी है।

आवारा कुत्तों के मामले में मेनका गांधी का बयान अवमानना

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी की आवारा कुत्तों के मुद्दे पर अपने आदेशों की आलोचना करने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्होंने अदालत की अवमानना की है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि उदारता के कारण वह पूर्व मंत्री के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू नहीं कर रही है। न्यायमूर्ति मेहता ने मेनका के वकील से पूछा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री के रूप में मेनका गांधी ने आवारा कुत्तों की समस्या को खत्म करने के लिए बजट में आवंटन कराने में क्या मदद की। पीठ ने कहा कि कुत्तों को खाना देने वालों को जवाबदेह ठहराने के संबंध में उसकी टिप्पणी व्यंग्य नहीं, बल्कि गंभीर थी। अदालत ने 13 जनवरी को कहा था कि वह राज्यों को कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए भारी मुआवजा देने को कहेगी और ऐसे मामलों के लिए कुत्तों को खाना देने वालों को जवाबदेह ठहराएगी।

समाचारपत्रों को नहीं रोक सकते निर्बाध चलेंगी पंजाब केसरी की प्रेस

सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए कि ''समाचारपत्रों को रोका नहीं जा सकता'' पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह पंजाब केसरी अखबार के प्रकाशन के खिलाफ कोई कदम न उठाए। कोर्ट ने मौखिक उल्लेख के बाद समाचारपत्र समूह की याचिका पर तत्काल सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि हिंदी दैनिक के प्रिंटिंग प्रेस निर्बाध रूप से काम करते रहेंगे। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने कहा कि समाचार पत्र समूह की याचिका पर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के फैसला सुनाए जाने के बाद भी उसका अंतरिम आदेश एक सप्ताह तक प्रभावी रहेगा। इससे पहले समाचार पत्र समूह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने इसे असाधारण मामला बताते हुए आरोप लगाया कि पंजाब सरकार के खिलाफ समाचारों के बाद राज्य ने उत्पीड़न का अभियान शुरू कर दिया।

स्टेट ब्रीफ

केंद्र ने मंजूर किए 759 करोड़ रुपए

देहरादून: भारत सरकार ने विशेष सहायता योजना के तहत उत्तराखंड के लिए 759 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। योजना के प्रथम चरण में 734 करोड़ रुपए की मंजूरी के बाद अब 25 करोड़ रुपए की एक और किस्त जारी हो गई है। उत्तराखंड के लिए अब तक कुल 759 करोड़ रुपए स्वीकृत हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर कहा कि केंद्र सरकार राज्य के विकास में लगातार सहयोग प्रदान कर रही, इससे राज्य में विकास को गति मिल रही है।

खाई में गिरी कार, दो की मौत

पिथौरागढ़: गंगोलीहाट में बोयल गांव के पास मंगलवार को एक कार खाई में गिर गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। इनकी पहचान शिवनाथ और गोपाल सिंह के रूप में की गई। पुलिस ने बताया कि, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

पार्थिव शरीर देखकर पत्नी हुई बेसुध, मासूम बेटों ने सैल्यूट करते किया विदा, श्रद्धांजलि देने पूरा गांव उमड़ा

बागेश्वर के सपूत गजेंद्र की विदाई पर हर आंख रोई

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जम्मू-कश्मीर के सिंहपोरा में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त स्पेशल फोर्सेज के हवलदार गजेंद्र सिंह गढ़िया का तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर जब कपकोट पहुंचा तो उनके अंतिम दर्शन को परिजन और बिथी पोथिंग गांव उमड़ पड़ा। पत्नी जहां पार्थिव शरीर देख बेसुध हो गई तो बच्चे बिलख पड़े। यह देखकर वहां मौजूद हर आंख नम हो गई। पूरा क्षेत्र 'गजेंद्र तेरा यह बलिदान याद करेगा हिंदुस्तान', 'भारत माता की जय' एवं 'शहीद गजेंद्र अमर रहें' के गगनभेदी नारों से गूंजता रहा।

मंगलवार दोपहर बाद सेना के हेलीकाप्टर से शहीद गजेंद्र के पार्थिव शरीर को कपकोट के अस्थायी हेलीपैड पर लाया गया। अंतिम विदाई के दौरान ग्रामीण शहीद गजेंद्र के पिता धन सिंह, माता चंद्रा देवी, पत्नी लीला देवी और बच्चों राहुल व धीरज को ढांढस बंधाते रहे।

किसी तरह अन्य महिलाओं के सहारे पत्नी लीला गढ़िया शहीद पति के पार्थिव शरीर तक पहुंचीं और अपने सुहाग के अंतिम दर्शन करने के साथ मान्यताएं निभाईं। इस दौरान उनकी पथराई नजरें एकटक पति गजेंद्र के चित्र पर टिकी रहीं। महिलाओं ने किसी तरह उन्हें संभाला। मां भारती की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले अपने बहादुर पिता को मासूम पुत्र राहुल व धीरज ने पूरे फौजी अंदाज में अंतिम सैल्यूट किया तो यह देखकर हर कोई भावुक हो गया।

शहीद हवलदार गजेंद्र सिंह गढ़िया को पुष्प चक्र अर्पित करते उनके पिता धन सिंह।

सड़क न होने से कई ग्रामीण नहीं कर सके अंतिम दर्शन

बागेश्वर: शहीद गजेंद्र सिंह के पैतृक गांव बीथी तक सड़क सुविधा न होने के कारण कई ग्रामीण और रिश्तेदार उनके अंतिम दर्शन नहीं कर पाए। सड़क न होने से शहीद के परिजनों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। गांव तक सड़क न होने के कारण परिजनों ने शहीद का अंतिम संस्कार कपकोट में ही करने का निर्णय लिया। गांव के कई महिला-पुरुष अंतिम दर्शन से वंचित रह गए, जिसका उन्हें हमेशा मलाल रहेगा।

गृह मंत्री शाह का दौरा हरिद्वार में हाई अलर्ट

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कल हरिद्वार दौरे को देखते हुए जनपद में हाई अलर्ट जैसी स्थिति है। मंगलवार को पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने हरिद्वार पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए तैयारियों को परखा।

बैरागी कैंप में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक में वीवीआईपी कार्यक्रम में नियुक्त पुलिस अधिकारियों को डी-ब्रीफिंग ली गई। अधिकारियों से ड्यूटी से संबंधित फीडबैक प्राप्त कर जमीनी हकीकत का आकलन किया गया। गृह मंत्री के प्रस्तावित दौरे को ध्यान में रखते हुए पुलिस महानिदेशक द्वारा समस्त मातहत अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर कोई चूक स्वीकार्य नहीं होगी। ड्यूटी प्वाइंट्स पर तैनात बल को पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। किसी भी प्रकार की लापरवाही को नाकाबिले बर्दाश्त बताते हुए अनुशासन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही, कार्यक्रम के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु निर्धारित यातायात प्लान को सख्ती से लागू किए जाने के निर्देश दिए गए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो और कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके। सभी अधिकारी अपने अधीनस्थों को समय रहते हुए ब्रीफ करेंगे।

राज्य में बनाएं बड़े पार्क, पर्यटन क्षेत्र करें विकसित

मुख्य सचिव बर्द्धन ने विभागीय व्यय योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने शहरी विकास विभाग को देहरादून सहित राज्य के बड़े शहरों में बड़े पार्क तैयार करने के निर्देश दिए हैं। टिहरी को इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के रूप मे विकसित करने के लिए शीघ्र कार्ययोजना बनाने, टिहरी झील रिंग रोड परियोजना शीघ्र शुरू करने और पर्यटन विभाग को टिहरी, ऋषिकेश व चम्पावत में पर्यटन क्षेत्र विकसित करने के प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए हैं।

मंगलवार को सचिवालय में पूंजीगत व्यय, सीएसएस योजनाएं, ईएपी योजना एं, नाबार्ड योजनाएं, एसएएससीआई, एसएनए स्पर्श एवं विभागों की व्यय योजनाओं की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव (सीएस) ने पूंजीगत व्यय, सीएसएस, ईएपी एवं नाबार्ड पोषित योजनाओं के प्रस्तावों को समय पर भेजे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने रीइंबर्समेंट दावा समय पर करने और अच्छा कार्य कर रहे विभागों को और फंड्स उपलब्ध कराने को कहा। सीएस ने सभी परियोजनाओं को समय से पूरा करने के लिए टाइमलाइन निर्धारण के साथ मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। वित्त एवं नियोजन विभाग को कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए इंडिपेंडेंट थर्ड पार्टी इवैल्यूएशन के लिए मजबूत मैकेनिज्म तैयार करने देते कहा कि जिम्मेदारी तय करते हुए, जिम्मेदार पर एक्शन लेना भी सुनिश्चित करें। जिन प्रोजेक्ट्स में थर्ड पार्टी मूल्यांकन का प्राविधान नहीं है, उनमें तत्काल प्रावधान किया जाए। नियोजन विभाग द्वारा एम्पैनल्ड एजेंसियों को भी विभाग थर्ड पार्टी क्वालिटी कंट्रोल के लिए तत्काल शुरू कर सकते हैं।

देहरादून में अधिकारियों की बैठक लेते मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन। ● अमृत विचार

100 प्रतिशत लगाएं वाटर मीटर

मुख्य सचिव ने पानी की बर्बादी पर रोकने के लिए जल संस्थान को 31 मार्च तक देहरादून की सभी सरकारी कॉलोनियों में शत प्रतिशत वाटर मीटर के अलावा प्रदेश में सभी नगर निगमों में भी वाटर मीटर लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा, वन विभाग को सिटी ग्रीनिंग और एक्सप्रेस-वे के प्रस्ताव के साथ बायोफेंसिंग का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने, आईटी विभाग को साइंस सिटी एंड विज्ञान केंद्रों की स्थापना व इनके संचालन और मैट्रिंग की व्यवस्था हेतु मैकेनिज्म बनाने को कहा।

जीरो कार्बन, 24x7 रियल टाइम मॉनिटरिंग

सीएस ने पेयजल विभाग को योजनाओं में जीरो कार्बन उत्सर्जन पर फोकस करने का लक्ष्य दिया। जल संस्थान और निगम को पेयजल योजनाओं को भी जीरो कार्बन उत्सर्जन की ओर ले जाने की दिशा में कार्य करते हुए सोलर को बैटरी से जोड़े जाने पर जोर दिया। उन्होंने पेयजल विभाग को उनके सभी एसटीपी प्लांट्स की 24x7 रियल टाइम मॉनिटरिंग का मैकेनिज्म तैयार करने को कहा।

सिंचाई को 30 प्रतिशत का लक्ष्य

सीएस ने सिंचाई विभाग को राज्य की कुल 15 प्रतिशत सिंचित भूमि को अगले 5 साल में दोगुना करते हुए 30 प्रतिशत करने का लक्ष्य देते हुए गुणवत्तापूर्ण प्रोजेक्ट्स तैयार करने के निर्देश दिए। सिंचाई के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लगाए गए स्प्रिंकलर सिस्टम को प्रदेशभर में शुरू करने के निर्देश के साथ कहा कि जहां-जहां सिंचाई तंत्र ध्वस्त हो गया है या बंद पड़ा है, उसे दुरुस्त कर शुरू किया जाए।

ज्योति की पांच मामलों में गिरफ्तारी पर रोक

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: ब्लॉगर ज्योति अधिकारी को मंगलवार को हाईकोर्ट ने राहत देते हुए पांच मामलों में उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है।

न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की एकलपीठ में ज्योति के प्रार्थनापत्रों पर एक साथ सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उनके खिलाफ लगाए आरोप निराधार हैं। एक ही मामले में प्रदेश में अलग-अलग सात मामले दर्ज किये गये हैं। दो मामलों में उन्हें निचली अदालत से जमानत मिल गयी है। दूसरी ओर, सरकार की ओर से गिरफ्तारी का विरोध करते हुए कहा गया कि अपने फॉलोवर बढ़ाने के लिए आरोपी महिला की ओर से ऐसा किया गया है, इससे हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। अदालत ने ज्योति को राहत देते हुए निर्देश दिए कि आरोपी सोशल मीडिया से अपने सभी वीडियो हटाएंगी। अदालत ने आरोपी के अधिवक्ता से यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर प्रचार पाने के लिये ऐसा कदम उठाना गलत है।

सुखवंत आत्महत्या में राहत नहीं

नैनीताल: हाईकोर्ट ने किसान सुखवंत आत्महत्या प्रकरण में एक आरोपी को मंगलवार को राहत नहीं दी है। अब उसके प्रकरण पर अगले सप्ताह सुनवाई होगी। आरोपी बलवंत सिंह उर्फ बलवंत सिंह बकसौरा की ओर से हाईकोर्ट में गिरफ्तारी पर रोक लगाने के लिए प्रार्थना पत्र दायर किया गया था। न्यायमूर्ति आलोक महरा की अवकाशकालीन पीठ में उस पर सुनवाई हुई। न्यायालय ने सुनवाई से इनकार कर दिया। आरोपी की ओर से दायर प्रार्थना पत्र में कहा गया कि उस पर लगाए गए आरोप गलत हैं। अन्य छह आरोपियों को हाईकोर्ट से पिछले सप्ताह राहत मिल गई है और उनकी गिरफ्तारी पर रोक लग गई है। अदालत ने इस प्रकरण में सुनवाई से इनकार कर दिया। अब इस मामले में अगले सप्ताह नयी अवकाश कालीन पीठ सुनवाई करेगी।

केदारनाथ धाम यात्रा की तैयारियां हुई प्रारंभ

देहरादून: आगामी श्री केदारनाथ धाम यात्रा वर्ष 2026 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन के दृष्टिगत जिला प्रशासन रुद्रप्रयाग द्वारा प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी क्रम में मंगलवार को जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग प्रतीक जैन की अध्यक्षता में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण समन्वय एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में श्री केदारनाथ धाम यात्रा से संबंधित प्रारंभिक तैयारियों, आवश्यक व्यवस्थाओं, विभागीय दायित्वों, बीकेटीसी, हक-हकूकदारों तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

इस दौरान यात्री सुविधाएं, सड़क एवं पैदल मार्गों की स्थिति, पार्किंग व्यवस्था, डंडी-कंडी एवं घोड़ा-खच्चर संचालन, स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता, आवास, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, आपदा प्रबंधन तथा संचार व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

निजता उल्लंघन की आशंकाएं हुईं निर्मूल

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- सीएम ने कहा-सरल प्रक्रिया और गुड गवर्नेंस का उदाहरण है यूसीसी
- 5 लाख से ज्यादा आवेदन, एक में भी निजता का उल्लंघन नहीं

अमृत विचार: उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के तहत बीते एक साल में विभिन्न सेवाओं के लिए पांच लाख से अधिक आवेदन हुए हैं, लेकिन एक भी मामले में निजता उल्लंघन की शिकायत नहीं आई है। इस तरह यूसीसी, नागरिकों की निजी जानकारियां सुरक्षित रखने के अपने संकल्प पर शत प्रतिशत खरा उतरी है। ऑनलाइन आवेदन में पूरी प्रक्रिया फेसलेस होने से भी किसी की भी पहचान सार्वजनिक होने का खतरा नहीं है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुसार, यूसीसी को लेकर कुछ लोगों ने शुरुआत में नकारात्मक माहौल बनाने का प्रयास किया। विगत एक साल में यूसीसी क्रियान्वयन ने ऐसे सभी लोगों को जवाब दे दिया है। यूसीसी नागरिकों की निजता का शत प्रतिशत पालन करने में सफल रही है। साथ ही, पूरे प्रदेश में जितनी सरलता से इस प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है, वो अपने आप में गुड गवर्नेंस का उदाहरण है। यूसीसी के करीब शत प्रतिशत आवेदन यूसीसी पोर्टल के जरिए हो रहे हैं। इसमें आवेदक घर बैठे ही आवेदन कर सकता है। उन्हें किसी भी सरकारी कार्यालय या अधिकारी के सामने उपस्थित होने की जरूरत नहीं है। साथ ही पोर्टल में नागरिकों की निजी जानकारी को सुरक्षित और गोपनीय रखने को मजबूत सुरक्षा प्रावधान किए हैं, ऑनलाइन आवेदन एक बार सक्षम स्तर के अधिकारी स्तर से मंजूर हो गया तो फिर, संबंधित अधिकारी भी आवेदन की निजी जानकारी नहीं देख पाता है। आवेदन में प्रस्तुत निजी जानकारी तक सिर्फ आवेदक की ही पहुंच है, जो जरूरी सत्यापन प्रक्रिया के जरिए इसे देख सकता है। यही कारण है कि बीते एक साल में निजता उल्लंघन की एक भी शिकायत नहीं आई है जबकि अब लोग विवाह पंजीकरण के साथ ही विवाह विच्छेद, वसीयत पंजीकरण, लिव इन पंजीकरण से लेकर लिव इन रिश्ते समाप्त करने तक के लिए यूसीसी का प्रयोग कर रहे हैं। औसत पांच दिन में प्रमाणपत्र मिलने से लोगों का समय भी बच रहा है।

यलो अलर्ट: कल से बारिश और बर्फबारी का अनुमान

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: एक और पश्चिम विक्षोभ प्रदेश में दस्तक देने जा रहा है, जिसका असर प्रदेश के चार जिलों में भारी बारिश व बर्फबारी के रूप में देखने को मिल सकता है। इसका यलो अलर्ट भी जारी किया गया है।

मौसम विभाग की मानें तो यह बेहद शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ है जिसका असर कम से कम 4 जिलों में भारी वर्षा के रूप में देखने को मिलेगा, जबकि चोटियां बर्फ से लकदक हो जाएंगी। हिमालय के लिए यह बर्फबारी संजीवनी लेकर आएगी और सूखे पर लगाम लगेगी। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ का सर्वाधिक असर उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर व पिथौरागढ़ में रहेगा। 25 सौ मीटर से अधिक ऊंचाई वाले हिस्सों में जमकर हिमपात होने की संभावना है। मगर अब देखना है कि प्रदेश के कितने हिस्सों में इस विक्षोभ का असर देखने को मिलेगा। मैदानी भागों में भी हल्की से मध्यम वर्षा का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है। इधर, सरोवर नगरी में मंगलवार को मौसम का मिजाज हल्के बादलों के साथ बदला हुआ नजर आया। बादल आते-जाते रहे और सूर्यदेव के दर्शन होते रहे। हल्की ठंड भी महसूस होती रही। शाम को ठंड में अधिक बढ़ोतरी हो गई। अधिकतम तापमान 19 व न्यूनतम 8.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

रैगिंग करने वाले एमबीबीएस के नौ छात्र किए गए निष्कासित

संवाददाता, देहरादून

- राजकीय दून मेडिकल कॉलेज का मामला, दो छात्रों पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना

अमृत विचार: राजधानी देहरादून स्थित राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग किए जाने के मामले में एमबीबीएस के नौ छात्रों को कॉलेज तथा हॉस्टल से निष्कासित कर दिया गया है जबकि इनमें से दो छात्रों पर निष्कासन के साथ ही 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

कॉलेज की प्राचार्य डॉ. गीता जैन की ओर से इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी किया गया है। डॉ. जैन ने मंगलवार को इस संदर्भ में बताया कि एमबीबीएस 2025 बैच के दो छात्रों के साथ 12 जनवरी की रात वर्ष 2023 और 2024 बैच के सीनियर छात्रों ने मिलकर रैगिंग की थी। मामले की शिकायत वार्डन की ओर से अगले दिन ही कर दी गई थी। इसकी गंभीरता को समझते हुए 15 जनवरी को इसकी जांच एंटी रैगिंग कमेटी को सौंपी गई जिसने अपनी रिपोर्ट सोमवार को कॉलेज प्रबंधन को सौंप दी। इसमें नौ सीनियर छात्रों को दोषी पाया गया।

एमबीबीएस के 2023 और 2024 बैच के दो छात्रों को दो महीने के लिए कॉलेज से निकाला गया है, जबकि ये छात्र हॉस्टल और इंटर्नशिप से हमेशा के लिए बाहर किए गए हैं। इन्हीं दोनों छात्रों पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा 2023 बैच के चार और 2024 बैच के तीन और छात्रों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। इन छात्रों को एक महीने के लिए कॉलेज से निकाला गया है, जबकि तीन महीने के लिए हॉस्टल से बाहर किया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कॉलेज प्रबंधन की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों इसके लिए योजना बनाई जा रही है।

अनुसंधान

अनुसंधान में राष्ट्रीय और वैश्विक महत्व की बीमारियों के लिए निदान और उपचारों को रूपांतरित करने की क्षमता

आईआईटी रुड़की ने अगली पीढ़ी का एंटीबॉडी खोज मंच विकसित किया

- अति-विशाल, उच्च विविधता एकल डोमेन एंटीबॉडी (नैनोबॉडी) लाइब्रेरी के विकास से संबंधित यह अनुसंधान

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने किफायती स्वास्थ्य सेवा, महामारी की तैयारी और स्वदेशी जैवप्रौद्योगिकी नवाचार की दिशा में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है जिसके अंतर्गत एक अगली पीढ़ी का एंटीबॉडी खोज मंच विकसित किया है, जहां राष्ट्रीय और वैश्विक महत्व की बीमारियों के लिए निदान और उपचारों को रूपांतरित करने की क्षमता है।

आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में किया गया यह महत्वपूर्ण अनुसंधान एक अति-विशाल, उच्च विविधता एकल डोमेन एंटीबॉडी (नैनोबॉडी) लाइब्रेरी के विकास से संबंधित है। यह मंच संक्रामक रोगों, कैंसर, स्वप्रतिरक्षी विकारों और उभरते रोगजनकों सहित व्यापक लक्ष्यों के विरुद्ध अत्यधिक स्थिर और उच्च आसक्ति एंटीबॉडी की तीव्र पहचान को सक्षम बनाता है। खोज समयसीमा को उल्लेखनीय रूप से कम करके यह नवाचार स्वास्थ्य प्रतिक्रिया में विशेष रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान एक महत्वपूर्ण अंतर को संबोधित करता है।

आईआईटी रुड़की के जैवविज्ञान और जैवअभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर राजेश कुमार ने बताया कि, यह कार्य उस विज्ञान के प्रति आईआईटी रुड़की की प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो प्रत्यक्ष रूप से समाज की सेवा करता है। भारत के भीतर एक सार्वभौमिक, उच्च विविधता एंटीबॉडी खोज प्रणाली विकसित करके, हम तेज रोग प्रतिक्रिया के लिए, राष्ट्रीय क्षमताओं को सुदृढ़ कर रहे हैं और उन जनसंख्याओं के लिए किफायती निदान और उपचारों के विकास को गति दे रहे हैं जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

अनुसंधान की यह खास बात

यह अनुसंधान संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के साथ सुदृढ़ रूप से संरेखित है, विशेष रूप से एसडीजी 3 (अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण), एसडीजी 9 (उद्योग, नवाचार और अवसंरचना) तथा एसडीजी 17 (लक्ष्यों के लिए साझेदारियां) के साथ। यह विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए प्रासंगिक है, जहां समय पर और लागत-प्रभावी स्वास्थ्य समाधानों तक पहुंच एक सतत चुनौती बनी हुई है।

> यह विकास दर्शाता है कि कैसे मौलिक अनुसंधान, अनुवादात्मक उद्देश्य और उद्योग सहयोग के साथ मिलकर तात्कालिक सामाजिक चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है। आईआईटी रुड़की जिम्मेदार और प्रभावशाली स्वास्थ्य नवाचार के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने वाले समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। -प्रो. केके पंत, निदेशक, आईआईटी रुड़की

भाजपा सांसदों ने सांसद निधि दूसरे राज्यों में लुटाई: गोदियाल

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने आरोप लगाते हुए सूचना के अधिकार (आरटीआई) के आधार पर दावा किया कि, भाजपा सांसदों ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों में ट्यूबवेल, स्कूल, सामुदायिक भवन, सड़क और जल निकासी जैसे कार्यों पर करोड़ों रुपये खर्च किए, जबकि उत्तराखंड के गांव आज भी विकास से वंचित हैं।

गोदियाल ने आरोप लगाया कि, उत्तराखंड के गांव आज भी पानी, सड़क, स्कूल, अस्पताल जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए, जूझ रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा के सांसद अपनी सांसद निधि का बड़ा हिस्सा दूसरे राज्यों में खर्च कर रहे हैं और इसका हिसाब उनको देना होगा। उन्हें याद रखना चाहिए कि उन्हें सांसद उत्तराखंड की जनता ने चुना है, किसी और राज्य की नहीं। गोदियाल ने आरोप लगाया कि, देहरादून, टिहरी, अल्मोड़ा, पौड़ी, चमोली जैसे क्षेत्रों में आज भी सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा बदहाल है, लेकिन भाजपा सांसदों की प्राथमिकता उत्तराखंड नहीं, बल्कि राजनीतिक हित हैं। गोदियाल ने मांग की है कि भाजपा सांसद इस पर जवाब दें और केंद्र सरकार सांसद निधि के दुरुपयोग की जांच कराए।

- कांग्रेस प्रदेश गणेश गोदियाल ने लगाया आरोप, उठाए सवाल

सिटी ब्रीफ

हजारों की नगदी संग पकड़े गए सटोरिये

हल्द्वानी : बनभूलपुरा पुलिस ने सट्टे खाईबाड़ी करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 12 जनवरी की शाम गश्त के दौरान निशाद स्कूल के पास एक खुले कमरे में कुछ लोग सट्टा खेल रहे थे। पुलिस को देख वे भागने लगे। पुलिस ने भाग रहे लोगों में से दो को पकड़ लिया। आरोपियों ने अपना नाम रिजवान निवासी इंद्रानगर और पप्पू निवासी इंद्रानगर नूरी मस्जिद के पास बताया। पप्पू के पास से 5,670 रुपये बरामद हुए। कोतवाल डीएस फर्त्याल ने बताया दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

धूप में बढ़ी तपिश, रात को पड़ रही ठंड

हल्द्वानी : शहर में दिन में तेज धूप निकलने से दिन में तपिश बढ़ रही है वहीं रात में ठंड बनी है। हल्द्वानी में धूप में बैठने पर लोगों को स्वेटर उतारने पड़े। शहर में अधिकतम तापमान 24 .4 डिग्री रहा जो सामान्य से 5 .2 डिग्री ज्यादा है। न्यूनतम तापमान 4 .6 डिग्री रहा। 23 जनवरी से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने व बारिश की संभावना बताई जा रही है।

एसटीएच की कैथलैब में सीलन बनी चुनौती

मंडी परिषद कर रही है निर्माण, मेडिकल कॉलेज प्रशासन बोला-रविवार तक कर लें सीलन का समाधान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: एसटीएच में निर्माणाधीन कुमाऊं की एकमात्र सरकारी कैथलैब में अभी भी काफी कमियां हैं। निरीक्षण में सामने आया है कि यहां पर काफी सीलन है। इस वजह से संबंधित कंपनी मशीनों को इंस्टॉल नहीं कर सकती है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने निर्माण एजेंसी मंडी परिषद से स्पष्ट कहा है कि रविवार तक सीलन व अन्य समस्याओं को दूर करें जिसके बाद सोमवार को इसे हैंडओवर किया करें।

मंडी परिषद यहां कैथलैब का निर्माण कर रही है। काम देरी से चल रहा है। हालांकि अब मुख्य ढांचा पूरी तरह से तैयार कर लिया है। करीब तीन दिन पहले प्राचार्य डॉ. जीएस तितियाल, एमएस डॉ. अरुण जोशी व अन्य ने कैथलैब का निर्माण किया था। तब पता चला कि यहां अन्य छोटी कमियों के साथ सीलन प्रमुख समस्या है।

बुजुर्ग महिला के सफल ऑपरेशन के बाद डॉ . गणेश सिंह।

मंडी परिषद ने बताया कि सीलन की समस्या पहले से ही है लेकिन अस्पताल प्रशासन ने साफ कह दिया कि सोमवार तक कैथलैब को हैंडओवर करने की कार्यवाही शुरू करें और रविवार तक सीलन की समस्या खत्म कर दें। अब मंडी परिषद के सामने बचे हुए तीन से चार दिनों के अंदर सीलन की समस्या को ठीक करने की चुनौती बनी हुई है। यहां संबंधित कंपनी के तकनीशियनों को आना है। जिससे कैथलैब में उपकरण लगाने का काम शुरू कर दिया जाए लेकिन जब तक सीलन रहेगी तब तक यह काम शुरू नहीं होगा।

80 वर्षीय बुजुर्ग महिला का सफल घुटना प्रत्यारोपण

हल्द्वानी : बाएं घुटने में असहनीय दर्द और सिर में गंभीर चोट से पीड़ित एक 80 वर्षीय मुनस्यारी निवासी धनी देवी के लिए डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय जीवनदायी साबित हुआ है। अस्थि रोग विभाग के प्रो . डॉ . गणेश सिंह धर्मशक्तू ने नेतृत्व में यह ऑपरेशन हुआ और मरीज अब स्वस्थ्य है। डॉ . गणेश ने बताया कि महिला लंबे समय से घुटने के तीव्र दर्द से पीड़ित थी, जिसके कारण वह पैर मोड़ने में भी असमर्थ हो गई थी। ऑपरेशन से पूर्व महिला घर पर गिर गई थी, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। सिर की चोट के साथ घुटना प्रत्यारोपण को एक बड़ी चुनौती के रूप में स्वीकार करते हुए डॉक्टरों की टीम ने सफलतापूर्वक सर्जरी की। बताया कि एसटीएच में सिर की गंभीर चोट के साथ घुटना प्रत्यारोपण का यह पहला सफल मामला है। यह ऑपरेशन गोल्डन कार्ड योजना के अंतर्गत पूर्णत : नि :शुल्क किया गया। घुटना प्रत्यारोपण के बाद महिला अब चल-फिर रही है।

मरीजों के लिए दुश्वारी होगी सीलन

हल्द्वानी : स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार कैथलैब में सीलन होने (यानी नमी या पानी) से संक्रमण और उपकरणों के खराब होने का खतरा बढ़ जाता है, जिससे गंभीर जटिलताएं जैसे ब्लड स्ट्रीम इन्फेक्शन, उपकरण में खराबी (जैसे ब्लॉकेज) और गलत रीडिंग आ सकती है, जो मरीज के लिए जानलेवा हो सकती है खासकर जब कैथेटर या सेंट्रल लाइन लगी है। एमएस डॉ . अरुण जोशी ने बताया कि निर्माणदायी एजेंसी से स्पष्ट कहा है कि कोई भी बहाना नहीं चलेगा और सीलन की समस्या दूर करनी होगी।

महिला अस्पताल में शुरू हुए अल्ट्रासाउंड : राजकीय महिला अस्पताल हल्द्वानी में अल्ट्रासाउंड की समस्या सुलझ गई है। मंगलवार को रेडियोलॉजिस्ट उपलब्ध होने के बाद अल्ट्रासाउंड शुरू हो गए हैं। यहां प्रतिदिन 45 से ज्यादा महिलाओं के अल्ट्रासाउंड होते हैं। अस्पताल के डॉक्टर छुट्टी पर होने की वजह से यह समस्या आई थी। बेस अस्पताल से अल्ट्रासाउंड के लिए रेडियोलॉजिस्ट को बुलाया गया था लेकिन उनको भी काम से जाना पड़ा था। राहत की बात है कि मंगलवार से अल्ट्रासाउंड शुरू हो गए हैं।

हड्डी रोग विशेषज्ञ ट्रेनिंग पर, मरीज हो रहे परेशान

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: बीडी पांडे अस्पताल में तैनात हड्डी रोग विशेषज्ञ के ट्रेनिंग पर जाने से मरीजों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को हड्डी रोग विशेषज्ञ की अनुपस्थिति पर प्रबन्धन ने डाक्टर की वैकल्पिक व्यवस्था करने की बात कही थी। लेकिन कोई व्यवस्था नहीं हुई अस्पताल में डॉक्टर के न होने से मरीजों को बिना उपचार वापस लौटना पड़ा।

बता दें कि नैनीताल के बीडी पांडे अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ इन दिनों ट्रेनिग पर हैं। जिसके चलते

निदेशक स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए बेस अस्पताल हल्द्वानी, गरमपानी व सितारगंज से चिकित्सकों की ड्यूटी बीडी पांडे अस्पताल में लगाई गई थी। लेकिन विभागीय आदेश के बावजूद शनिवार व सोमवार को चिकित्सक अस्पताल नहीं पहुंचे।

जिससे हड्डी रोग विशेषज्ञ कक्ष में ताला लगा रहा।

वहीं उपचार को पहुंचे मरीज लंबे इंतजार के बाद बिना उपचार ही बैरंग लौट गए। इस संबंध में पीएमएस डॉ. टीके टम्टा ने बताया कि सीएमओ स्तर से ही चिकित्सकों की ड्यूटी लगाने की बात कही। सीएमओ डॉ. हरीश चंद्र पंत ने वैकल्पिक व्यवस्था के लिए निदेशक से पत्राचार कर व्यवस्था जुटाने की बात कही। वहीं निदेशक डॉ. कमलेश पांडे ने बताया कि गरमपानी, बेस हल्द्वानी व सितारगंज से वैकल्पिक तौर पर चिकित्सक तैनात करने के निर्देश सीएमओ को दिये गए थे।

सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर से तीन लाख की साइबर ठगी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- जालसाज ने पेंशन लाइफ सर्टिफिकेट के नाम पर की ठगी
- ऑनलाइन आवेदन कराने के बहाने डाउनलोड कराया एप

अमृत विचार : साइबर क्रिमिनल लोगों को साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूक करने वालों को अपना शिकार बनाने से नहीं चूक रहे हैं। ताजा मामला एक निजी बैंक के सेवानिवृत्त मैनेजर से जुड़ा है। साइबर क्रिमिनल ने लाइफ इंश्योरेंस सर्टिफिकेट का ऑनलाइन आवेदन कराने के बहाने उनके मोबाइल पर एक एप डाउनलोड कराया और खाते से तीन लाख रुपये से अधिक की रकम साफ कर दी। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, तल्ली हल्द्वानी निवासी सेवानिवृत्त शाखा प्रबंधक ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीते वर्ष 29 नवंबर को उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने उन्हें बताया कि उनका पेंशन लाइफ सर्टिफिकेट ऑनलाइन किया जा रहा है। इसके लिए उन्हें एक एप डाउनलोड करना होगा। जालसाज के बहकावे में आए शाखा प्रबंधक ने मोबाइल पर एप डाउनलोड किया और जालसाज के कहे अनुसार उसमें अपनी सारी निजी जानकारी दर्ज कर दी। इसके बाद उनके खाते से 3.05 लाख रुपये कट गए। उन्होंने फौरन इसकी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि बैंक डिटेल निकाली जा रही है। मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

बिजली चोरी पकड़ी चार पर की कार्रवाई

हल्द्वानीः बिजली चोरी रोकने के लिए ऊर्जा निगम ने विशेष चेकिंग अभियान चलाकर कार्रवाई की। मोटाहल्दू और लालकुआं क्षेत्र में निरीक्षण से क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया। इस दौरान विभाग ने 15 घरों के संयोजन खंगाले, जिनमें से दो घरों में बिजली चोरी और दो में अनाधिकृत उपयोग मिला।

ऊर्जा निगम की विजिलेंस और स्थानीय टीम ने जब संयुक्त रूप से घरों की जांच की, तो पुष्कर सिंह और प्रेम सिंह को रंगे हाथों बिजली चोरी करते हुए पकड़ा गया। इसके अतिरिक्त, राजेंद्र सिंह और सतीश चंद्र बिजली का अनाधिकृत उपयोग करते मिले। विभाग ने इन सभी के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी है। विद्युत वितरण खंड (ग्रामीण) के ईई संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि बिजली चोरी रोकने के लिए भविष्य में भी चेकिंग अभियान जारी रहेंगे।

कैंटर ने गोल्फ कोर्स के कैडी को रौंदा, कार सवार दो घायल

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- बनभूलपुरा थानाक्षेत्र के ट्रंचिंग ग्राउंड के पास आधी रात हुआ हादसा
- गंभीर अवस्था में दो दोस्त रेफर कैंटर चालक को लिया हिरासत में

अमृत विचार : लगभग आधी रात गौला बाईपास पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। तेज रफ्तार कैंटर ने हाईवे पर पैदल जा रहे गोल्फ कोर्स के कैडी और कार में सवार उसके दो दोस्तों को अपनी चपेट में ले लिया। पैदल चल रहे कैडी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कार में सवार उसके दो दोस्त बुरी तरह घायल हो गए। दोनों का एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने कैंटर चालक को हिरासत में ले लिया है। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

भूमियाधार नैनीताल निवासी पंकज आर्य (40 वर्ष) यहां अपनी पत्नी अनीता और जुड़वा बच्चों के साथ रहते व राजभवन के गोल्फ कोर्स में बतौर कैडी काम करते थे। पंकज के साथ उसके दो दोस्त नैनीताल निवासी टीकम वाल्मीकि व पंकज पालीवाल भी यहां काम करते हैं। पुलिस के मुताबिक, सोमवार देर रात तीनों कार से गोल्फ का सामान लेने दिल्ली के लिए निकले थे। गौलापार में रात 12 बजे के आसपास तीनों ने खाना खाया और आगे को बढ़ गए।

ट्रंचिंग ग्राउंड से पहले पंकज आर्य कार से उतर कर पैदल चलने लगा और उसके दोनों दोस्त कार में सवार उसके साथ चलने लगे। इसी बीच पीछे से आए तेज रफ्तार कैंटर ने पैदल चल रहे पंकज आर्य और कार को अपनी चपेट में ले लिया। पंकज आर्य की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कार में सवार अन्य दोनों बुरी तरह घायल हो गए। सूचना मिलते ही बनभूलपुरा पुलिस मौके पर पहुंची

कैंटर की टक्कर से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई कार। ● अमृत विचार

इसी कैंटर ने मारी टक्कर। ● अमृत विचार

और तीनों को डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय भेजा। यहां चिकित्सकों ने पंकज आर्य को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य दोनों को नैनीताल रोड स्थित एक निजी चिकित्सालय में रेफर कर दिया गया।

बनभूलपुरा कोतवाल डीएस फर्त्याल ने बताया कि कैंटर चालक सिविल लाइंस रामपुर उत्तर प्रदेश निवासी अरुण सैनी को हिरासत में ले लिया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। पीड़ित परिवार की ओर से तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दोस्तों से नाराजगी के बाद पैदल चल पड़ा था पंकज

गौलापार में खाने-पीने के बाद पंकज आर्य की अपने दोनों दोस्तों से किसी बात पर ठन गई। बताया जा रहा है कि कार में विवाद बढ़ा तो पंकज ने कार जबरन कार रुकवाई और नीचे उतर गया। दोस्तों से नाराज पंकज आर्य गौला बाईपास की ओर निकल गया। टीकम और पंकज पालीवाल कार लेकर उसके पीछे आए। दोनों पंकज आर्य को मानने और कार में बैठाने का प्रयास कर रहे थे। तभी ट्रंचिंग ग्राउंड के पास हादसा हो गया। कैंटर की टक्कर से कार पंकज आर्य को कुचलते हुए सड़क किनारे पलट गई। पंकज के दो दोस्तों को सिर व पैर में चोट है।

रोडवेज बस पर दबंगों ने किया हमला, डंडों से तोड़ दिया शीशा

संवाददाता, हल्द्वानी

- काठगोदाम डिपो की बस में सवार यात्रियों में मची चीख-पुकार

अमृत विचार : उत्तराखंड परिवहन निगम की रोडवेज बस में दबंगों के हमले से सोमवार रात अफरा-तफरी मच गई। काठगोदाम डिपो की बस संख्या यूके 07 पीए 2840 सोमवार रात हल्द्वानी स्टेशन से हिसार के लिए रवाना हुई थी, जिस दौरान रात करीब 12 बजे बस के गजरौला पहुंचने पर यूपी नंबर की एक कार में सवार युवकों ने डंडों से हमला कर दिया। हमलावरों ने बस का फ्रंट शीशा तोड़ दिया, जिससे बस में सवार यात्रियों में दहशत फैल गई और चीख-पुकार मच गई।

बस में 40 से अधिक यात्री सवार थे। घटना रात करीब 12 बजे गजरौला की है। बताया जा रहा है कि बस चालक दो यात्रियों

बस का टूटा शीशा। ● अमृत विचार

का इंतजार कर रहा था और उसने बस रोकने के दौरान इंडिकेटर भी दिया हुआ था। इसी दौरान कार सवार युवक मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए चालक-परिचालक से बहस करने लगे। युवक नशे की हालत में थे। विवाद बढ़ने पर युवकों ने अचानक डंडों से बस पर हमला कर दिया और सामने का शीशा तोड़ दिया। इस पर कुछ यात्रियों ने युवकों की हरकतों का वीडियो बनाना शुरू किया, जिसके बाद कार सवार युवक मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही काठगोदाम डिपो ने यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए डिपो की दिल्ली जा रही दूसरी बस यूके 04 पीए 1697 से सभी यात्रियों को हिसार के लिए रवाना किया गया, जबकि क्षतिग्रस्त बस को वापस काठगोदाम डिपो बुला लिया गया। काठगोदाम डिपो के एआरएम गणेश पंत ने बताया कि हमलावर युवकों की कार के नंबर की पहचान कर ली गई है और गजरौला थाने में शिकायत दर्ज करा दी गई है। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त बस को कार्यशाला में मरम्मत के लिए भेज दिया गया है।

वाहन डीलरों को नोटिस लॉगिन आईडी होगी बंद

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : डीलर प्वाइंट एंट्री और ऑनलाइन टैक्स भुगतान व्यवस्था को लेकर परिवहन विभाग ने वाहन डीलरों पर सख्ती शुरू कर दी है। विभाग की ओर से सभी ऑटोमोबाइल डीलरों को नोटिस भेजा गया है, जिसमें नए वाहनों के रजिस्ट्रेशन से संबंधित कार्य वाहन डीलर या उनके अधिकृत प्रतिनिधि की ओर से ही कार्यालय में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

विभाग के संज्ञान में आया है कि कई वाहन डीलर वाहन फीस जमा कराने के बाद रजिस्ट्रेशन से संबंधित फाइल वाहन स्वामियों को पकड़ा रहे हैं, जिससे उन्हें रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परिवहन विभाग ने सभी डीलरों को चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में इस तरह की कोई भी शिकायत सामने आती है, तो संबंधित डीलर की फर्म के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिसमें ट्रेड प्रमाणपत्र निरस्त करने के साथ ही डीलर की लॉगिन आईडी बंद की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों सीएम हेल्पलाइन में की गई एक शिकायत के आधार पर परिवहन विभाग ने बजरंग मोटर्स को नोटिस भेजा था और तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया। शिकायत में बताया गया कि डीलर ने रजिस्ट्रेशन के लिए अतिरिक्त पैसे मांगे। जब वाहन खरीदार ने अतिरिक्त पैसे देने से मना किया तो डीलर की ओर से स्वयं आरटीओ कार्यालय में रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कहा गया।

इस तरह की अन्य शिकायतें मिलने के बाद एआरटीओ बीके सिंह ने शहर के सभी डीलरों को नोटिस भेजा है और नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं।

गोलचा कंपाउंड में हुई जूतमपैजार आपस में चले गन्ने, तीन लहूलुहान

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : गोलचा कंपाउंड के पास रेलवे क्रासिंग पर दो पक्षों में बाइक हटाने को लेकर विवाद हो गया। एक पक्ष से आए एक दर्जन से अधिक लोगों ने तीन युवकों पर गन्नों के डंडों से हमला बोल दिया। उन्हें पीटकर बुरी तरह लहूलुहान कर दिया और फरार हो गए।

बाद में दोनों पक्ष के लोग एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए कोतवाली पहुंचे। घटना का एक सीसीटीवी भी वायरल हो रहा है। घायल पक्ष ने हल्द्वानी कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी है। जवाहर नगर निवासी हुसैन वारिस उर्फ बन्टी मंगलवार सुबह मजदूरी के लिए घर से निकला था। सुबह करीब नौ बजे जब वह प्रेम सिनेमा, गोलचा कंपाउंड के पास रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंचा और तभी रेलवे फाटक बंद हो गया। आरोप है

मारपीट के बाद कोतवाली पहुंचे दोनों पक्षों के लोग। ● अमृत विचार

कि इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक वहां पहुंचे और हुसैन से गाड़ी हटाने को कहा। इसी बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि आरोपी युवकों ने अपने 10 से 15 साथियों को बुला लिया। उक्त लोगों ने गन्ने से पीटकर बंटी को लहूलुहान कर दिया।

हुसैन के साथ मौजूद दानिश और मेहरबान ने बीच-बचाव की कोशिश की तो उन्हें भी बेरहमी से पीट डाला। घायल तीनों युवकों को सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल ले जाया गया। जहां से तीनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। जिसके बाद आरोप लगाते हुए दोनों पक्षों के लोग कोतवाली पहुंच गए। इस घटना का एक सीसीटीवी भी सामने आया है। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि घायल हुसैन वारिस ने तहरीर दी है। मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

सावधानी | मंडलायुक्त ने कुमाऊं भर के अधिकारियों को भगदड़ से बचाव के उपाय करने के निर्देश दिए

धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण जरूरी : रावत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कुमाऊं मंडल के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंडलायुक्त दीपक रावत ने भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्राएं सरल, सुखद और सुरक्षित हों, इसके लिए बेहतर भीड़ प्रबंधन और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की जाएं।

मंडलायुक्त ने यह निर्देश कुमाऊं मंडल के सभी जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि कैंची धाम, मां गर्जिया देवी, जागेश्वर, मां पूर्णागिरी, हाट कालिका और बागनाथ जैसे प्रमुख

वीसी के जरिए कुमाऊं भर के अधिकारियों को निर्देशित करते मंडलायुक्त दीपक रावत।

धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, ऐसे में क्षमता के अनुसार चरणबद्ध प्रवेश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि पर्याप्त पुलिस बल, सुरक्षा कर्मी, बैरिकेडिंग, पार्किंग प्रबंधन, पैदल मार्ग की सुगमता, दिशा-सूचक संकेतक और प्राथमिक चिकित्सा जैसी अल्पकालिक व्यवस्थाएं तय समयसीमा में पूरी की जाएं। भीड़ की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने और महत्वपूर्ण स्थानों पर हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने कहा कि दीर्घकालिक समाधान के लिए यातायात सुधार, पार्किंग विस्तार, सड़क चौड़ीकरण, आपदा सुरक्षा उपकरण और इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम से जुड़े प्रस्ताव 15 दिन के भीतर भेजे जाएं। साथ ही पेयजल, शौचालय, प्रतीक्षालय और विश्राम स्थलों जैसी मूलभूत सुविधाएं भी सुनिश्चित की जाएं। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल ने आपात स्थिति से निपटने के लिए क्रेन, जेसीबी जैसे यांत्रिक संसाधनों की अग्रिम उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा कैंची धाम में अधिक भीड़ के दौरान हल्द्वानी से शटल सेवा शुरू करने के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी, जिलाधिकारी अल्मोड़ा अंशुल सिंह, चंपावत मनीष कुमार, उधमसिंह नगर नितिन भदौरिया, पिथौरागढ़ आशीष भटगाई, बागेश्वर आकांक्षा कोंडे सहित सभी जनपदों के एसपी व एसएसपी उपस्थित रहे।

ओखलकांडा में सड़क किनारे जंगल में मिला लापता ग्रामीण पान सिंह का शव

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचार: ओखलकांडा विकासखंड के थाना खनस्यूं क्षेत्र में सिमिलिया बैंड से लगभग दो किलोमीटर आगे सड़क किनारे जंगल में एक शव बरामद हुआ है। शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

पानसिंह मटियाली। (फाइल फोटो)

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शव की पहचान परिजनों द्वारा कपड़ों के आधार पर ल्वाड़ निवासी पान सिंह मटियाली (56 वर्ष) के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि पान सिंह मटियाली करीब 20 दिन से लापता थे, जिस संबंध में थाना खनस्यूं में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। थाना खनस्यूं के थानाध्यक्ष विजय पाल ने बताया कि शव कुछ दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। मृतक की पहचान मृतक पान सिंह के पुत्र चंदन सिंह ने की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शव सड़ा-गला एवं क्षत-विक्षत अवस्था में मिला है। शव का पोस्टमार्टम हल्द्वानी में कराया जाएगा, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले को दुर्घटना मानते हुए विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। उधर कांग्रेस नेता हरीश पनेरू मौत की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

थाना खनस्यूं क्षेत्र में घटना स्थल के पास मौजूद ग्रामीण व पुलिस। ● अमृत विचार

मांगों को लेकर पेंशनर्स ने किया धरना-प्रदर्शन

हल्द्वानी : राष्ट्रीय संघर्ष समिति ईपीएस-95 पेंशनर्स, सेवानिवृत्त कर्मियों ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय में नारेबाजी के साथ धरना-प्रदर्शन किया। उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से प्रधानमंत्री और सांसद को ज्ञापन भेजा।

इस दौरान वक्ताओं ने ईपीएस-95 पेंशनर्स की प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें न्यूनतम पेंशन 7500 प्लस डीए, शुल्क चिकित्सा सुविधा सहित पेंशन का लाभ और जो पेंशनर्स पूर्व में योजना से नहीं जुड़ पाए उन्हें भी इसका लाभ देने की मांग की। इसके बाद सेवा निवृत्त कर्मियों ने ई-पीएफ कार्यालय, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी में भी लगभग दो घंटे तक धरना-प्रदर्शन व नारेबाजी की। धरने में भूपेन्द्र अधिकारी, पान सिंह नेगी, मधुसूदन लोहनी, लीलाधर शर्मा, दिनेश गुरुरानी, बृजमोहन सिजवाली आदि ने शिरकत की।

सिटी ब्रीफ

मुख्य विकास अधिकारी ने पदभार किया ग्रहण

भीमताल : नैनीताल जिले के नवागंतुक मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पाण्डे ने मुख्य विकास अधिकारी नैनीताल के पद पर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इसके बाद उन्होंने विकास भवन भीमताल स्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथबैठक कर जिले में संचालित कास कार्यों की जानकारी प्राप्त की। जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी ने उन्हें विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी से अवगत कराया।

260 आवेदन पत्रों का भौतिक सत्यापन किया

भीमताल : जिला अधिकारी ललित मोहन रयाल के निर्देशों के तहत क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुरेन्द्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व में डीएसबी परिसर नैनीताल में वित्तीय वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर छात्रवृत्ति योजनाओं में पूर्वदशम तथा दशमोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं द्वारा किए गए ऑनलाइन आवेदन पत्रों का शतप्रतिशत भौतिक सत्यापन का कार्य किया जा रहा है। इसी भौतिक सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति धनराशि का भुगतान किया जाना है। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि अभी तक कुल 260 आवेदन पत्रों का भौतिक सत्यापन किया जा चुका है ।

बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली पर प्राध्यापकों ने जताया कड़ा विरोध

डीएसबी परिसर में शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण को लेकर बैठक आयोजित

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में मंगलवार को प्राध्यापकों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय की स्वायत्तता को लेकर व्यापक और गंभीर चर्चा हुई। बैठक में वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1973 में हुई थी और तब से स्वायत्तता के कारण ही यहां के शिक्षक एवं विद्यार्थी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियां हासिल कर पाए हैं।

बैठक में कहा गया कि विश्वविद्यालय की स्वायत्त व्यवस्था के चलते ही पद्म भूषण, पद्मश्री, एफएनए, एफएनएएससी, एफआरएससी, एफआरएसबी जैसे प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए हैं और विश्वविद्यालय ने देश व समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है। प्राध्यापकों ने दो टूक कहा कि विश्वविद्यालय एक्ट व स्टैच्यूट्स के तहत संचालित होता है और स्वायत्तता का उद्देश्य

डीएसबी परिसर में आयोजित बैठक में मौजूद प्राध्यापक। ● अमृत विचार

बेहतर ज्ञान सृजन एवं गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन निर्माण है। बैठक में बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली पर कड़ा विरोध जताया गया। प्राध्यापकों ने कहा कि मोबाइल आधारित बायोमेट्रिक प्रणाली नियमों के अनुरूप नहीं है, इसलिए इसमें सहयोग नहीं किया जाएगा। वक्ताओं ने यह भी कहा कि किसी भी केंद्रीय विश्वविद्यालय में इस प्रकार की व्यवस्था लागू नहीं है और इसे थोपने का विरोध किया जाएगा। मोबाइल के माध्यम से बायोमेट्रिक उपस्थिति में डेटा सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंता जताई गई। इसके अलावा हर छह माह में संविदा कर्मियों के सेवा विस्तार को अव्यावहारिक बताते हुए शासन से इस व्यवस्था पर पुनर्विचार की मांग की गई। प्रो. एलएम जोशी ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्वायत्तता बनी रहनी चाहिए, जबकि प्रो. एमसी. जोशी ने स्वायत्तता को विश्वविद्यालय की आत्मा बताया।

बैठक का संचालन प्रौढ़ अध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी ने किया। इस दौरान प्रो. चित्रा पांडे, प्रो. सावित्री केरा, प्रो. ज्योति जोशी, प्रो. लता पांडे सहित अन्य शिक्षकों ने भी अपने विचार रखे। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्राध्यापकों की उपस्थिति विश्वविद्यालय के पूर्व निर्धारित नियमों के अनुसार ही मानी जाए।

बैठक के उपरांत कुलाधिपति, मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, सांसद, विधायक, कुलपति, कुलसचिव एवं निदेशक को ज्ञापन भेजकर विश्वविद्यालय की स्वायत्तता बनाए रखने की मांग की गई। शिक्षकों ने कहा कि स्वायत्तता से ही ज्ञान का सतत सृजन संभव है। बैठक में प्रो. सूची बिष्ट, डॉ. गिरीश चंद्र, डॉ. प्रकाश चन्याल, प्रो. नीलू लोधियाल, महासचिव प्रो. युगल जोशी, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. शिवांगी, डॉ. कुबेर गिनती, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. रवि जोशी, प्रौ. आशीष तिवारी, प्रो. संजय घिल्डियाल, प्रौ. आशीष मेहता, डॉ. हिमांशु लोहनी सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक मौजूद रहे। अंत में निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय की स्वायत्तता की रक्षा के लिए "विश्वविद्यालय बचाओ आंदोलन" चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा।

मंथनः अब नैनीताल में व्यापार मंडल की दो नहीं एक इकाई होगी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः नैनीताल के तल्लीताल व्यापार मंडल और मल्लीताल व्यापार मंडल के एकीकरण को लेकर प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल नैनीताल के जिला अध्यक्ष विपिन गुप्ता की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों व्यापार मंडलों के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने एकजुटता पर जोर देते हुए आपसी सहमति से एकीकरण के लिए कमेटी गठित करने का निर्णय लिया।

मंगलवार को रामसेवक सभा, नैनीताल में आयोजित बैठक में व्यापारियों ने खुलकर अपने विचार रखे। व्यापारी सोनू बिष्ट ने कहा कि वर्तमान में व्यापारी हाईकोर्ट के खिलाफ बोलने से भी डरते हैं। टोल टैक्स और पार्किंग शुल्क में बढ़ोतरी से कारोबार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों व्यापार मंडल एक होंगे तभी व्यापारियों की ताकत बढ़ेगी। कुंदन बिष्ट ने कहा कि पहले व्यापार मंडल प्रशासन के साथ मजबूती से खड़ा रहता था, लेकिन तल्लीताल और मल्लीताल के अलग-अलग होने से संगठन कमजोर हुआ है। व्यापारियों की

कार्यशाला के दौरान मौजूद लोग। ● अमृत विचार

समस्याओं के समाधान के लिए एकता आवश्यक है। आयुष भंडारी ने कहा कि संगठन एक हो या दो, लेकिन सभी व्यापारियों की आवाज सुनी जानी चाहिए। विजय कुमार ने पदाधिकारियों से अहंकार त्यागने और समानता बनाए रखने की अपील की। जिला महामंत्री हर्षवर्धन पांडे ने कहा कि व्यापारियों की राय के आधार पर ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। जिस पक्ष का समर्थन अधिक होगा, उसी के अनुरूप निर्णय पर मुहर लगेगी। तल्लीताल व्यापार मंडल के अध्यक्ष मारुति नंदन साह ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए ठोस और सकारात्मक कार्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ में शक्ति होती है, पदों की राजनीति नहीं बल्कि नीति और उद्देश्य के लिए कार्य किया जाना चाहिए। मल्लीताल व्यापार मंडल के अध्यक्ष किशन सिंह नेगी ने कहा कि संगठन के एकीकरण से वे सहमत हैं, लेकिन किसी भी प्रकार की जोर-जबरदस्ती से संगठन को नुकसान पहुंच सकता है। सभी पदाधिकारियों और व्यापारियों से चर्चा के बाद ही निर्णय लिया जाना चाहिए। जिला अध्यक्ष विपिन गुप्ता ने कहा कि आपसी फूट से व्यापार मंडल कमजोर होता है। तल्लीताल और मल्लीताल मूल रूप से एक ही इकाई हैं। एकीकरण के लिए एक प्रारूप तैयार किया जाएगा और सभी की सहमति से अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बैठक में प्रदेश संगठन मंत्री राम सिंह आनंद, रुचिर साह, राजेश वर्मा सहित अनेक व्यापारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जंगल की आग घरों तक पहुंची, काबू

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः नैनीताल के पहाड़ी क्षेत्रों में जंगलों में आग की घटनाएं चिंता का कारण बनती जा रही हैं। मंगलवार को भवाली-नैनीबैंड क्षेत्र में जंगल में लगी भीषण आग ने आसपास के रिहायशी इलाकों को खतरे में डाल दिया है। सूचना के बाद पहुंची दमकल विभाग, स्थानीय नागरिकों व वन विभाग की टीम के संयुक्त प्रयासों से आग पर काबू पा लिया गया जिससे स्थानीय नागरिकों ने राहत की सांस ली।

जानकारी के अनुसार भवाली-नैनीबैंड क्षेत्र के जंगलों में सुबह करीब 10 बजे अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तेज हवाओं के चलते जंगल के बड़े हिस्से में फैल गई। आग की लपटें रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ती देख जंगल से सटे गांवों में रहने वाले लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जिससे दर्जनों घरों पर खतरा

भवाली-नैनीबैंड क्षेत्र में जंगल में लगी आग। ● अमृत विचार

मंडराने लगा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगते ही उन्होंने तुरंत वन विभाग को इसकी सूचना दी, लेकिन हवा के कारण आग तेजी से फैलने के कारण हालात बेकाबू होते चले गए। विभागीय टीम के पहुंचने से पहले ही ग्रामीण खुद ही आग बुझाने में जुट गए ताकि आग गांव तक न पहुंचे। स्थानीय निवासी राधा देवी ने बताया कि जंगल में लगी आग से उनका गांव खतरे की जद में आ गया था। करिश्मा का कहना है कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो बड़ा नुकसान हो सकता है। जंगल में मौजूद सूखी पत्तियां और चीड़ की पिरूल आग को और भड़काने का काम कर रही हैं। इससे आग तेजी से फैल रही है और उसे काबू में लाना कठिन हो रहा है। वन विभाग की ओर से आग पर नियंत्रण के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन स्थानीय लोग विभाग से त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लोग अपने घरों व मवेशियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

वन गुर्जरों के खत्ते में लगी आग, पाया काबू

रामनगरः हाथीडागर के निकट बांसीटीला में स्थित वन गुर्जरों के रिहायशी क्षेत्र में अचानक लगी आग पर अग्निशमन कर्मियों ने तुरंत पहुंचकर काबू पा लिया। वरना बड़ा हादसा होने में देर नहीं लगती।

मंगलवार को अग्निशमन केंद्र को आग लगने की सूचना मिली, जिस पर जवान तुरंत मौके पर पहुंचे। वहां देखा गया कि जानवरों के लिए रखे गए तीन बड़े पुराल के ढेरों में से आग की लपटें उठ रही थीं और तेज हवा के कारण आग लकड़ी और फूस से बने मकानों की ओर बढ़ रही थी। बिना देरी किए टीम ने पानी की पाइपलाइन का उपयोग कर आग को पूरी तरह बुझा दिया। उनकी तत्परता के कारण बड़ा नुकसान टल गया। अग्निशमन टीम में अग्निशमन अधिकारी गोपाल सिंह रावत, गिरवर सिंह, वसीम अहमद, देवेंद्र कुमार, रवींद्र कांबोज, अजीत सिंह, मोहम्मद उमर, पुष्कर रावत, नरेंद्र मेहता और शैलेंद्र सिंह शामिल थे।

सरकार जन-जन के द्वार शिविर में उठीं समस्याएं

संवाददाता, कोटाबाग

अमृत विचारः सिंचाई बंगले, बैलपड़ाव, कोटाबाग में मंगलवार को आयोजित जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को संवेदनशीलता व जिम्मेदारी के साथ शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक बंशीधर भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी की यह योजना शासन और जनता के बीच दूरी कम करने का प्रयास है, ताकि आम नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। इस दौरान महिओं को लाभार्थी को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट वितरित की गईं।

स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 93, आयुर्वेदिक विभाग द्वारा 129 और होम्योपैथी विभाग द्वारा 56 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवा वितरित की गई।

लाभार्थी को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट वितरण करते विधायक बंशीधर भगत व जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल। ● अमृत विचार

पशुपालन विभाग ने 30 पशुपालकों को योजनाओं का लाभ दिया। कृषि विभाग ने 30 किसानों को किसान सम्मान निधि प्रदान की। आधार कैम्प में 23 लोगों के आधार अपडेट किए गए और नए आधार कार्ड बनाए गए। राजस्व विभाग ने 4 जाति प्रमाण पत्र जारी किए। समाज कल्याण विभाग ने 25 पात्र लाभार्थियों को कान की मशीन, छड़ी, घुटने और कमर की बेल्ट वितरित की और 9 पेंशन संबंधी आवेदन निस्तारित किए। उद्योग विभाग ने 8 व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिलाया और विद्युत विभाग ने 10 उपभोक्ताओं के विद्युत बिल संबंधित मामले हल किए। जिलाधिकारी ने मौके पर 215 से अधिक शिकायतों का समाधान किया। शिविर में सिंचाई, जंगली जानवरों से फसलों को होने वाले नुकसान, विद्युत, पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, भूमि और आर्थिक सहायता संबंधी शिकायतें दर्ज की गईं। जिलाधिकारी ने वन विभाग, उरेडा और मुख्य कृषि विभाग को सोलर फेंसिंग, चैन लिंक फेंसिंग और सोलर लाइट लगाने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। यहां दर्जा मंत्री सुरेश भट्ट, पूरन चंद्र नैलवाल, ब्लॉक प्रमुख मनीषा जंतवाल, कनिष्ठ प्रमुख अपूर्वा बिष्ट, पालिकाध्यक्ष रेखा कत्यूरा, उप जिलाधिकारी विपिन चंद्र पंत आदि रहे।

शिक्षा विभाग जंगलों से सटे स्कूलों को चिन्हित करेगा

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचारः धारी क्षेत्र में गुलदार की बढ़ती गतिविधियों और बच्चों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने गंभीरता दिखाते हुए आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इसी क्रम में एसडीएम धारी अंशुल भट्ट की अध्यक्षता में संबंधित विभागों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि जंगलों से सटे तथा संवेदनशील स्कूलों को शिक्षा विभाग द्वारा चिन्हित किया जाएगा, ताकि वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जा सके। एसडीएम अंशुल भट्ट ने बताया कि लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) को स्कूल परिसरों एवं सड़कों के किनारे उगी झाड़ियों की तत्काल सफाई के निर्देश दिए गए हैं, जिससे गुलदार के छिपने की संभावनाएं कम की जा सकें। इसके साथ ही सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए होमगार्ड और पीआरडी जवानों की तैनाती भी की जाएगी, ताकि बच्चों के स्कूल आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा दोनों को ध्यान में रखते हुए संतुलित एवं प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

मांगः काउंसिल चुनाव में रखें साफ विजन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः उत्तराखंड बार काउंसिल के आगामी चुनाव अधिवक्ता समुदाय के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। बार काउंसिल न केवल अधिवक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करती है, बल्कि उनके कल्याण, अनुशासन तथा पेशेवर गरिमा से जुड़े अहम निर्णय भी लेती है।

एसोसिएशन के अनुसार इस बार कुल 104 उम्मीदवारों ने 23 पदों के लिए नामांकन किया है, जो यह दर्शाता है कि अधिवक्ता समुदाय में नेतृत्व की आकांक्षा लगातार बढ़ रही है।, एसोसिएशन ने चिंता भी जताई है कि इनमें से केवल 10 से 12 उम्मीदवार ही ऐसे प्रतीत होते हैं, जो अधिवक्ता कल्याण से जुड़ी वास्तविक समस्याओं को गंभीरता

बैठक में उपस्थित टैक्स बार के सदस्य। ● अमृत विचार

से उठा रहे हैं। रामनगर टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पूरन चंद्र पांडे ने सभी उम्मीदवारों से अपील की कि वे अपने पिछले पाच वर्षों के कार्यों का स्पष्ट विवरण और आगामी पांच वर्षों के लिए अपना विजन अधिवक्ताओं के सामने रखें। एसोसिएशन के सचिव गौरव गोला ने अधिवक्ता कल्याण के मुद्दे को प्राथमिकता देते हुए कहा कि अधिवक्ता कल्याण निधि और डेथ क्लेम राशि बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जाना चाहिए। टैक्स बार के उपसचिव मनु अग्रवाल ने अधिवक्ताओं के विरुद्ध अनुशासनात्मक मामलों में बार काउंसिल द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया अपनाए जाने पर जोर दिया।

श्रम विभाग की सेवाएं मिलने की उम्मीद जगी

भीमताल : भीमताल के निवासियों के लिए एक अच्छी खबर है। सामाजिक कार्यकर्ता पूरन बृजवासी द्वारा लंबे समय से की जा रही श्रम विभाग का कार्यालय खोलने की मांग अब साकार होने की दिशा में आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। जनसमर्थन और मीडिया दबाव के परिणामस्वरूप श्रम विभाग ने इस दिशा में त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। श्रम विभाग की अधिकारी राबिया परवीन ने बताया कि भीमताल नगर क्षेत्र के अंतर्गत संचालित सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) की सूची मंगाई गई है। इन केंद्रों में से उपयुक्त स्थान पर स्थित एक सीएससी का चयन कर शीघ्र ही श्रम विभाग से संबंधित सेवाएं जनता के लिए शुरू की जाएंगी। केंद्र के खुलने से स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा।

तहसील दिवस के दौरान लाभार्थियों को चेक वितरित करते विधायक।

मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के 13 चेक वितरित

लालकुआं : क्षेत्रीय विधायक डॉ. मोहन बिष्ट की अगुवाई में तहसील दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम रेखा कोहली, तहसीलदार पूजा शर्मा समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। इस दौरान कुल पांच शिकायतों का निस्तारण किया गया। इनमें वन विभाग, पुलिस, लोक निर्माण विभाग और दो शिकायतें सिंचाई विभाग से संबंधित थीं। इस मौके पर मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से स्वीकृत कुल 13 चेक लाभार्थियों को वितरित किए गए। कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चला। तहसील दिवस में भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण जोशी, हरीश नैनवाल, सभासद धन सिंह बिष्ट, विधायक प्रतिनिधि गोविंद राणा, सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण खाती और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

अधिभार

विद्युत विभाग को वसूलने हैं वित्तीय वर्ष में 8 .25 करोड़ रुपये का बकाया

बकाया वसूली को बिजली विभाग ने कमर कसी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः बिजली विभाग ने 8.25 करोड़ रुपये की बकाया वसूली के लिए कमर कस ली है। बकायादारों से वसूली न होने पर कनेक्शन काटने शुरू कर दिए हैं। रोजाना ही विद्युत कनेक्शन काटे जा रहे हैं।

अधिशाषी अभियंता एसके सहगल ने बताया कि वित्तीय वर्ष का लगभग दो माह का समय रह गया है और लंबित बिलों की बकाया राशि करीब 8.25 करोड़ रुपये है। जनवरी माह में 13.79 करोड़ रुपये का बकाया था जिसमें से अभी तक 5.17 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी हैं। शेष बकाया की वसूली के लिए इन

● **बकायादारों में आम उपभोक्ताओं के अलावा जल संस्थान, सिंचाई विभाग व जल निगम भी**

दिनों अभियान तेज कर दिया है। लंबे समय से बिलों का भुगतान नहीं देने वाले ग्राहकों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि, नैनीताल क्षेत्र के अंतर्गत छह ब्लॉक हैं, जिनमें भीमताल, कोटाबाग, रामगढ़, बेतालघाट, धारी व ओखलकांडा शमिल है। सबसे बड़ा बकाया नगर पालिका परिषद नैनीताल का 3.99 करोड़ रुपये है, जबकि सरकारी विभागों में जल संस्थान, सिंचाई विभाग और जल निगम समेत कुछ अन्य विभाग बड़े बकायादार हैं। पालिका से लंबित बिलों की अदायगी के लिए निरंतर संपर्क किया जा रहा है। कॉमर्शियल ग्राहकों के बकाया वसूली के लिए कड़े प्रयास किए जा रहे हैं, जबकि डोमेस्टिक बिलों के भुगतान के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इन सभी ब्लॉकों में वसूली के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। लक्ष्य की हर हाल में पूर्ति की जाएगी। अधिशाषी अभियंता सहगल ने उपभोक्ताओं से भी अपील की है कि लंबित बिलों का समय पर भुगतान कर कनेक्शन काटे जाने की कार्रवाई से सुरक्षित रहें।

72552 कनेक्शन हैं छह ब्लाकों में

नैनीताल : अधिशाषी अभियंता एसके सहगल के अनुसार, नैनीताल विद्युत विभाग के अधीन छह ब्लाकों में 72552 कनेक्शन हैं जिनमें 48276 घरेलू और कॉमर्शियल कनेक्शन 15553 हैं। इनके अलावा 8251 लघु उद्योगों व सरकारी विभागों के हैं। इनके अलावा शेष कनेक्शन सरकारी, अर्धसरकारी गेस्ट हाउस व सरकारी विद्यालयों के हैं।

डॉ. हेमंत गैर सरकारी सदस्य सलाहकार नामित

भीमतालः ओखलकाण्डा विकासखण्ड के ग्राम तल्ली पोखरी (शिवनगरम्) निवासी डॉ. हेमंत कुमार जोशी को भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा गठित हिन्दी सलाहकार समिति के अंतर्गत गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग में गैर-सरकारी सदस्य सलाहकार के रूप में तीन वर्षों के लिए नामित किया गया है। इस दायित्व के अंतर्गत वे मंत्रालय द्वारा गठित समितियों की बैठकों में सहभाग करेंगे तथा संविधान में निहित राजभाषा संबंधी प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम, केंद्रीय हिन्दी समिति के नीतिगत निर्णयों एवं गृह मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु परामर्श देंगे।

चोरगलिया की टीम ने ब्रदर्स क्लब गौनियारौ को हराकर मैच जीता

संवाददाताः भीमताल

अमृत विचारः ओखालकांडा ब्लॉक के सीमावर्ती क्षेत्र गौनियारौ गांव में आयोजित पांच दिवसीय भव्य 'उत्तरायणी टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट' का बीते कल रंगारंग समापन हुआ। इस खेल महाकुंभ में नैनीताल और चम्पावत जनपद की कुल 16 श्रेष्ठ टीमों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

फाइनल के कड़े मुकाबले में बजरंग क्लब चोरगलिया ने बाजी मारते हुए ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। ब्रदर्स क्लब गौनियारौ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। गौनियारौ की टीम ने निर्धारित 12 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 98 रन बनाए। चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का

ट्राफी के साथ विजेता टीम के खिलाड़ी व अतिथि। ● अमृत विचार

पीछा करने उतरी चोरगलिया की टीम ने सधी हुई शुरुआत की और 11वें ओवर में ही 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए अंकित बोरा को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। वहीं, पूरे टूर्नामेंट में अपने ऑलराउंड खेल से दर्शकों का दिल जीतने वाले खिलेन्द्र गौनिया को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब मिला। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख केडी रुवाली और विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक दान सिंह भंडारी रहे।

सिटी ब्रीफ

जिला सहकारी बैंक में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर

हल्द्वानी : जिला सहकारी बैंक में मंगलवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 50 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई। यह शिविर एक निजी अस्पताल के सहयोग से लगाया गया, जहां बीपी और शुगर सहित अन्य सामान्य जांच की गई। शिविर में मौजूद डॉक्टरों की टीम ने लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए नियमित जांच और संतुलित जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। इस मौके पर बैंक के सचिव एवं महाप्रबंधक रविंद्र सिंह रैना, अनुभाग अधिकारी संदीप सिंह बोरा, वीके जोशी, डीके टम्टा आदि रहे।

पिकअप सड़क से नीचे उतरी, बड़ा हादसा टला

नैनीताल : नैनीताल हल्द्वानी रोड पर रूसी के समीप अनियंत्रित पिकअप सड़क से नीचे उतर गई। गनीमत रही कि पिकअप पेड़ से टकराकर रुक गई वरना बड़ा हादसा हो सकता था। मंगलवार की शाम नैनीताल से पिकअप यूके 04 सीसी 1901 हल्द्वानी की ओर को जा रही थी। पिकअप चील चक्कर मोड़ पर पहुंची ही थी कि अनियंत्रित होकर रॉंग साइड जाकर सड़क से नीचे उतर गई। सूचना के बाद तल्लीताल पुलिस मौके अपर पहुंची। एसओ मनोज नयाल ने बताया कि चालक पुष्कर सिंह ने बताया कि अनियंत्रित पिकअप सड़क से नीचे उतर गई थी। फिलहाल चालक को कोई चोट नहीं आई है।

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए शस्त्र भी उठाएगी कांग्रेस

महिला कांग्रेस का बैठक में ऐलान, भाजपा पर महिला सम्मान से खिलवाड़ का आरोप

- स्वराज आश्रम में जुटीं महिला कांग्रेस कार्यकर्ता
- गांव से लेकर सड़क तक लड़ाई लड़ी जाएगी: सुनीता गांवड़े

संवाददाता, हल्द्वानी

महिला कांग्रेस के सम्मेलन में एकजुटता दिखाती महिला कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी सुनीता गांवडे, विधायक सुमित हृदयेश व अन्य।

अमृत विचार: महिला कांग्रेस की बैठक स्वराज आश्रम में हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि उत्तराखंड में महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचारों लेकर आवाज बुलंद की जाएगी और गांव से लेकर सड़क तक लड़ाई लड़ी जाएगी।

प्रदेश प्रभारी सुनीता गांवड़े ने कहा कि भाजपा सरकार केवल नारे देने वाली सरकार बनकर रह गई है और भाजपा का बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ का नारा केवल खोखला है। कहा कि महिला कांग्रेस महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ेगी। कहा कि देश और प्रदेश में महिलाओं के साथ बढ़ते अपराधों के खिलाफ यदि महिला कांग्रेस को शस्त्र भी उठाने पड़े, तो वे पीछे नहीं हटेंगी। प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि महिला कांग्रेस पहले भी सरकार को महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर चेतावनी दे चुकी है। यदि अब भी इस पर लगाम नहीं लगी, तो महिला कांग्रेस सरकार की ईंट से ईंट बजाने को मजबूर होगी। नैनीताल लोकसभा क्षेत्र प्रभारी जया कर्नाटक ने कहा कि सरकार की महिलाओं के प्रति उदासीनता समाप्त होती नहीं दिख रही है। इसलिए महिला कांग्रेस ने यह प्रण लिया है कि घर-घर जाकर महिलाओं को उनके साथ हो रहे अत्याचारों और अपराधों के खिलाफ जागरूक किया जाएगा, ताकि वे स्वयं अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो सकें।

जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस खष्टी बिष्ट ने अंकिता भंडारी मामले का जिक्र करते हुए कहा कि साढ़े तीन साल बीत जाने के बावजूद अभी तक न्याय नहीं मिल पाया है। इस दौरान विमला सांगुड़ी, मधु सांगुड़ी, मीना शर्मा, भागीरथी बिष्ट, शोभा बिष्ट, सीमा टम्टा, राधा बिष्ट, रेखा सोनकर, सुनीता कश्यप, पूजा सिंह, मोनिका ढाली, चम्पा चिलवाल, जया कपिल, भावना भट्ट, सुनीता शाही, शारदा बमेठा, मंजू पाण्डेय, रत्ना श्रीवास्तव, हेमा दुमका, निर्मला जोशी, अलका आर्या, बीना जोशी आदि मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी पर जताया आक्रोश

हल्द्वानी: मूलनिवासी संघ की ओर से अनुसूचित समाज के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में शिकायत दर्ज कराते हुए प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। इस संबंध में संघ ने अनुसूचित जाति आयोग, देहरादून को शिकायती पत्र प्रेषित किया है।

एसडीएम हल्द्वानी के माध्यम से भेजे गए ज्ञापन में कहा कि एक व्यक्ति सोशल मीडिया के माध्यम से अनुसूचित समाज के प्रति गाली-गलौज, अभद्र टिप्पणी और जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर रहा है। जिससे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने अनुसूचित जाति निवारण अधिनियम के अंतर्गत दंडनीय कृत्य किए हैं।

मूलनिवासी संघ का कहना है कि इस तरह की टिप्पणियां न केवल सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली हैं, बल्कि अनुसूचित समाज को अपमानित करने का प्रयास भी हैं। संघ ने मांग की है कि आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष दीपक चनियाल, एडवोकेट गंगा प्रसाद, जीआर टम्टा आदि थे।

कूड़ा वाहनों के संचालन के लिए जारी हुआ टेंडर

संवाददाता, हल्द्वानी

- नये वार्डों में चलेंगी 20 नई गाड़ियां रोजाना उठ सकेगा कूड़ा
- वार्ड की आबादी और एरिया के आधार पर चलाए जाएंगे वाहन

नगर निगम को मिले नये कूड़ा वाहन।

अमृत विचार : नगर निगम की ओर से नए कूड़ा गाड़ियों के संचालन के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। निगम को बीते दिनों शासन से 20 नई कूड़ा गाड़ियां आवंटित हुई थी। इन गाड़ियों को नए वार्डों में चलाया जाएगा। वार्ड की आबादी और एरिया के आधार पर गाड़ियां चलाई जाएंगी।

निगम के पास वर्तमान में 65 कूड़ा गाड़ियां हैं, जबकि 60 वार्डों में कुल 120 गाड़ियों की जरुरत है। गाड़ियों की संख्या कम होने के कारण वर्तमान में नए वार्डों में एक दिन छोड़कर गाड़ियां चलाई जा रही हैं, जिससे एक दिन कूड़ा घरों में पड़े रहता है। साथ ही कई बार लोग सार्वजनिक स्थानों में भी कूड़ा डालते हैं। इस कारण शहर की सफाई व्यवस्था भी चरमरा जाती है। निगम के वार्ड 34 से 60 में गाड़ियां एक दिन छोड़कर चलाई जाती हैं, अब नई गाड़ियों के चलने से इन वार्डों में रोजाना कूड़ा उठाया जा सकेगा। निगम के स्वास्थ्य विभाग की ओर से गाड़ियों के संचालन का शेड्यूल बनाया जा रहा है, जिसके तहत वार्ड की आबादी और क्षेत्रफल का आंकलन किया जा रहा है। 20 कूड़ा गाड़ियों को वार्डों की जरुरत के अनुसार चलाया जाएगा। जिसमें प्रति वार्ड कम से कम दो गाड़ियां चलाई जाएंगी। बड़े वार्डों में तीन गाड़ियां चलाई जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि निगम को शासन से 55 नई गाड़ियां मिलनी हैं, जिसमें 25 गाड़ियां मिल चुकी हैं। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि शीघ्र ही 20 गाड़ियों का संचालन शुरू किया जाएगा, इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। निजी कंपनियों की ओर से टेंडर डाले जाएंगे और आवंटित होने पर गाड़ियों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

39 करोड़ की ठगी का आरोपी फाइनेंस कंपनी का सीईओ धरा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- रकम दोगुनी करने का झांसा देकर करता था ठगी
- कोतवाली पुलिस ने किया था तलब, बाद में किया गिरफ्तार

अमृत विचार: करीब आठ हजार लोगों से 39 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले फाइनेंस कंपनी के फरार सीईओ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अपनी पत्नी, जो कंपनी की डायरेक्टर है, के साथ मिलकर लंबे समय से ठगी को अंजाम दे रहा था। मामले में फिलहाल हल्द्वानी कोतवाली में एक मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसमें तीन लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है।

आरोप है कि आरोपी निवेशकों को 25 से 30 महीने में रकम दोगुनी करने और 8 प्रतिशत ब्याज देने का झांसा देता था। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपी की फरार पत्नी और एक अन्य डायरेक्टर की तलाश कर रही है। मुखानी निवासी पार्थ पराशर ने रविवार रात कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि जीएमएफएक्स ग्लोबल लिमिटेड नामक फाइनेंस कंपनी के सीईओ विमल रावत, निवासी ग्राम रछूली, थाना पौड़ी गढ़वाल ने उन्हें निवेश योजना का लालच देकर फंसाया। आरोपी ने उनसे 10 लाख रुपये निवेश कराए और 25 से 30 महीने में रकम दोगुनी करने का भरोसा दिया। आरोप के अनुसार, आरोपी ने 1.90 लाख रुपये वापस कर दिए, जबकि शेष 8.10 लाख रुपये हड़प लिए।

कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। मंगलवार को आरोपी विमल रावत को कोतवाली तलब कर घंटों पूछताछ की गई, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। इस मामले में विमल रावत की पत्नी एवं कंपनी की डायरेक्टर रूबी तथा एक अन्य डायरेक्टर अनूप भी आरोपी हैं। दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। उल्लेखनीय है कि कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत की छापेमारी के बाद कंपनी के फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ था। जांच में सामने आया कि कंपनी के सीईओ और दो निदेशकों ने मिलकर करीब आठ हजार लोगों से लगभग 39 करोड़ रुपये की ठगी की है।

परेड में विशेष अतिथि के रूप में हिस्सा लेंगी अपूर्वा

हल्द्वानी: राजकीय महिला डिग्री कॉलेज की एनएसएस स्वयंसेवी अपूर्वा भट्ट का चयन नई दिल्ली में होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह के लिए विशेष अतिथि के रूप में हुआ है। उत्तराखंड से केवल दो स्वयंसेवकों (एक छात्र और एक छात्रा) का चयन किया गया है। राज्य एनएसएस प्रकोष्ठ की ओर से जारी पत्र के अनुसार भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देश पर स्वयंसेवियों का चयन हुआ है। अपूर्वा 26 जनवरी को कर्तव्य पथ में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। उनके साथ अभिभावक दिनेश भट्ट भी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। एनएसएस प्रभारी डॉ. रितुराज पंत ने बताया कि चयनित स्वयंसेवी 23 जनवरी को रवाना होंगी।

दमुवाढूंगा के लोगों ने किया जल संस्थान पर प्रदर्शन, एई को घेरा

संवाददाता, हल्द्वानी

जल संस्थान कार्यालय पर आक्रोश जताते दमुवाढूंगा क्षेत्र के लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सर्दियों के मौसम में भी शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को कई हफ्तों से पानी की किल्लत झेल रहे दमुवाढूंगा (गुरुदेव कॉलोनी) के लोगों ने जल संस्थान कार्यालय पहुंचे। जहां लोगों ने जल संस्थान के कार्यालय के गेट पर नारेबाजी करने के बाद सहायक अभियंता रविंद्र कुमार का घेराव किया।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि उनके क्षेत्र में साल भर पानी की कमी रहती है, लेकिन पिछले कई हफ्तों से घरों में पानी नहीं आ रहा है। स्थिति यह है कि लोग पीने के पानी तक के लिए तरस रहे हैं। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद विभागीय कर्मचारी कोई सुध नहीं ले रहे हैं, जिससे लोगों में भारी आक्रोश है। सहायक अभियंता रविन्द्र कुमार ने लोगों को पाइप लाइनों की जांच कराने और जलापूर्ति बहाल करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद लोग शांत हुए। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही पेयजल समस्या का समाधान नहीं हुआ, आंदोलन शुरू किया जाएगा। प्रदर्शन करने वालों में कांति देवी, महेशानंद, विमला देवी, शीला आर्या, राधा, कमला, इंद्रा, देवेंद्र, विजय, विशन राम, हयात राम, नंदलाल, रिशु आर्या, गोविंदी लोबियाल, भुवन चंद, प्रहलाद राम आदि मौजूद रहे।

बिजली पोल लगाने में मनमानी से लोग खफा

हल्द्वानी: जज फार्म क्षेत्र में मनमाने ढंग से नए विद्युत पोल लगाए जा रहे हैं और उन पर हाई टेंशन लाइन बिछाई जा रही है। स्थानीय निवासियों ने शिकायत की है कि पोल लगाने से पहले उन्हें सूचित नहीं किया जा रहा है, जिससे संकरी सड़कों पर वाहनों के लिए परेशानी उत्पन्न हो रही है।

स्कूलों की गाड़ियों में जाने वाले छोटे बच्चों के लिए भी हाई टेंशन लाइन खतरनाक साबित हो सकती है। प्रभावित लोगों ने ऊर्जा निगम से अनुरोध किया है कि यदि पोल लगाना आवश्यक है तो संबंधित व्यक्तियों को पहले सूचित किया जाए और सही स्थान पर पोल लगाया जाए, ताकि विद्युत आपूर्ति सुचारु रूप से हो सके और लोगों को दिक्कत न हो। मंगलवार को क्षेत्रवासियों ने विद्युत खंड ग्रामीण के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर विभाग की कार्यप्रणाली पर एतराज जताया।

इनरव्हील क्लब ने स्कूली बच्चों को बांटे बैग, बिस्किट

बैग पाने वाले स्कूली बच्चों के साथ इनरव्हील क्लब की पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: इनरव्हील क्लब हल्द्वानी द्वारा मंगलवार को राजकीय प्राथमिक विद्यालय तल्ली बमोरी में बच्चों को इनरव्हील लोगों के साथ स्कूल बैग और बिस्किट वितरित किए।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष मधुर अग्रवाल, सचिव निवेदिता पांडे, दीपा तिवारी, शशि अधिकारी, मनोज तिवारी, शिखा खंडेलवाल, सुशीला भाकुनी आशा दरम्वाल, रेखा दर्मवाल, सारिका एवं कुसुम कुंजवाल उपस्थित रहीं।

उत्तराखंड टीम में अभिराज का चयन

रामनगर: स्पोर्ट्स अकादमी के होनहार खिलाड़ी अभिराज डंगवाल का चयन अंडर-14 उत्तराखंड क्रिकेट टीम में हुआ है। अभिराज मध्यप्रदेश में आयोजित राज सिंह डूंगरपुर ट्रॉफी में उत्तराखंड टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। अभिराज रामनगर स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षण लेते हैं।

इससे पहले इस सत्र में अकादमी के दो खिलाड़ी अंडर-19 में दक्ष नेगी (वीनू मांकड़ ट्रॉफी) और निशान्त शर्मा (कूच बिहार ट्रॉफी) और एक खिलाड़ी अंडर-16 में कनिष्क बिष्ट (विजय मर्चेंट ट्रॉफी) में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अकादमी के कोच हिमांशु चौहान, मो. इकरार आदि ने अभिराज की उपलब्धि पर खुशी जताई है।

महाशिवरात्रि मेले की तैयारियों पर चर्चा करते कर्मचारी और ग्रामीण। ● अमृत विचार

छोटा कैलाश धाम में मेले की तैयारियां तेज

हल्द्वानी, अमृत विचार: छोटा कैलाश धाम में 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर लगने वाले मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मेले में हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है, जिसे देखते हुए प्रशासन और जन प्रतिनिधियों ने कमर कस ली है। इसी सिलसिले में गुरुवार को कमलेश भट्ठ की पहल पर जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दर्मवाल और जिला पंचायत के उच्च अधिकारियों के बीच बैठक हुई। बैठक में तय किया गया कि भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था के लिए पुलिस बल की विशेष तैनाती की जाएगी। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पीने के साफ पानी, रोशनी, साफ-सफाई और इलाज के लिए अस्थाई स्वास्थ्य शिविरों का इंतजाम भी किया जाएगा। श्रद्धालुओं को बिना किसी असुविधा के सुव्यवस्थित तरीके से दर्शन कराना है। मेले को भव्य और सफल बनाने के लिए जल्द ही जिला प्रशासन की ओर से एक सामूहिक बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें स्थानीय ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों को भी शामिल किया जाएगा।

यूजीसी के नये नियमों के खिलाफ सामाजिक संगठनों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, हल्द्वानी

हल्द्वानी में रैली निकालकर एसडीएम कोर्ट जाते विभिन्न संगठन के लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता के संवर्धन हेतु जारी नये विनियमों का विरोध तेज हो गया है। शुक्रवार को विभिन्न सामाजिक संगठनों और नागरिक प्रतिनिधियों ने इन नियमों को संविधान और सामाजिक न्याय के विरुद्ध बताते हुए सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि समानता की आड़ में लाए गए ये नियम सवर्ण वर्ग के छात्रों के शैक्षणिक अधिकारों और अवसरों को कमजोर करने का प्रयास है। वक्ताओं ने कहा कि बिना किसी व्यापक विमर्श के ऐसे नियम लागू करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का उल्लंघन है, जिससे उच्च शिक्षा में सामाजिक संतुलन बिगड़ सकता है। ज्ञापन में राष्ट्रपति से इन विनियमों को तत्काल रद्द करने की मांग की गई है। कहा कि इससे शिक्षा में भेदभाव बढ़ेगा। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि फैसला वापस नहीं लिया गया, तो देशव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी विशाल शर्मा, भगवत सिंह राणा, विनोद कुमार शाही, मोहन चंद्र कांडपाल और रूपेन्द्र नगर सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विधायक, पूर्व मेयर ने माघ माह के खिचड़ी भोज में लिया हिस्सा

संवाददाता, हल्द्वानी

खिचड़ी भोज कार्यक्रम में विधायक सुमित हृदयेश, पूर्व मेयर जोगेंद्र पाल सिंह रौतेला व अन्य।

अमृत विचार : युवा सामाजिक व सांस्कृतिक समिति शीशमहल की ओर से रामलीला मैदान में मंगलवार को माघ माह के खिचड़ी भोज का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें क्षेत्र के विधायक सुमित हृदयेश, पूर्व मेयर जोगेंद्र पाल सिंह रौतेला सहित बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस दौरान विधायक व पूर्व मेयर ने रामलीला मैदान के पास बन रहे नए शिव मंदिर के कार्य को भी सराहा। इस मौके पर भाजपा प्रदेश प्रकोष्ठ संयोजक कौस्तुभानंद जोशी, मुख्य व्यवस्थापक गिरीश तिवारी, अध्यक्ष मनोज तिवारी, महामंत्री एनडी तिवारी, उपाध्यक्ष दिनेश फुलारा, सचिव विक्रम डंगवाल, सुरेश तिवारी, कमल पपनै, मोहन बलुटिया, केशव दत्त तिवारी, देवेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

इधर, ऊंचापुल स्थित रामलीला मैदान में मंगलवार को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संगठन ने पारंपरिक खिचड़ी भोज का आयोजन किया। इस मौके पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद के पूर्व अध्यक्ष सूबेदार मेजर गोविंद सिंह बढ़ती, अर्जुन सिंह भंडारी, आलोक पांडे, पुष्कर सिंह भंडारी, अध्यक्ष कैप्टन दया किशन जोशी आदि मौजूद रहे।

खेल-खिलाड़ी

नैनीताल ने बागेश्वर को 5-0 से हराया, पिथौरागढ़ व नैनीताल की टीमों ने पहले दिन जीते रोमांचक मुकाबले

मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी में चमक रहे हॉकी सितारे

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में मंगलवार से मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी के अंतर्गत नौ दिवसीय राज्य स्तरीय बालक-बालिका हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर से अंडर-14 और अंडर-19 वर्ग के खिलाड़ी अपना दमखम दिखा रहे हैं।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह बाफिला (महासचिव, हॉकी एसोसिएशन उत्तराखंड) और विशिष्ट अतिथि किशोर सिंह बाफिला (अध्यक्ष, हॉकी एसोसिएशन उत्तराखंड) ने किया। इस मौके पर जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रतीक चंद्र जोशी और क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी इमरान खान ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। प्रतियोगिता के पहले दिन अंडर-19 बालिका वर्ग के रोमांचक मुकाबले खेले गए। दिन के पहले मैच में पिथौरागढ़ ने चंपावत को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 3-2 से हराया। वहीं, नैनीताल की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए बागेश्वर को 5-0 से शिकस्त दी। पौड़ी ने टिहरी पर 7-0 की एकतरफा जीत दर्ज की, जबकि ऊधमसिंह नगर ने उत्तरकाशी को 9-0 से पराजित कर धाक जमाई। देहरादून ने पिथौरागढ़ को 1-0 से मात दी, जबकि दिन के अंतिम मैच में हरिद्वार ने पौड़ी को 4-0 से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। निर्णायक वरुण बेलवाल, महेश्वर नेगी, गोविंद लटवाल, मोहित सिंह, सुरेंद्र अधिकारी, तरुण बेलवाल, पंकज रावत और रुपिन यादव ने निभाई।

हॉकी मैच में गोल के लिए जूझते नैनीताल और बागेश्वर के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

मुएथाई चैंपियनशिप राज्य के 10 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

हल्द्वानी : यूनाइटेड मुएथाई एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से हैदराबाद में आयोजित होने जा रही सातवीं राष्ट्रीय सीनियर मुएथाई चैंपियनशिप के लिए उत्तराखंड राज्य के 10 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। मुएथाई एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष सतीश जोशी ने बताया कि यह प्रतियोगिता आगामी 22 से 25 जनवरी तक तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद स्थित एसपीएस कन्वेंशन सेंटर में खेली जाएगी। इस राष्ट्रीय स्तर की चैंपियनशिप में देश भर के 800 से अधिक चयनित खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उत्तराखंड की 10 सदस्यीय टीम में मयंक गहतोड़ी, शिक्षा विभाग के दीपांशु रौतेला, 6 कुमाऊं रेजिमेंट के अनिल बोरा, यशपाल भट्ट, सूर्याशु कैतुरा, निखिलेश गहतोड़ी, आदित्य लटवाल, सपना जवाड़ी, संचिता पोखरियाल और हिमानी मेर का चयन किया गया है।

सौरभ पर हमला : महापंचायत में उमड़ी समर्थकों की भीड़

विधायक और पूर्व विधायकों ने निकाली जमकर भड़ास, एसपी सिटी के आश्वासन पर दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम, उग्र आंदोलन की चेतावनी दी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: आवास विकास पार्षद एवं किच्छा विधायक के बेटे सौरभ राज बेहड़ हमला कांड में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर बेहड़ आवास पर महापंचायत हुई। जिसमें बड़ी तादाद में कांग्रेसियों, धार्मिक और सामाजिक संगठनों के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। चाहे विधायक हो या फिर पूर्व विधायक हर नेता ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर उंगली उठाते हुए जमकर भड़ास निकाली। वहीं बेहड़ ने ऐलान किया कि एसपी सिटी के आश्वासन के बाद यदि 24 घंटे के अंदर खुलासा नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन होगा।

रविवार की शाम 7 बजे किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ के पार्षद बेटे सौरभ राज बेहड़ पर नकाबपोश बाइक सवार तीन हमलावरों ने उस वक्त जानलेवा हमला बोल दिया था। जब वह पुलिस द्वारा बुलाई की पंचायत में जा रहे थे। पूर्व मंत्री एवं विधायक के बेटे को आनन फानन में प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया और लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। सौरभ पर हमले के 48 घंटे बीत जाने के बाद अचानक किच्छा विधायक ने सोमवार की शाम को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर महापंचायत बुलाने का ऐलान कर दिया।

इस दौरान आह्वान किया कि मंगलवार की दोपहर 2 बजे आवास विकास स्थित आवास पर महापंचायत के माध्यम से खुलासा नहीं होने पर पुलिस के खिलाफ आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। दोपहर एक बजे से किच्छा, गदरपुर, रुद्रपुर सहित आसपास के इलाकों से कार्यकर्ताओं, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के अलावा कांग्रेस विधायक एवं पूर्व विधायक का जमावड़ा लगने लगा। नेताओं ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि घटना को 48 घंटे का समय बीत चुका है और अभी तक पुलिस ने बाइक सवार युवकों को चिह्नित तक नहीं किया।

ढाई घंटे तक चली महापंचायत की सूचना मिलते ही एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी, कोतवाल मनोज रतूड़ी, थाना प्रभारी ट्रांजिट कैंप मोहन चंद्र पांडेय पुलिस फोर्स के साथ महापंचायत में पहुंचे और सार्वजनिक आश्वासन दिया कि पुलिस को काफी हद तक लीड मिल चुकी है और बुधवार की शाम तक खुलासा भी करने की आशंका है। जिस पर बेहड़ ने जवाब दिया कि यदि 24 घंटे के अंदर वास्तविक हमलावर व हमले के पीछे बैठे साजिशकर्ताओं के नामों को उजागर नहीं किया तो फिर एक बार पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोला जाएगा।

इस मौके पर पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, हरभजन सिंह विर्क, गिरीश साहनी, हरीश जल्होत्रा, दर्शन कोली, परिमल राय, जर्नादन द्विवेदी, ओमप्रकाश अरोरा, राजेश प्रताप सिंह, अरुण कुमार शुक्ला, उमर अली, संजय जुनेजा आदि मौजूद रहे। उधर, एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने कहा कि पुलिस इस मामले को पूरी निष्पक्षता और गंभीरता से सुलझा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

महापंचायत में मंचासीन तिलकराज बेहड़, अन्य विधायक व नेता। ● अमृत विचार

महापंचायत में उमड़े समर्थक। ● अमृत विचार

कहीं पुलिस वाले तो नहीं हमलावर: पाल

रुद्रपुर : सौरभ बेहड़ हमला कांड की महापंचायत में पहुंचे सितारगंज के पूर्व विधायक नारायण पाल ने कहा कि जिस प्रकार 48 घंटे का समय बीत जाने के बाद भी विधायक के हमलावर चिह्नित नहीं हुए और बार-बार पुलिस पहचान करने का आश्वासन दे रही है। कभी तो ऐसा प्रतीत हो रहा है कि विधायक के बेटे पर हमला करने वाले पुलिस वाले तो नहीं। जो सादे कपड़ों में हमला कर चले गए और पुलिस चिह्नित नहीं कर पा रही है। पूर्व विधायक के भाषण को सुनकर लोग भी कुछ देर के लिए मुस्कराने लगे।

कांग्रेसियों को हुई हैरानी, ठुकराल ने भरा जोश

रुद्रपुर : एक दौर था कि बेहड़ ने ठुकराल के सामने दो बार चुनाव लड़ा और पराजय का सामना करना पड़ा। राजनीतिक मैदान में ठुकराल और बेहड़ धुर विरोधी रहे और ठुकराल के बयान भी हमेशा चर्चा का विषय बन रहते थे। मंगलवार को जब पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल महापंचायत में पहुंचे तो कार्यकर्ता भी हैरान रहे गए। ठुकराल ने भाषण में कहा कि यदि हमलावर वास्तव में मर्द थे तो बेनकाब होकर आते और अपनी पहचान को सार्वजनिक करते। जब ठुकराल ने अपने जोश भरे अंदाज में भाषण दिया तो प्रांगण तालियों से गूंज उठा।

> पिछले चार साल से प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। कानून के रखवाले ही अब अपराधियों को संरक्षण दे रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन मौन धारण किए हुए हैं। जब एक विधायक और निर्वाचित पार्षद पर योजनाबद्ध तरीके से हमला हुआ है तो आम नागरिक की प्रताड़ना कैसे होती होगी, लेकिन अब जरूरत है कि सभी लोगों को एकजुट होकर शासन-प्रशासन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाए। यदि जल्द ही खुलासा नहीं हुआ तो तय रणनीति के अनुसार ही आंदोलन होगा। **-भुवन कापड़ी**, विधायक, खटीमा

> पिछले चार सालों से प्रदेश की सरकार माफिया राज और गुंडा गिरोह को संरक्षण दे रही है। अंकिता हत्याकांड हो या फिर सुखवंत सुसाइड प्रकरण। दोनों ही चर्चित प्रकरण में प्रदेश सरकार अफसरों और वीआईपी को बचाने में जुट गई है। इससे साफ हो गया है कि विधायक के बेटे सौरभ पर हमला करना कहीं न कहीं सत्ताधारी की भूमिका को संदेहास्पद करती है। यदि पुलिस ने पारदर्शी खुलासा नहीं किया तो ऐसा आंदोलन होगा कि जिसकी कल्पना पुलिस ने नहीं की होगी। **-आदेश चौहान**, विधायक, जसपुर

> विधायक बेहड़ के बेटे पार्षद सौरभ राज बेहड़ पर हमला यूथ कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। 24 घंटे के अंदर पर्दाफाश और पर्दे के पीछे वाले साजिशकर्ता बेनकाब नहीं हुए तो यूथ कांग्रेस प्रदेशव्यापी आंदोलन करेगी। शासन-प्रशासन के खिलाफ पोल खोल अभियान चलाएगी। कारण जनता यह तो जान चुकी है कि प्रदेश में माफिया राज कायम हो चुका है और सरकार में गुंडा गिरोह थाना-चौकियां संचालित कर रहे हैं। पुलिस को छवि सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। **-सुमित्तर भुल्लर**, प्रदेश अध्यक्ष, यूथ कांग्रेस

महापंचायत में भावुक हो गये बेहड़

रुद्रपुर: महापंचायत के दौरान जब विधायक बेहड़ ने अपना संबोधन शुरू किया तो वे बेहड़ भावुक हो उठे। इसके बाद पुलिस के खिलाफ नारेबाजी के साथ ही समर्थकों ने भी अपनी भड़ास निकाली। बावजूद बेहड़ ने कार्यकर्ताओं को शांत किया कि यह सत्य है कि जिले की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। सौरभ उनका बेटा नहीं, जनता का भाई और बेटा है। कारण जनता ने उसे चुना है और अब लोकतांत्रिक तरीके से वृहद आंदोलन होगा।

मंगलवार की दोपहर जब बेहड़ ने महापंचायत को संबोधित किया तो घटनाक्रम को बताते हुए वह भावुक होने लगे। उनका कहना था कि हर जाति धर्म और अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया, लेकिन जिस प्रकार बेटे पर साजिशन हमला कर जान से मारने की कोशिश की वह बेहद चिंतनीय है। कारण हमला व्यक्तिगत, राजनीतिक है या फिर मनोबल तोड़ने का। इन सभी सवालों के जवाब पुलिस नहीं देगी। वह प्रकरण को लेकर शांत बैठने वाले नहीं है। बेहड़ ने कहा कि उनके बेटे सौरभ ने अपनी किडनी देकर उनको जीवन दान दिया था। बेटा रविवार को निकलते वक्त पैर छूकर गया और एक घंटे बाद स्ट्रेचर पर उसे देखा। यह बोलते ही बेहड़ भावुक होने लगे और फिर कार्यकर्ताओं का आक्रोश भी भड़कने लगा। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी और बेहड़ उद्घोष के साथ आवेश में आए। कार्यकर्ता कूच करने की बात कहने लगे।

सिटी ब्रीफ

संस्कृत शिक्षा सचिव आज आएंगे

रुद्रपुर : संस्कृत शिक्षा, जनगणना एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग के सचिव दीपक कुमार बुधवार को दो दिवसीय जनपद भ्रमण पर रहेंगे। प्राप्त कार्यक्रम के अनुसार 21 जनवरी को देहरादून से कार द्वारा प्रस्थान कर 2.30 बजे काशीपुर पहुंचकर विकास खंड सभागार में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम में प्रतिभाग और जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद रात्रि विश्राम काशीपुर में करेंगे। 22 जनवरी को 10.30 बजे काशीपुर स्थित संस्कृत विद्यालय का निरीक्षण करेंगे। 12 बजे दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

अवैध खनन पर कई ट्रैक्टर ट्रॉली और बाइक जब्त

बाजपुर : तराई पश्चिमी वन प्रभाग, रामनगर में अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए वन विभाग और प्रशासन ने कोसी व दावका नदियों में संयुक्त अभियान छेड़ दिया है। उप प्रभागीय वनाधिकारी किरण शाह और एसडीएम प्रमोद कुमार की अगुवाई में टीम ने सोमवार रात बंजारी नदी क्षेत्र में छापा मारकर अवैध खनन सामग्री से लदे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली और दो बाइक जब्त कीं। पिछले एक सप्ताह से जारी इस कार्रवाई में अब तक आधा दर्जन से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को सीज कर ज्वाला वन चौकी परिसर में खड़ा किया गया है। भागने की कोशिश कर रहे चालकों को घेराबंदी कर पकड़ा गया।

खटीमा में बैठक करते पंजाबी महासभा के लोग। ● अमृत विचार

हमले के आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग

खटीमा : उत्तरांचल पंजाब महासभा की बैठक गुरुद्वारा सिंह सभा के प्रांगण में महासभा के अध्यक्ष विजय कुमार अरोरा की अध्यक्षता एवं महामंत्री हरीश बत्रा के संचालन में आयोजित हुई। बैठक में पंजाबी समाज के लोगों ने पंजाबी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष तिलक राज बेहड़ के पुत्र पार्षद सौरभ के ऊपर हुए कातिलाना हमले की कड़ी शब्दों में निंदा की गई एवं आरोपियों को शीघ्र अति शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की। बैठक में पंजाबी महासभा के कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि आरोपी जल्द गिरफ्तार नहीं होंगे तो पंजाबी महासभा आंदोलन के लिया बाध्य होगी। पंजाबी महासभा के प्रदेश सचिव मनोज वाधवा ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं तिलक राज बेहड़ के पुत्र पर हुए हमले को लेकर प्रशासन से जल्द से जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए दिशानिर्देश दे चुके है, ऐसे अपराधियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए। बैठक में मुख्य रूप से पंजाबी महासभा के प्रदेश सचिव मनोज वाधवा, पंजाबी महासभा के अध्यक्ष विजय अरोड़ा, महामंत्री हरीश बत्रा, कोषाध्यक्ष जितिन ग्रोवर, रोहित छाबड़ा, रविंदर रैना, बिट्टू ग्रोवर, जतिन बत्रा, ललित मोहन मारवाह, सुधीर बत्रा, रमन सेठी, लवी सहगल, राजेश बाटला आदि उपस्थित थे।

हर्षोल्लास से मनाएंगे गणतंत्र दिवस-यूसीसी स्थापना दिवस

- 25-26 जनवरी को राजकीय भवन होंगे लाइटों से जगमग

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: गणतंत्र दिवस और 27 जनवरी को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) स्थापना दिवस मनाये जाने की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित हुई। तय किया गया कि जनपद में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। राजकीय भवनों को 25 व 26 जनवरी को सायं 6 बजे से रात्रि 11 बजे तक कम वोल्टेज के बल्बों और एलईडी के माध्यम से प्रकाशमान किया जाएगा।

मंगलवार को जिला सभागार में आयोजित बैठक में अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय ने कहा कि 26 जनवरी को जनपद के सभी कार्यालयों में सुबह 9.30 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। गणतंत्र दिवस का मुख्य कार्यक्रम पुलिस लाइन में आयोजित किया जाएगा। पुलिस लाइन में ध्वजारोहण मुख्य अतिथि पूर्वान्ह 11 बजे करेंगे। पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस परेड व विकास परख झांकी का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित किया जाएगा व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अपर जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को तहसील स्तर पर सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला क्रीड़ा अधिकारी को क्रॉस कंट्री रेस कराने और मुख्य शिक्षा अधिकारी को विद्यालयों में निबंध, पेंटिंग, भाषण प्रतियोगिताएं कराने के भी निर्देश दिए।

अधिकारियों के साथ बैठक करते एडीएम पंकज उपाध्याय। ● अमृत विचार

ये अधिकारी रहे मौजूद

अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. केके अग्रवाल, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल सीपी कोठारी, जिला क्रीड़ा अधिकारी जानकी कार्की, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरुद्ध, जिला प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन, जिला युवा कल्याण अधिकारी बीएस रावत आदि मौजूद थे।

तहसीलों-नगर निकायों में भरवाए जाएंगे यूसीसी के फार्म

रुद्रपुर : अपर जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के सभी तहसीलों व नगर निकायों में 27 जनवरी को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) स्थापना दिवस को भी भव्यता से मनाया जाएगा। इस दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, बाल विकास, पुलिस आदि विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर यूसीसी पंजीयन के साथ ही यूसीसी फीडबैक फार्म भी भरवाए जाएंगे। उन्होंने मुख्य शिक्षा अधिकारी को शिक्षण संस्थानों में यूसीसी पर भाषण, निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित करने के निर्देश दिए।

दो माह के भीतर हो जाएगा बस टर्मिनल का संचालन

- प्रस्तावित शॉपिंग मॉल के निर्माण में लगेंगे डेढ़ से दो वर्ष
- महापौर ने निर्माणाधीन बस टर्मिनल का किया निरीक्षण

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: शहर की महत्वाकांक्षी परियोजना और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के ड्रीम प्रोजेक्ट निर्माणाधीन बस टर्मिनल के कार्य को गति देने के लिए महापौर विकास शर्मा ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर ने कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं कार्यदायी संस्था ने बताया कि दो माह के भीतर बस टर्मिनल का संचालन शुरू हो जाएगा, जबकि प्रस्तावित शॉपिंग मॉल के निर्माण में डेढ़ से दो वर्ष लगेंगे।

मंगलवार को महापौर विकास शर्मा, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पाण्डे अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरा महापौर ने कार्यदायी संस्था के एमडी इंदर कपूर से अब तक हुई प्रगति की विस्तृत रिपोर्ट मांगी और देरी के कारणों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यदायी संस्था के एमडी ने बताया कि अतिक्रमण और कुछ तकनीकी अड़चनों के कारण निर्माण की गति प्रभावित हुई है। यदि अतिक्रमण की समस्या का समाधान हो जाता है तो अगले दो माह के भीतर बस टर्मिनल का संचालन विधिवत रूप से शुरू कर दिया जाएगा, जबकि परिसर में प्रस्तावित शॉपिंग मॉल के निर्माण में अभी करीब डेढ़ से दो वर्ष का समय लग सकता है।

महापौर ने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि जब तक टर्मिनल पूरी तरह तैयार नहीं हो जाता, तब तक वर्तमान रोडवेज स्टेशन पर यात्रियों के लिए पेयजल, शौचालय, प्रकाश और बैठने की समुचित व्यवस्था की जाए। ताकि आम जनता को असुविधा न हो। इस दौरान उन्होंने किच्छा बाईपास रोड की 48 दुकानों के भविष्य पर भी चर्चा की जो बस टर्मिनल की जद में आ रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर निगम और जिला प्रशासन मिलकर इन व्यापारियों के पुनर्वास के लिए एक ठोस योजना तैयार करेंगे। यह प्रोजेक्ट न केवल शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारेगा, बल्कि रुद्रपुर शहर को एक नई पहचान भी दिलाएगा।

निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था के एमडी से जानकारी लेते महापौर।

भीमआर्मी के जिलाध्यक्ष पर हुई प्राथमिकी दर्ज

सितारगंज : भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने ईओ प्रतिभा कोहली के साथ गाली गलौज की। साथ ही, उसे जान से मारने की धमकी भी दी। वहीं, मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। ईओ प्रतिभा कोहली ने बताया कि 20 जनवरी को पालिका कर्मी नगर पालिका कार्यालय के सामने पार्क में अवैध रूप से बनी झोपड़ी को हटा रहे थे। तभी गांव गोठा सितारगंज निवासी सत्येंद्र कुमार, विशाल सिंह, देवचरण, विजय कुमार, संदीप कुमार, मुरारी लाल सहित 10-12 लोगों ने कार्यालय में नारेबाजी की। आरोप लगाया कि उक्त लोगों ने गाली-गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी। साथ ही, धमकाया कि वह नगर पालिका गेट पर ताला लगाकर कामों को रुकवा देंगे।

पार्टनर बनाने का झांसा देकर हड़पे 60.57 लाख

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में एक व्यक्ति को जूता फैक्ट्री में पार्टनर बनाने का झांसा देकर लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आवास विकास निवासी संतोष पाल ने बताया कि वह पिछले तीन सालों से मनीष जैन के मकान में किराए पर रहता है। उसका धर्म जीत निवासी सिघपुरा भागानी सिरमौर पोंटा साहिब हिमाचल प्रदेश से मिलना जुलना था, जो कि गांव भूरारानी में मैसर्स पंचार एंड संस नाम से जूता बनाने का कारोबार करता था। इस दौरान अभियुक्त ने 29 दिसंबर 2021 को प्रस्ताव रखा कि यदि कंपनी में पार्टनर बनाते हो तो मोटा मुनाफा होगा। बातों पर विश्वास करते हुए कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी ने अपनी ही फर्म का साझेदार बना लिया।

जिसके बाद अभियुक्त ने 60.57 लाख रुपये लेकर पार्टनरशिप के नाम पर गुमराह करता रहा। जनवरी 2024 में धर्मजीत अपने गांव जाने की बात कहकर चला गया और कई दिनों बाद वापस नहीं लौटा। फोन किया गया, लेकिन आरोपी ने फोन नहीं उठाया। पड़ताल में पता चला कि धर्म जीत ने पार्टनर बनाने के दौरान असली दस्तावेज छिपा दिए थे।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम बिशन सिंह पुत्र थान सिंह था, जिसे बदलकर मैंने बिशन सिंह खर्कवाल पुत्र थान सिंह खर्कवाल कर दिया गया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचान जाए। - **बिशन सिंह खर्कवाल पुत्र थान सिंह खर्कवाल, ग्राम अझोडा, पोस्ट भूल गांव, तहसील सोमेश्वर, जिला अल्मोड़ा (उत्तराखंड)।**

सूचना

मेरे आधार कार्ड संख्या 446519678202 में नाम NARANDER SINGH KANYL एवं पता - ग्राम रामड़ी जसुवा, पोस्ट ऑफिस कठघरिया, तहसील हल्द्वानी (नैनीताल) अंकित है जो कि सही व वास्तविक नाम है। मेरे ड्राईविंग लाइसेंस संख्या UK-0820130102124 में में मेरा नाम भूलवश NARENDER SINGH KANYAL एवं पता होटल रॉयल पैलेस रूड़की, हरिद्वार गलत दर्ज हो गया है। मैं अपने ड्राइविंग लाइसेंस में नाम व पता अपने आधार कार्ड के अनुसार दर्ज कराना चाहता हूँ। **नरेन्द्र सिंह कन्याल पुत्र श्री उम्मेद सिंह कन्याल, निवासी ग्राम रामड़ी जसुवा, पोस्ट ऑफिस कठघरिया, तहसील हल्द्वानी (नैनीताल)।**

गांव मलसी में खूनी संघर्ष दोनों पक्षों पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: थाना ट्रांजिट कैंप के गांव मलसी में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष का मामला सामने आया है। एक दूसरे पर जान से मारने का आरोप लगाते हुए तहरीर सौंपी तो पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव मलसी निवासी मिट्ठू राम ने बताया कि पड़ोस में रहने वाली माया देवी अक्सर घर के सामने कूड़ा फेंकती रहती थी। जब मना किया तो रंजिश रखने लगी। 17 जनवरी की रात्रि साढ़े 9 बजे माया देवी, वीरेंद्र कुमार, चंद्रसेन, महादेव, मोहम्मद तैयब, आकाश कुमार धारदार हथियार व डंडे लेकर आए और दरवाजा तोड़ते हुए हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जब जिला अस्पताल से रेफर किया गया उस वक्त भी आरोपी फोन पर जान से मारने की धमकी दे रहे थे। वहीं दूसरी ओर मलसी निवासी माया देवी ने बताया कि पड़ोसी किरन अक्सर दुकान के सामने कूड़ा एकत्रित करती है। टोकने पर 17 जनवरी की रात्रि साढ़े 9 बजे किरन, विद्या, सन्नी, मिट्ठू आए और उस पर हमला कर दिया। जब बहू और बेटे ने बीच बचाव करने का प्रयास किया तो उसे भी घायल कर दिया।

मौसम का मिजाज

वर्ष 2013 में 18 और 19 जनवरी को हुई थी सबसे कम 41.2 मिलीमीटर बारिश, नवंबर से अब तक नहीं हुई बारिश

इस बार रबी सीजन रहा 21वीं शताब्दी का ड्राई सीजन

बीरेन्द्र बिष्ट, रुद्रपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड में इस बार रबी सीजन 21वीं शताब्दी का सबसे ड्राई सीजन माना जा रहा है। कारण इस सीजन में बिल्कुल भी बारिश नहीं हुई है, जबकि इससे पूर्व वर्ष 2013 में सबसे कम 41.3 मिलीमीटर ही बारिश दर्ज की गयी थी। मौसम वैज्ञानिकों ने इसे पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय नहीं होना और लॉ नीना को बताया है।

रबी सीजन नवंबर से जनवरी तक माना जाता है। इस दौरान हर साल औसत या औसत से अधिक बारिश होती है, लेकिन इस बार इस सीजन में बारिश नहीं हुई है। इसका असर तापमान में भी देखा जा रहा है। जनवरी के शुरुआती दिनों में कोहरे और शीतलहर चल रही थी। इससे तापमान में काफी गिरावट देखी गयी थी। तापमान 11 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। वहीं पिछले दो दिन से तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

जीबी पंत विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक और डायरेक्टर रिसर्च डॉ. एएस नैन ने बताया कि रबी सीजन 21वीं शताब्दी का सबसे ड्राई सीजन। कारण इस सीजन में बिल्कुल भी बारिश नहीं हुई है, जबकि इससे पूर्व वर्ष 2013 में सबसे कम 41.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गयी थी। 18 जनवरी 2013 को 17.8 मिलीमीटर और 19 जनवरी को 23.4 मिलीमीटर दर्ज की गयी थी। जो अन्य वर्षों की तुलना में काफी कम रही। इसका कारण लॉ नीना के कारण पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय नहीं होना है। उन्होंने किसानों से अपील की वे गेहूं, गन्ना और अन्य फसलों को बचाने के लिए उचित पानी की व्यवस्था करें।

पश्चिमी जेट धाराएं प्रभावित कर रहीं मौसम के पैटर्न को

रुद्रपुर : जीबी पंत विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि पश्चिमी जेट धाराओं के कारण भी मौसम में बदलाव हो रहा है। पश्चिमी जेट धाराएं ऊपरी वायुमंडल में तेजी से चलने वायु धाराएं हैं जो सर्दियों के दौरान मौसम के पैटर्न को प्रभावित करती हैं। साथ ही ये धाराएं पश्चिमी विक्षोभ का मार्गदर्शन करती है। उन्होंने बताया कि जेट धाराएं वायुमंडल के ऊपरी सतहों में तेज हवाओं की संकरी पट्टियां हैं। जो आमतौर पर पृथ्वी की सतह से 8 से 10 किमी. की ऊंचाई पर पायी जाती है और 100 से 125 किमी. की रफ्तार से चलती है।

25 को हो सकती है हल्की बारिश

रुद्रपुर : जीबी पंत विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि बारिश नहीं होने के कारण मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है। एक सप्ताह पूर्व तक तापमान 11 डिग्री तक पहुंच गया था। वहीं विगत दो दिन से तापमान में बदलाव नजर आया है। उन्होंने बताया कि सोमवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं मंगलवार को अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस रहा। हालांकि उन्होंने 25 जनवरी को हल्की बारिश की संभावना व्यक्त की है।

ब्रीफ न्यूज

सड़क हादसे में साइकिल सवार की मौत

पंतनगर : नगला क्षेत्र में सोमवार सुबह हुए सड़क हादसे में साइकिल सवार व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। थाना प्रभारी नंदन सिंह रावत ने बताया कि शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले की जांच जारी है। सोमवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि नगला बाईपास में एक व्यक्ति सड़क के किनारे लहूलुहान अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलने पर चीता मोबाइल मौके पर पहुंची और घायल को राष्ट्रीय राजमार्ग की एंबुलेंस से परिजनों के साथ जिला अस्पताल रुद्रपुर ले गई। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान परमेश्वर (40 वर्ष) पुत्र आत्मा ठाकुर निवासी नगला के रूप में हुई है। जो शेड्यूल फैक्ट्री से कार्य कर साइकिल से घर लौट रहा था। घटना सुबह करीब सात बजे की बताई जा रही है।

लाखों की अवैध खैर लकड़ी बरामद

गदरपुर : उत्तर प्रदेश वन विभाग की टीम ने तस्करी के खिलाफ अभियान चलाते हुए एक माह में तीसरी बड़ी सफलता हासिल की है। स्वार रेंज के रेंजर ठाकुर विजय सिंह के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी कर एक स्कॉर्पियो से लाखों रुपये की बेशकीमती खैर की लकड़ी बरामद की। पिपली जंगल से पीछा किए जाने के दौरान तस्कर ने वाहन की रफ्तार बढ़ा दी और पिक्चर हॉल रोड पर चलती गाड़ी से कूदकर फरार हो गया। अनियंत्रित वाहन नाले में जा फंसा, जिसे टीम ने कब्जे में ले लिया। हैरानी की बात यह रही कि सूचना के बावजूद घंटों तक गदरपुर पुलिस का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली और संदिग्ध भूमिका पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

अवैध शराब की भट्टी पर पुलिस का छापा, एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

किच्छा : कलकत्ता पुलिस चौकी टीम ने नशे के विरुद्ध अभियान चलाते हुए अवैध शराब की भट्टी को नष्ट करने में बड़ी सफलता हासिल की है। चौकी प्रभारी ओम प्रकाश नेगी के नेतृत्व में पुलिस ने अमर लाइन कॉलोनी (धौरा डाम) में छापेमारी कर आरोपी करनैल सिंह उर्फ बिट्टू को रंगेहाथ शराब बनाते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 50 लीटर कच्ची शराब और उपकरण बरामद किए, जबकि सैकड़ों लीटर लहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान दूसरा आरोपी जसपाल सिंह उर्फ पाली फरार होने में सफल रहा। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पाकिस्तान से फोन कर दी ग्रेनेड से उड़ाने की धमकी

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : यूएई में ट्रांसपोर्टेशन कारोबार में ट्रैकों के आदान-प्रदान और लेन-देन को लेकर उपजे विवाद के चलते फोन पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पंजाब निवासी व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

गांव कौंधा अशरफ, सितारगंज निवासी गुरदेव सिंह ने बताया कि वह अपने भाई जसवीर के साथ दुबई (यूएई) में रहता है। वहां उसका ट्रांसपोर्ट का कारोबार है। वहीं, पंजाब निवासी अवतार सिंह जो अबू धाबी (यूएई) में रहता है। उसका भी यूएई में ट्रांसपोर्ट का कारोबार है। बताया कि ट्रांसपोर्टेशन के लिए अक्सर उससे ट्रकों का आदान-प्रदान होता था। इसी बीच लेनदेन को लेकर उसका अवतार सिंह से विवाद हो गया। इसी विवाद के चलते अवतार सिंह ने उसके भाई जसवीर सिंह और भतीजे सलमोन सिंह को डराया, धमकाया और दोनों को जान से मारने की धमकी दी। तो भाई ने अबू धाबी पुलिस से उसकी शिकायत की। जिस पर अबू धाबी कोर्ट ने अवतार सिंह को तीन महीने की सजा के साथ 51 हजार देहराम का जुर्माना लगाया। इसके साथ ही उसे अबू धाबी से डिपोर्ट करने का आदेश भी जारी कर दिया। आरोप लगाया कि इसके बाद से अवतार सिंह लगातार उसे व उसके भाई पर अबू धाबी कोर्ट में चल रहे केस को वापस लेने का दबाव बना रहा है। जिसके चलते अवतार ने 15 जनवरी को पाकिस्तान में रहने वाले किसी व्यक्ति से फोन करवा कर उसे, उसके भाई व उसके परिजनों को ग्रेनेड से उड़ाने की धमकी दिलवाई है।

एशियाई देश में हो रही व्यापक खेती, पंत विवि दे रहा बीज और प्रशिक्षण, आंत की बीमारियों से लड़ने में सहायक

याददाश्त व तंत्रिकाओं को मजबूत करेगा मंकी हेड मशरूम

मृगांक मौली, पंतनगर

अमृत विचार : विभिन्न पोषक तत्वों को अपने अंदर समेटे मशरूम हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें मंकी हेड मशरूम (हेरीशियम एरिनेशियस) अपने औषधीय गुणों और बेहतर उत्पादन के चलते विश्व के मशरूम उत्पादन में 25 फीसदी के साथ पहले पायदान पर बना हुआ है। इसमें पाए जाने वाले ट्राई टरपींस (हेरीशिनोंस एरीनाइशींस) को तंत्रिका तंत्र के वृद्धि का कारक माना गया है। साथ ही न्यूरो प्रोटेक्टिव डिफेक्ट मनुष्य में तंत्रिकाओं को पुनर्जीवित कर याददाश्त को बढ़ाने में सहायक है।

मंकी हेड मशरूम में प्रोटीन 34.42, कार्बोहाइड्रेट 49.2, फाइबर 31.8 व राख 4.6 प्रतिशत के साथ ऊर्जा 412 कैलोरी एवं जिंक की अधिक मात्रा के साथ सेलेनियम पाया जाता है। इस मशरूम का लगातार सेवन करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता तो बढ़ती ही है। इसमें लेटीनैन नामक पॉलीसेकराइड पाया जाता है, जो कैंसर, अल्सर व आंत की बीमारियों से लड़ने में सहायक है। इसमें पाया जाने वाला नर्व ग्रोथ फैक्टर नरवस सिस्टम को मजबूत करता है, वहीं सेलेनियम लीवर को मजबूत करता है। इसमें लिपिड मेटाबोलिज्म हाजमे को ठीक रखता है और बेमीटिया याद्दाश्त को बढ़ाता है। पॉल्मेटिक अम्ल, थ्रेइटाल व डीएर्वीटिनाल रक्त में शर्करा को नियंत्रित कर कम करने में सहायता करता है। यह मशरूम शरीर की कई बीमारियों से लड़ने में तो सहायक है ही, उम्र बढ़ने के साथ कमजोर हो रही याद्दाश्त को बढ़ाने में सहायता करने के साथ आने वाले बुढ़ापे को रोकता है। इसमें पाए जाने वाले इरिटाडीनाइन, स्टेरालस एवं बीटा ग्लूकान रक्त में कोलेस्ट्राल के स्तर को कम करने व हृदय रोगों के खतरे को कम करने में सहायक है। जीबी पंत विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने दो वर्ष पूर्व इसको प्रायोगिक तौर पर उगाया, और अब लोगों को प्रशिक्षण व बीज मुहैया करवाकर इसकी खेती को विस्तार दे रहे हैं।

मंकी हेड का ऐसे करें उत्पादन

पंतनगर : इस मशरूम की खेती के लिए फसल अवशेष (गेहूं का भूसा, धान का पुआल, कपास का छिलका व गन्ने की खोई) को भिगोकर उसमें 65 प्रतिशत नमी (35 किग्रा. भूसा सौ किग्रा. होने पर) हो जाने पर पांच प्रतिशत गेहूं का चोकर मिलाकर दो किग्रा. प्रति पॉली बैग में भरें। इस पर प्लास्टिक का छल्ला लगाकर पानी न सोखने वाली रूई का ढक्कन लगाएं। इसके बाद इन बैग्स को उपचारित करें। इसके लिए विशेष प्रकार के यंत्र (आटोक्लेव) में दो.घंटे तक रखकर दबाव शून्य होने पर बैग को निकालें और उसमें प्रमाणित संस्था से बीज लेकर (एक क्विंटल भीगे भूसे में तीन किग्रा. बीज) से मिला दें। इन बीज मिलाए बैग्स को अंधेरे कमरे में 23–26 डिग्री सेल्सियस पर 20–25 दिन के लिए रख दें। बीज स्पॉन (फैलने) के बाद सावधानी से बैग्स की पॉलीथिन काटकर हटा दें। अब तापमान 18–20 डिग्री. सेल्सियस मेंटेन करें। आठ–दस दिन में मशरूम तुड़ाई के लिए तैयार होने लगेगा।

मंकी हेड मशरूम। ● अमृत विचार

मंकी हेड मशरूम में मौजूद पॉल्मेटिक अम्ल, थ्रेइटाल व डीएर्वीटिनाल रक्त में शर्करा को नियंत्रित करता है। यह शरीर को कई बीमारियों से लड़ने सहित उम्र बढ़ने पर कमजोर हो रही याद्दाश्त को बढ़ाने सहित बुढ़ापे को भी किसी हद तक रोकता है। पंतनगर विवि के मशरूम अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र पर दो वर्षों से किसानों को इसकी व्यावसायिक खेती के प्रशिक्षण सहित बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं।
–**डॉ. केपीएस कुशवाहा**, मशरूम वैज्ञानिक, पंतनगर विवि।

मैं अपनी मर्जी से जान दे रहा हूं...

व्यवसायी जशोधर भट्ट ने सुसाइड नोट में लिखे अंतिम शब्द, खुद को बताया जिम्मेदार

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: नगर के वरिष्ठ व्यवसायी जशोदर भट्ट ने अपने ही लाइसेंसी रिवॉल्वर से कनपटी में गोली मारकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बकौल पुलिस, उन्होंने अपने सुसाइट नोट में लिखा कि, मैं अपनी मर्जी से जान दे रहा हूं। मेरे पीछे परिजनों, रिश्तेदारों अथवा यार दोस्तों को परेशान न किया जाए।

ग्रामसभा सुजिया में मंगलवार को एक चरवाहे ने सुजिया नहर के किनारे शव देखा तो ग्राम प्रधान विक्की राणा को बताया। प्रधान राणा ने दोपहर करीब पौने दो बजे इसकी सूचना कोतवाल विजेंद्र शाह को दी। सूचना पर उपनिरीक्षक किशोर पंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बांस के पेड़ों में अटके शव को बाहर निकलवाया तो शव की शिनाख्त कंजाबाग निवासी व्यवसायी जशोदर भट्ट के रूप में हुई। वरिष्ठ व्यवसायी का शव मिलने की बात आग की तरह फैल गई और घटनास्थल पर सैकड़ों ग्रामीण और व्यवसायी जमा हो गए। विधायक भुवन कापड़ी भी मौके पर पहुंचे और लोगों से जानकारी ली। पुलिस के अनुसार, व्यवसायी की कनपटी पर लगी गोली से चेहरा खून से लथपथ था। वहीं शव के पास उनका लाइसेंसी रिवॉल्वर पड़ा था जबकि बाइक कुछ दूरी पर आम की बगिया में खड़ी थी। फॉरेंसिक टीम ने मौके से कई साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस के अनुसार, व्यवसायी जशोदर अक्सर बाइक नहीं चलाते थे और किसी को साथ लेकर चलते थे लेकिन जानकारी मिली कि मंगलवार को वे खुद बाइक चलाकर ले गए थे।

खटीमा में घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मी और भीड़। ● अमृत विचार

व्यवसायी ने क्यों दी जान, यह जांच का विषय

खटीमा : व्यवसायी द्वारा छोड़े गए सुसाइट नोट की पुलिस और फॉरेंसिक एक्सपर्ट गहनता से जांच कर रहे हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी विमल रावत के अनुसार, व्यवसायी जशोधर ने सुसाइड नोट में आत्महत्या करने और उनके पीछे परिवारजनों, सगे संबंधियों अथवा यार दोस्तों को परेशान न करने की बात लिखी लेकिन यह नहीं बताया है कि वह सुसाइड क्यों कर रहे हैं। वजह, कोई मानसिक तनाव था या फिर आर्थिक कारण, पुलिस गहनता से जांच कर रही है। सीओ ने बताया कि इस बारे में परिजन ही सही बता पाएंगे।

परिजनों में मचा कोहराम

प्रेमजी हॉस्पिटल और प्रेमजी गारमेंट्स के स्वामी जशोधर की मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। वे अपने पीछे पत्नी हेमा भट्ट, डॉक्टर पुत्र गौरव भट्ट और बेटी बबीता भट्ट को रोता बिलखता छोड़ गए। पुलिस के अनुसार, प्रशासनिक स्वीकृति के बाद रात में ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की जा रही थी।

मकर संक्रांति पर भाजयुमो नेता विवेक दीप सिंह हुए सम्मानित

किच्छा : मकर संक्रांति पर्व के उपलक्ष्य में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक दीप सिंह को सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने पर नगर पालिका के पूर्व पालिका अध्यक्ष धर्मराज जायसवाल एवं निवर्तमान वार्ड सभासद संदीप अरोड़ा द्वारा उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया। युवा नेता विवेक दीप सिंह ने दोनों वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए नगर की राजनीति और चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के बाद उन्होंने कहा कि उनमें एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है तथा आयु और अनुभव में वरिष्ठ होने के चलते दोनों वरिष्ठ भाजपा नेताओं का सानिध्य प्राप्त होना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

पड़ोसी युवक पर मारपीट करने का आरोप

बाजपुर : बरहैनी क्षेत्र के ग्राम हरिपुरा जबरान में एक महिला ने पड़ोसी युवक पर गाली–गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता दीपो बाई ने पुलिस चौकी बरहैनी में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता के अनुसार, 19 जनवरी की रात करीब आठ बजे उनकी पुत्री पड़ोस में मोबाइल चार्ज करने गई थी, जहां पारिवारिक विवाद चल रहा था। आरोप है कि इसी दौरान एक व्यक्ति ने उनकी पुत्री के साथ अभद्रता और मारपीट शुरू कर दी। जब दीपो बाई और उनका पुत्र बीच–बचाव करने पहुंचे, तो आरोपी ने उनके साथ मारपीट की।

अतिक्रमण की जद में विधायक का आवास

- विधायक पांडे के बेटे को प्रशासन ने थमाया 15 दिन का नोटिस

संवाददाता, गूलरभोज

अमृत विचार: उत्तराखंड सरकार के अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक अरविंद पांडेय का गूलरभोज स्थित आवास भी अब प्रशासन के निशाने पर आ गया है। मंगलवार शाम तहसील प्रशासन की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विधायक के आवास पर नोटिस तामील कराया।

विधायक की अनुपस्थिति में उनके पुत्र अतुल पांडेय को नोटिस सौंपा गया। यह कार्रवाई नैनीताल उच्च न्यायालय में दायर याचिका (सुनील यादव बनाम उत्तराखंड सरकार) के आदेशों के अनुपालन में की गई है। राजस्व विभाग की जांच में ग्राम गूलरभोज के खसरा संख्या 12ग (रकबा 0.158 हेक्टेयर) की राजकीय भूमि पर अवैध निर्माण पाया गया है।

प्रशासन ने विधायक को 15 दिनों के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटम दिया है। नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्माण न हटाने पर विभाग द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। नोटिस की सूचना मिलते ही समर्थकों का आवास पर जमावड़ा लग गया। इस कार्रवाई पर विधायक पुत्र अतुल पांडेय ने 11 साल बाद अतिक्रमण का संज्ञान लेने पर प्रशासन पर तंज कसा है।

नोटिस को मीडिया को दिखाते विधायक के पुत्र अतुल पांडेय। ● अमृत विचार

कृषक महिलाओं के साथ अधिकारी। ● अमृत विचार

महिलाओं को दुग्ध प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण दिया

पंतनगर : विवि में संचालित फार्मर फर्स्ट परियोजना के तहत महिलाओं को दुग्ध उत्पादों के प्रसंस्करण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें भीमताल ब्लॉक के सूरज्याला गांव की महिला किसानों ने भाग लिया। पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग में आयोजित इस प्रशिक्षण का संचालन डॉ. प्रभाकरन, डॉ. प्रनिता सिंह व डॉ. अमन कंबोज ने किया। इस दौरान प्रतिभागियों को पनीर, पेड़ा, बर्फी एवं अन्य दुग्ध उत्पादों के निर्माण की वैज्ञानिक विधियों का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही दुग्ध उत्पादों के विपणन से होने वाले आर्थिक लाभ, पशुओं की देखभाल तथा उच्च गुणवत्ता वाले दूध उत्पादन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई। परियोजनाधिकारी डॉ. एमए अंसारी, डॉ. अनिल कुमार, डा. नेहा आर्या व अरुण कुमार ने जानकारी दी।

दुकानों का निर्माण कर किराए पर देने की मांग

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: भवानी सेना नगर प्रमुख सोनू गुप्ता के नेतृत्व में संगठन से जुड़े तमाम कार्यकर्ता नगर पालिका परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने नगर पालिका ईओ प्रदीप शुक्ला को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से नगर प्रमुख सोनू गुप्ता ने कहा कि नगर के हल्द्वानी मार्ग स्थित नए बस अड्डे से महाराणा प्रताप चौक तक रिक्त पड़ी सरकारी भूमि पर आधुनिक फल सब्जी मार्केट विकसित की जानी चाहिए, ताकि नगर की सुंदरता बढ़ने के साथ ही छोटे व्यापारियों को भी व्यापार के लिए जगह मिल सके। उन्होंने कहा कि नए बस अड्डे से एमपी चौक तक रेलवे लाइन के समीप लोक निर्माण विभाग की अधिग्रहित सरकारी भूमि रिक्त पड़ी हुई है, जहां रामपुर की तर्ज पर आत्मनिर्भर भारत एवं स्वनिधि योजना के अंतर्गत लगभग 400 दुकानों का निर्माण किए जाने से छोटे व्यापारियों को रोजगार मिलेगा तथा नगर पालिका की आय में भी वृद्धि होगी। ज्ञापन के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने "एक राशन कार्ड - एक दुकान" की नीति के तहत एक लाख रुपये की अग्रिम राशि जमा कर दो - तीन हजार रुपए मासिक किराए पर दुकान आवंटित किए जाने किच्छा में बन रहे एम्स व नए बस अड्डे के दृष्टिगत बढ़ने वाली आबादी के लिए यह मार्केट जीवन रेखा साबित होगी। उन्होंने कहा कि साप्ताहिक हॉट बाजार को नवनिर्मित मार्केट में स्थाई रूप से हस्तांतरित किए जाने के बाद मुख्य बाजार एवं रेलवे फाटक पर लगने वाले भीषण जाम से जनता को निजात मिल सकेगी। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि नगर के नियोजित विकास और जनहित के इस प्रस्ताव पर नगर पालिका एवं प्रशासन द्वारा जल्द सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो भवानी सेना द्वारा जनमानस के सहयोग से आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। अधिशासी अधिकारी शुक्ला ने कार्यकर्ताओं को वरिष्ठ अधिकारियों से वार्ता के बाद जल्द कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। इस मौके पर राजीव अग्रवाल, वतन खन्ना, देवेंद्र पाल सिंह, सुभाष कोहली, रोहन अरोड़ा, आसाराम, अनमोल गुप्ता, योगेंद्र चौहान, प्रतीक शर्मा, अभिषेक गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

किच्छा में नगर पालिका ईओ को ज्ञापन सौंपते भवानी सेना से जुड़े कार्यकर्ता।

राम कुमारी अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर में प्रधानाचार्य को सम्मानित करते शिक्षक।

प्रधानाचार्य को डॉक्टरेट की उपाधि मिलने पर शिक्षकों ने किया सम्मानित

खटीमा : राम कुमारी अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आयोजित सम्मान समारोह में प्रधानाचार्य भगत सिंह बोरा को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त करने पर बधाई देते हुए सम्मानित किया गया। वरिष्ठ शिक्षक बसंत बल्लभ जोशी, खिलानंद गड़कोटी और पूनम ने समस्त विद्यालय परिवार की ओर से प्रधानाचार्य बोरा को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया। संचालन होशियार सिंह ने किया। समारोह में समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य डॉ. बोरा ने बच्चों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सदैव मेहनत एवं परिश्रम करने को कहा।

हंगामा

एडी बेसिक शिक्षा अधिकारी के हस्तक्षेप और सार्वजनिक रूप से माफी मांगे जाने के बाद धरना समाप्त किया

प्रधानाचार्या की अभद्रता से नाराज जनप्रतिनिधि धरने पर बैठे

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार: शांतिपुरी राजकीय कन्या हाई स्कूल की प्रभारी प्रधानाचार्या द्वारा जनप्रतिनिधियों से अभद्र भाषा में बातचीत किए जाने से आक्रोशित जनप्रतिनिधियों ने विद्यालय परिसर में ही धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। हालांकि एडी बेसिक शिक्षा अधिकारी के हस्तक्षेप और सार्वजनिक रूप से माफी मांगे जाने के बाद धरना समाप्त हो गया।

मंगलवार को राजकीय प्राथमिक विद्यालय शांतिपुरी नंबर दो के परिसर में बने रामलीला मंच के पुनर्निर्माण को लेकर विचार-विमर्श हेतु क्षेत्र के चार ग्राम प्रधान - कविता तिवारी, तारा मोहन पांडे, दीपा जगदीश कांडपाल व प्रधान पुत्र ललित बिष्ट सहित पूर्व दर्जा राज्य मंत्री डॉ. गणेश उपाध्याय, दुग्ध संघ निदेशक इंदर मेहता तथा वरिष्ठ कांग्रेसी नेता नारायण सिंह बिष्ट समिति के साथ मौके पर निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी दौरान बगल में स्थित राजकीय कन्या हाई स्कूल शांतिपुरी की प्रभारी प्रधानाचार्या बृजेश गुप्ता वहां पहुंचीं और जनप्रतिनिधियों के कार्य में बाधा डालते हुए कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इससे नाराज़ जनप्रतिनिधियों और ग्राम प्रधानों ने विद्यालय परिसर में प्रधानाचार्या के खिलाफ धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

धरने पर बैठे ग्राम प्रधान तारा मोहन पांडे ने आरोप लगाया कि प्रधानाचार्या द्वारा लंबे समय से जनप्रतिनिधियों के साथ अशोभनीय व्यवहार किया जाता रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानाचार्या पिछले 20 वर्षों से विद्यालय में कार्यरत हैं और उनका रवैया हमेशा विवादास्पद रहा है। इस पर सभी ग्राम प्रधानों एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने एकजुट होकर प्रधानाचार्या के तत्काल स्थानांतरण की मांग की। करीब एक घंटे बाद एडी बेसिक शिक्षा अधिकारी राजेंद्र मिश्रा मौके पर पहुंचे और प्रधानाचार्या को कड़ी फटकार लगाई। इसके बाद प्रधानाचार्या एवं एडी बेसिक द्वारा सार्वजनिक रूप से माफी मांगे जाने पर जनप्रतिनिधि शांत हुए और धरना समाप्त किया गया। एडी बेसिक ने आश्वासन दिया कि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नहीं होने दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने परिसर में बने रामलीला मंच के जीर्णोद्धार के लिए मौखिक स्वीकृति भी प्रदान की। धरना प्रदर्शन के दौरान तेजू बिष्ट, सोनू कार्की, सुभाष जोशी, चंचल सिंह कोरंगा, मुन्ना तिवारी, चंदन सिंह बिष्ट, भगत मेहता सहित कई लोग मौजूद रहे।

शांतिपुरी में धरने पर बैठे ग्राम प्रधानों से वार्ता करते एडी बेसिक हरेंद्र मिश्रा।

भरोसे पर किया था धरना समाप्त : सत्येंद्र

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार: भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ग्रामीणों के साथ पिछले 23 महीनों से तीन सूत्री मांगों को लेकर नगर पालिका परिसर में धरने पर बैठा था।

बीते 4 जनवरी को तहसीलदार, पुलिस अधिकारियों और खुफिया विभाग से हुई वार्ता में गांव लौका-गोठा में सप्ताह के दो दिन स्वास्थ्य विभाग व डॉक्टरों की टीम भेजकर ग्रामीणों का इलाज करने व नियमित पुलिसिंग व्यवस्था करने की सहमति के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया था।

जिलाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने कहा कि अधिकारियों से सहमति के बाद केवल एक बार डॉक्टर और पुलिस गांव में नजर आई। इसके बाद ग्रामीणों ने दो सप्ताह तक इंतजार किया। गांव में ना डॉक्टर मिलें और ना ही पुलिस पहुंची। आरोप लगाया कि अधिकारियों ने आदेश के कागज का टुकड़ा पकड़ा कर उन्हें धरने से उठा दिया। नगर पालिका परिसर में धरने के लिए बनाई गई झोपड़ी को भी तोड़ दिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ धोखा किया है।

जिलाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने ग्रामीणों के साथ पालिका परिसर में बनाए गए झोपड़ी के तोड़ने का विरोध किया और चेताया कि जब तक उनकी तीन सूत्री मांगों को पूरा नहीं कर दिया जाता तब तक धरना जारी रहेगा। उन्होंने कार्रवाई की मांग की है।

सितारगंज पालिका परिसर में धरने पर बैठे भीम आर्मी के सदस्य। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज

काशीपुर : बाइक सवार युवक को टक्कर मारकर मौत के घाट उतारने के मामले में पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। ग्राम पीपली नायक थाना टांडा जिला रामपुर निवासी राजेन्द्र पुत्र सरुपा ने आईटीआई थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका पुत्र अरुण बीती 15 जनवरी को गांव से काशीपुर आ रहा था, कि इस दौरान शाम करीब 7 .30 बजे उसका पुत्र आईजीएल फैक्ट्री के पास पहुंचा, तो सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक संख्या यूपी 51–एटी–7775 के चालक ने उसके पुत्र की बाइक में टक्कर मार दी। घटना में घायल अरुण को पुलिस व राहगीरों ने सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने अरुण को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अब चालक की तलाश में जुटी है।

रचनात्मक कार्यों के महत्व के बारे में जानकारी दी

काशीपुर : भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) काशीपुर में मैनेजमेंट डेवलपमेंट ऑन लीडरशिप कार्यशाला के दूसरे दिन प्रोफेसर राजीव कुमार ने युवाओं में रचनात्मक कार्यों के महत्व के बारे में जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि युवाओं में रचनात्मक शैली सकारात्मक विकास करती है। कार्यशाला के दौरान डॉ. मोहम्मद अली खान, प्रो. देवजानी चटर्जी और डॉ. सिद्धांत माथुर ने डाटा प्रबंध, पुस्तकालय के स्रोत, सीखने के सिद्धांत एवं युवाओं में मनोविज्ञान के महत्व के बारे में चर्चा की। वहां पर गौरीशंकर राजपूत, महेश असवाल, मोहनलाल, चंडी प्रसाद देवली, रमेश चंद्र जोशी, सुनीता भट्ट विनीता, संजीव नेगी, संजय भंडारी एवं आलोक द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

श्रमिकों को वितरित किए टूलकिट

काशीपुर : श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों को टूलकिट, छतरी और कंबल वितरित किए गए। श्रम कार्यालय में टूलकिट, छतरी और कंबल लेने के लिए श्रमिकों की भीड़ लग रही है। श्रम प्रवर्तन अधिकारी बलराम सिंह ने बताया कि जो श्रमिक श्रम कार्यालय में पंजीकृत हैं, उन्हें टूलकिट, छतरी और कंबल वितरित किए जा रहे हैं। श्रम विभाग में पंजीकृत 4500 श्रमिकों को समय–समय पर बुलाकर टूल किट दिए जा रहे हैं।

यातायात नियमों की जानकारी दी

काशीपुर : 36 वां सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता अभियान के तहत यातायात पुलिस ने बाजपुर रोड पर बस चालकों को यातायात नियम की जानकारी दी। बस चालकों से नियमों का उल्लंघन नहीं करने को कहा। इसके अलावा यात्रियों के बेहतर व्यवहार करने और यदि किसी का सामान छूट जाए तो उसे पुलिस को देने के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर यातायात निरीक्षक अरुण कुमार, कॉन्स्टेबल नितेश पांथरी, होमगार्ड सलमान आदि रहे।

सात बेटियों के हाथ पीले कराएगी समदर्शी संस्था

जसपुर : सामाजिक संस्था समदर्शी आगामी 25 जनवरी को सात गरीब बेटियों के हाथ पीले करायेगी। इसके लिए बाकायदा तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। संस्था अध्यक्ष आरपी सिंह एवं पूर्व अध्यक्ष मो. यामीन ने बताया कि पिछले वर्षो की भांति इस साल भी संस्था ने गरीब बेसहारा लड़कियों की शादी कराने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने बताया कि 25 जनवरी को मुस्लिम, सिख एवं हिन्दू धर्म की सात गरीब कन्याओं की शादी नागरिकों की मौजूदगी में होगी। बेटियों की शादी दुल्हन पैलेस में होगी। बताया कि दूल्हों की चढ़त भी कराई जायेगी। बारात का पहुंचने पर स्वागत किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के उपाध्यक्ष विनय रोहेला, विधायक आदेश चौहान रहेंगे।

मृतक किसान सुखवंत सिंह को अंतिम अरदास पर दी श्रद्धांजलि

बड़ी संख्या में पहुंची संगत, 14 वर्षीय बेटे गुरसहज ने पिता के चित्र के सम्मुख मत्था टेका

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः मृतक किसान सुखवंत सिंह के अंतिम अरदास भोग में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने पहुंचकर मृतक की आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

आईटीआई थाना के ग्राम पैगा निवासी निवासी मृतक किसान सुखवंत सिंह का मंगलवार को अंतिम अरदास भोग का परिजनों की ओर से आयोजन किया गया। इस दौरान गुरु ग्रंथ साहिब के सामने अंतिम अरदास की गई। जिसमें बड़ी संख्या में पहुंची संगत ने अश्रुपूरित नेत्रों से किसान सुखवंत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में ईश्वर से शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई। वहीं अंतिम अरदास के दौरान उस वक्त गमगीन माहौल हो गया, जब मृतक सुखवंत सिंह के 14 वर्षीय बेटे गुरसहज ने अपने पिता के चित्र के सम्मुख मत्था टेका।

काशीपुर में मृतक किसान सुखवंत सिंह को श्रद्धांजलि देते लोग। ● अमृत विचार

यहां पर विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, मेयर दीपक बाली, गुरुद्वारा नानकमत्ता के डायरेक्टर गुरुसेवक सिंह व निर्मल सिंह, बड़े गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब के बाबा हरि सिंह, बाजपुर गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के प्रधान कुलविंदर सिंह किंदा, किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हरमिंदर सिंह लाडी, कांग्रेस प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा व पूर्व महानगर अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन, भाकियू युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह जीतू, भाकियू प्रदेश प्रवक्ता मनप्रीत सिंह, पीसीयू अध्यक्ष राम मेहरोत्रा, भाकियू मंडल अध्यक्ष विक्की रंधावा, अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव सिंह नामधारी, किसान नेता जगतार बाजवा, पूर्व ब्लॉक प्रमुख गुरमुख सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष जसपाल सिंह जस्सी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष जगजीत सिंह हैप्पी आदि भारी संख्या में लोग मौजूद मौजूद रहे।

मारपीट में दो के खिलाफ केस दर्ज

काशीपुरः हाथापाई, गाली-गलौज व दुकान में तोड़फोड़ कर परचून की दुकान से हजारों की नगदी निकालने समेत जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो अधिवक्ताओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने पति-पत्नी का मेडिकल कराकर मामले की जांच शुरू की है।

पुलिस को दी तहरीर में मोहल्ला खालसा निवासी मयंक वर्मा ने बताया कि उसकी घर में ही परचूनी की दुकान है। बीती 18 जनवरी की रात 10.50 के करीब वह अपनी दुकान बंद कर रहा था। तभी अभिषेक वर्मा निवासी नैनीताल व मोहल्ला पक्काकोट निवासी अश्वनी सैनी उसके घर में घुस कर हाथापाई करते हुए दुकान का सामान तोड़फोड़ करने लगे तथा जान से मारने की नियत से गाली-गलौज करने करते हुए गल्ले से रखे करीब 15 से 20 हजार रुपये निकाल लिए। बताया कि जब उसकी पत्नी ललिता वर्मा, जो बचाव की मंशा से आई, उसके साथ भी मारपीट व धक्का-मुक्की की।

शोर को सुनता देख परिवार के अन्य लोगो को आता देख दोनों जाते-जाते देख लेने की धमकी दे गए। इसकी सूचना कटोराताल पुलिस चौकी में देने पर पुलिसकर्मियों ने उसका व उसकी पत्नी का मेडिकल कराया।

खाद्य विभाग की टीम ने अभियान चलाया

जसपुर में एक दुकान पर जानकारी लेती टीम। ● अमृत विचार

संवाददाता, जसपुर

- जियो मार्ट से खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे

अमृत विचारः मुख्यमंत्री जन शिकायत पोर्टल पर शिकायत होने के बाद हरकत में आये खाद्य विभाग की टीम ने नगर में छापामार अभियान चलाया। अभियान के दौरान सुभाष चौक स्थित एक डेली नीड स्टोर पर एक्सपायरी खाद्य सामग्री की बिक्री करने पर दुकान स्वामी को नोटिस दिया गया।

मंगलवार को सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा ललित मोहन पांडे की टीम ने अफजलगढ़ रोड स्थित जियो स्मार्ट प्वाइंट से खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजें। विभाग की टीम को देख स्थानीय व्यापारी सतर्क हो गए। सहायक आयुक्त ने बताया कि जन स्वास्थ्य से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खाद्य विभाग ने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ लकड़ी मंडी चौक पर व्यापारियों को फूड लाइसेंस बनवाने एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने को लेकर जागरूक भी किया। साथ ही 14 दिन के अंदर लाईसेंस बनाने को कहा। व्यापार मंडल ने लाइसेंस बनवाने को नगर में कैंप लगवाने की बात कही। खाद्य आयुक्त ने व्यापारियों से अपील की कि वह तय मानकों के अनुरूप कार्य करें। यहां व्यापार मंडल अध्यक्ष हरिओम सिंह, विमल अग्रवाल, अर्पित रस्तोगी, विजय रहेजा, महफूज अली आदि मौजूद रहे।

गंडासे से हमला करने का आरोप, दो पर केस

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः एक व्यक्ति ने कुछ युवकों पर उसे व उसके दोस्त के साथ मारपीट कर गंडासे से हमला कर घायल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

कुमाऊं कॉलोनी, कचनालगाजी निवासी भरत शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 17 जनवरी की रात लगभग 9 बजे वह अपने दोस्त ऋषभ पंत के साथ फाटक से होते हुए अपने घर जा रहे थे। जैसे ही वे गुड्डा कॉलोनी के ग्राउंड के पास पहुंचे, तभी दीपक व रवि निवासी गड्डा कॉलोनी व अन्य कुछ लड़कों ने उन्हें जबरदस्ती रोक कर उनके साथ मारपीट की और उक्त दोनों ने उन पर लाठी-डंडों व गंडासे से वार किया गया और जाते-जाते जान से मारने की धमकी देकर चले गये। भरत ने बताया कि वे दोनों वहां बेहोश होकर गिर गये। पास से गुजर रहे लोगों के द्वारा उनके घर वालों को इस बात की सूचना दी और उसके बाद घर वालों ने उन्हें अस्पताल ले जाकर उनका इलाज करवाया। उन्हें गुम व खुली चोटें आई हैं। इस मारपीट के दौरान दोनों के सिर पर टांके आये हैं, जिसका इलाज सरकारी अस्पताल काशीपुर में हुआ है। भरत ने कहा कि युवकों से उन दोनों को जान माल का खतरा बना हुआ है। पुलिस ने भरत की तहरीर के आधार पर दीपक व रवि के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

हादसे में घायल युवक की मौत

बाजपुरः अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुए मोहल्ला गांधी नगर निवासी 34 वर्षीय युवक ध्रुव सरना उर्फ रिंकू की इलाज के दौरान मौत हो गई।

मंगलवार सुबह करीब छह बजे ध्रुव सरना पैदल जा रहा था, तभी दोराहा रोड पर बहादुरगंज गुरुद्वारा साहिब के समीप एक अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक की दोनों टांगें बुरी तरह कुचल गईं। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने उसे तत्काल उपजिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे काशीपुर के निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया।

मृतक अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्वच्छता के महत्व से कराया अवगत

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचारः रैकेट बेंकाइजर इंडिया कंपनी द्वारा डेटॉल स्कूल हाइजीन एजुकेशन प्रोग्राम के तहत स्कूली बच्चों को डेटॉल स्वच्छता किट, साबुन और किताब का वितरण किया गया। इसके अलावा बुजुर्गों को कंबलों का वितरण किया गया।

किसान उच्च प्राथमिक विद्यालय तिलियापुर में आयोजित कार्यक्रम में कंपनी के स्टेट मैनेजर, संजय सिंह रघुवंशी ने बच्चों और बुजुर्गों को स्वच्छता के महत्वों से अवगत कराया। इसके अलावा उन्होंने लोगों को पानी से फैलने वाली बीमारियां, डायरिया, डेंगू, खाने से पहले हाथों को धोना, खुले में शौच न करना, कम्युनिकेबल डिसीज, बच्चों के टीकाकरण, स्वच्छता और हाइजीन संबंधित विभिन्न जानकरी दी गई। उन्होंने कहा कि 'डेटॉल स्कूल हाइजीन एजुकेशन प्रोग्राम' के तहत राज्य के 1300 स्कूल के करीब 2.45 लाख बच्चों को हाइजीन की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि अकेले उधम सिंह नगर में करीब एक सौ विद्यालयों में कंपनी द्वारा यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि प्रत्येक विद्यालयों में डायरिया किट उपलब्ध है। समाजसेवी मानवेंद्र सिंह ने कहा कि डेटॉल स्कूल हाइजीन एजुकेशन प्रोग्राम ने असरदार और अनूठे तरीके से बच्चों में स्वच्छता की समझ और व्यवहार में काफी बदलाव आया है। इस मौके पर ठाकुर श्यामानंद सिंह, मानवेंद्र सिंह, नरेश गिरी, सचिन पांडे, अभिषेक सिंह, प्रेम प्रकाश सिंह, टीपू सिंह, मनमथ मंडल, शिवपद गाईन, राजू साहनी, विश्वनाथ यादव, सिंहासन, धन्नू आदि मौजूद थे।

स्वच्छता किट एवं कंबल वितरण करते कंपनी प्रतिनिधि। ● अमृत विचार

ई-रिक्शा चालकों में छिड़ा विवाद

बाजपुरः नगर में ई-रिक्शा चालकों के बीच विवाद गहराता जा रहा है। ई-रिक्शा यूनियन बाजपुर के बैनर तले चालकों ने कुछ दबंग चालकों पर अभद्रता और नियम उल्लंघन का आरोप लगाते हुए एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। यूनियन अध्यक्ष नदीम का आरोप है कि बन्नाखेड़ा की ओर से आने वाले कुछ दबंग चालक पूर्व में तय किए गए रूट नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। समझौते के अनुसार, बन्नाखेड़ा के ई-रिक्शा केवल केशोवाला स्टेशन तक ही संचालित होने थे, लेकिन वे जबरन रामराज रोड तक आकर सवारियां उतार लेते हैं और विरोध करने पर गाली-गलौज व मारपीट की धमकी देते हैं।

पीड़ित चालकों का कहना है कि इस विवाद से यात्रियों को परेशानी हो रही है और उनकी रोजी-रोटी पर संकट आ गया है।

खेल महाकुंभ में सेंट मैरी का दबदबा

- खिलाड़ियों ने जीते 75 से अधिक पदक

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः सेंट मैरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने खेल महाकुंभ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। विद्यालय के होनहार खिलाड़ियों ने न्याय पंचायत और ब्लॉक स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार खेल भावना और अनुशासन का परिचय देते हुए 75 से अधिक पदक अपने नाम किए।

सेंट मैरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अपने पदक दिखाते बच्चे। ● अमृत विचार

विद्यालय की सबसे बड़ी उपलब्धि बालिकाओं की अंडर-14 और अंडर-19 खो-खो टीम रही, जिन्होंने न्याय पंचायत स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वॉलीबॉल में अंडर-19 टीम ने ब्लॉक स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। एथलेटिक्स में दुष्यंत राज सिंह डोबाल, अर्जुन और ध्रुव ने विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताओं में स्वर्ण व रजत पदक जीते, जबकि 4x100 रिले रेस में विद्यालय की टीम ने गोल्ड मेडल पर कब्जा किया। इसके अतिरिक्त मुर्गा झपट में ईशांत और शॉटपुट में दिव्या ने भी स्वर्ण पदक प्राप्त किए। प्रधानाचार्या सि. डॉ. शाइनी पॉल ने इस अभूतपूर्व सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और खेल शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन को दिया है।

बालाजी महाराज की शोभायात्रा निकाली

काशीपुरः मोहल्ला लाहौरियान स्थित श्री बालाजी पावन धाम मंदिर का 26वां वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर लगातार तीसरी बार विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया। मंगलवार को शोभायात्रा से पूर्व मंदिर में सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान लगातार शुभ प्रभात फेरी निकाली जा रही है। इससे पूर्व मुख्य यजमान के रूप में देवराज भल्ला, किरण भल्ला, शिवांगी भल्ला की ओर से मंदिर परिसर में हवन कराया गया। मंगलवार को दोपहर 2 बजे श्री बालाजी पावन धाम मंदिर से निकाली जाने वाली श्री बालाजी महाराज की भव्य शोभायात्रा श्री बालाजी पावन धाम मंदिर से शुरू हुई।

मंगल बाजार के समर्थन में उतरे व्यापारी

किच्छा तहसील में ज्ञापन देने पहुंचे ठेला- फड़ व्यापारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः नगर में साप्ताहिक मंगल बाजार को लेकर व्यापारियों के दो गुट आमने-सामने आ गए हैं। देवभूमि व्यापार मंडल द्वारा विरोध किए जाने के बाद पिछले दो सप्ताह से बंद पड़े मंगल बाजार को दोबारा शुरू कराने की मांग को लेकर दर्जनों ठेला-फड़ व्यापारियों ने उपजिलाधिकारी गौरव पांडे और अधिशासी अधिकारी दीपक शुक्ला को ज्ञापन सौंपा।

प्रधान मार्केट की निजी भूमि पर लगने वाले इस बाजार का विरोध करते हुए स्थानीय दुकानदारों का तर्क था कि इससे उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। वहीं, समर्थन में उतरे छोटे व्यापारियों का कहना है कि बाजार बंद होने से सैकड़ों लोग बेरोजगार हो गए हैं। उन्होंने तर्क दिया कि यह बाजार रुद्रपुर, काशीपुर, बाजपुर और बरेली जैसे क्षेत्रों के गरीब व्यापारियों के भरण-पोषण का साधन है और यहां आम जनता को सस्ते दामों पर सामान मिलता है। एसडीएम गौरव पांडे ने बताया कि संबंधित विभागों से रिपोर्ट मांगी गई है और नियमानुसार उचित निर्णय लिया जाएगा।

महुआडाबरा में सफाई अभियान चलाती नगर पंचायत की टीम। ● अमृत विचार

महुआडाबरा में चलाया सफाई अभियान

जसपुर : नगर पंचायत महुआडाबरा के वार्डों में पंचायत टीम ने विशेष सफाई अभियान चलाया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थल, सड़कों पर पशु बांधने वाले पशु स्वामियों के विरुद्ध चालान किए गए। उनके चालान कर दस हजार रुपये वसूले। मंगलवार को ईओ आदित्य जोशी के नेतृत्व में नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए अभियान चलाया गया। इस दौरान सार्वजनिक सड़कों पर बंधे पालतू पशुओं के कारण यातायात बाधित करने, उनसे फैल रही गंदगी पर विशेष ध्यान दिया गया। सड़कों पर पड़े गोबर, उपलों, गंदगी को हटाया गया। गंदगी फैलाने वालों को कड़ी चेतावनी दी गई। नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने, गंदगी न फैलाने की अपील की गई। इस मौके पर ईओ आदित्य जोशी, विनीत कुमार, सोनू, शीशपाल, जाकिर, दीपक बिष्ट मौजूद रहे।

180 किलो प्रतिबंधित मांस के साथ एक दबोचा

काशीपुर : गोवंश स्क्वायड और स्थानीय पुलिस की टीम ने एक घर में छापा मारकर 180 किलो प्रतिबंधित मांस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। टीम ने मौके से मांस काटने के हथियार व तराजू भी बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मंगलवार को कटोराताल चौकी इंचार्ज कौशल भाकुनी के नेतृत्व में गोवंश स्क्वाड कुमाऊं परिक्षेत्र व स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने गंगे बाबा रोड स्थित मोहल्ला किला में एक मकान में छापा मारा। जहां पुलिस ने 180 किलो गो वंशीय पशु मांस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये आरोपी ने अपना नाम बब्लू निवासी मंगा बस्ती, गंगे बाबा रोड मोहल्ला किला बताया। पुलिस ने मौके से तराजू व बाट, कुल्हाड़ी व छुरी बरामद की। टीम में कटोराताल चौकी इंचार्ज कौशल भाकुनी, गोवंश स्क्वायड टीम के एसआई पंकज बेलवाल, कांस्टेबल पुष्कर राठौर ,प्रेम सिंह कनवाल, देवानंद आदि शामिल रहे।

मदनापुर में इंटरलॉकिंग टाइल्स रोड का शिलान्यास करतीं जिपंस भावना कोरंगा।

इंटरलॉकिंग टाइल्स मार्ग का शिलान्यास किया

दिनेशपुर : जिला योजना से मदनापुर में 10 लाख की लागत से डेढ़ सौ मीटर इंटरलॉकिंग टाइल्स मार्ग का शिलान्यास बरिराई क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य भावना कोरंगा ने फीता काट कर किया। इस दौरान ग्रामीणों ने अतिथियों का जोरदार स्वागत किया। मंगलवार को शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करती बरिराई जिला पंचायत सदस्य भावना कोरंगा ने कहा कि विधायक अरविंद पांडेय ने ग्रामीणों की मांग पर आपने अथक प्रयासों से मदनापुर में जिला योजना से लगभग 10 लाख की लागत से डेढ़ सौ मीटर इंटरलॉकिंग टाइल्स मार्ग निर्माण स्वीकृत किया है। इस मौके पर जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू, समाजसेवी राजेंद्र सिंह मेहरा, भाजपा युवा नेता योगेश पानू, पूर्व सैनिक गोविंद सिंह चौहान व गोपाल सिंह ठठोला, जय सिंह कोरंगा, प्रमोद कोरंगा, मानसिंह कोरंगा, जय कोरंगा, कुंदन सिंह कोरंगा, नेत्र सिंह कोरंगा, भीम सिंह कोरंगा, गोविंद सिंह कोरंगा, उमेद सिंह कोरंगा, मनोज कोरंगा आदि उपस्थित रहीं।

सड़क सुरक्षा की दी छात्रों को जानकारी

काशीपुरः उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज प्रांगण में सड़क सुरक्षा और साइबर सुरक्षा के तहत कटोराताल चौकी प्रभारी कौशल भाकुनी ने सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, दुपहिया वाहनों पर ट्रिपल सवारी न बैठाने, शराब या किसी भी प्रकार का नशा कर गाड़ी न चलाने समेत यातायात के नियमों के बारे में छात्रों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बिना वाहन लाइसेंस के गाड़ी चलाने वालों और 18 वर्ष आयु पूरी न करने वाले छात्रों समेत अन्य को यातायात संबंधी कानूनों के तहत जुर्माने और सजा के प्रावधानों से भी अवगत कराया। इस अवसर पर मेजर मुनीशकांत शर्मा, रोशन लाल वर्मा, महेश चंद्र आर्या, दीपक शर्मा, कटोराताल चौकी के प्रेम सिंह कनवाल आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में निरीक्षण करते भाजपा नेता गौरव शर्मा व एनएच के अधिकारी।

सर्विस रोड निर्माण के लिए 68 विद्युत पोलों की शिफ्टिंग शुरू

बाजपुर : क्षेत्रवासियों की लंबे समय से लंबित मांग को देखते हुए एनएच–74 दोराहे पर सर्विस रोड का निर्माण कार्य दोबारा शुरू हो गया है। भाजपा नेता गौरव शर्मा के प्रयासों से परियोजना के मार्ग में बाधा बन रहे 68 विद्युत पोलों को शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।यूटिलिटी प्रोजेक्ट मैनेजर सुशील सैनी ने बताया कि 72 लाख की लागत से विद्युत पोलों को हाईवे के केंद्र से 18 मीटर की दूरी पर शिफ्ट किया जा रहा है। साथ ही यहां 100 केवीए के दो नए ट्रांसफार्मर और दिशा सूचक बोर्ड भी लगाए जाएंगे। इस सर्विस रोड के बनने से मरीजों और आम जनता को अस्पताल पहुंचने के लिए अब 5 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय नहीं करनी होगी, जिससे समय और जान का जोखिम कम होगा। गौरव शर्मा ने एनएच अधिकारियों के साथ कार्य का निरीक्षण किया और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

ब्रीफ न्यूज

उक्रांद ने कार्यकारिणी का किया विस्तार

बागेश्वर : उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) के जिलाध्यक्ष मनोज जोशी ने जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया है। उन्होंने नव नियुक्त पदाधिकारियों से पार्टी एवं राज्य हित में सक्रिय रूप से कार्य करने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष मनोज जोशी ने बताया कि नई कार्यकारिणी के अंतर्गत एडवोकेट गिरीश कोरंगा को गरुड़, ललित जनौटी को कठपुड़ियाछीना तथा कैलाश पांडे को बागेश्वर नगर अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं मयंक चौबे को बागेश्वर विधानसभा प्रभारी मनोनीत किया गया है। इसके अतिरिक्त पूरन सिंह मेहता को जिला महामंत्री, दीप जोशी को सोशल मीडिया प्रभारी तथा कृष्ण सिंह बिष्ट को युवा इकाई कठपुड़ियाछीना का ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

बाल श्रम की रोकथाम को चलाया अभियान

बागेश्वर : उत्तरायणी मेले में बाल श्रम की रोकथाम को लेकर बाल कल्याण समिति के नेतृत्व में लगातार आठवें दिन नगर के विभिन्न बाजारों, दुकानों, होटलों व रेस्टोरेंटों का निरीक्षण किया गया। मंगलवार को बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष कैलाश बोरा के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान कहीं भी बाल श्रम नहीं पाया गया। उन्होंने बताया कि मेला शुरू होने के बाद से चाइल्ड हेल्पलाइन, बाल पुलिस, कोतवाली पुलिस एवं श्रम विभाग के कर्मचारियों के साथ नियमित निरीक्षण किया जा रहा है।

सुविधाओं से सुसज्जित स्टेडियम लक्ष्य: डीएम

डीएम ने डीनापानी खेल मैदान का निरीक्षण किया, अफसरों को खेल मैदान के विस्तारीकरण के निर्देश

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: डीएम अंशुल सिंह ने मंगलवार को डीनापानी खेल मैदान का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खेल मैदान के समग्र विकास, विस्तारीकरण और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विस्तृत चर्चा की। कहा कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्टेडियम का निर्माण उनका लक्ष्य हैं।

कहा कि डीनापानी खेल मैदान को एक बेहतर, मानक अनुरूप एवं आधुनिक क्रिकेट मैदान के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत क्रिकेट फील्ड के विकास के साथ-साथ खिलाड़ियों के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं को भी सुदृढ़ किया जाएगा। जिससे स्थानीय युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त हो। उन्होंने मैदान के आसपास उपलब्ध भूमि का भी निरीक्षण किया। गया। निर्देश दिए कि विस्तारीकरण के लिए आसपास कितनी भूमि उपलब्ध है, उसका पूर्ण व तथ्यात्मक आकलन किया जाए। उपलब्ध राजस्व भूमि का स्पष्ट चिन्हांकन कर यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में पार्किंग, पवेलियन, दर्शक दीर्घा, खिलाड़ियों के विश्राम कक्ष, शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाओं के निर्माण के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो। कहा कि खेल अधोसंरचना के विकास के लिए खेल मंत्रालय और बीसीसीआई और आईसीसी से सहयोग प्राप्त करने की संभावनाओं पर भी कार्य किया जाएगा, ताकि डीनापानी खेल मैदान को एक सुव्यवस्थित एवं आकर्षक खेल परिसर के रूप में विकसित किया जा सके। यहां जिला क्रीड़ा अधिकारी महेशी आर्या, तहसीलदार ज्योति धपवाल, उप क्रीड़ाधिकारी अरुण बंग्याल आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा के डीनापानी में खेल मैदान का निरीक्षण करते डीएम। ● अमृत विचार

चम्पावत में तहसील कार्यालय के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण करते जिलाधिकारी।

डीएम ने किया निर्माणाधीन तहसील भवन का निरीक्षण

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार: जिला कलेक्ट्रेट के समीप निर्माणाधीन तहसील कार्यालय भवन का जिलाधिकारी मनीष कुमार ने निरीक्षण किया। यह भवन लगभग 13.85 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था निर्माण इकाई, उत्तराखंड पेयजल निगम के अधिशासी अभियंता गिरीश पंत ने जिलाधिकारी को निर्माण कार्य की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह भवन लगभग 16 नाली भूमि पर निर्मित किया जा रहा है। निर्माण कार्य अक्टूबर माह में प्रारंभ हुआ था, जिसमें अब तक लगभग 30 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि भवन का निर्माण निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जा सके। उन्होंने परिसर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए, जिससे भविष्य में जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। डीएम ने कहा कि तहसील कार्यालय का नया भवन बनने से आम जनता को एक ही परिसर में सुगम, सुविधाजनक और प्रभावी प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध होंगी। इससे न केवल प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं भी प्राप्त होंगी।

इस अवसर पर कार्यदायी संस्था के अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

पिथौरागढ़ में फिर शुरू हुआ सड़कों का सुदृढ़ीकरण कार्य

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार : केंद्रीय सड़क अवस्थापना निधि (सीआरआईएफ) के अंतर्गत जनपद पिथौरागढ़ में राज्य मार्गों के सुदृढ़ीकरण से जुड़े बहुप्रतीक्षित कार्य को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है।

परियोजना के अंतर्गत एसएच-60 पर थल से सातसिलिंग तक किमी 132.540 से 181.940 (कुल लंबाई 49.400 किमी) तथा एसएच-11 थल-तेजम मार्ग पर किमी 152.00 से 173.50 (कुल लंबाई 21.500 किमी) में बीएम एवं बीसी द्वारा सुदृढ़ीकरण कार्य प्रस्तावित है। इस महत्वपूर्ण परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 5708.47 लाख रुपये है। कार्य प्रारम्भ की तिथि 2 सितम्बर 2025 निर्धारित की गई थी।

कार्य प्रारम्भ होने के बाद हाईकोर्ट उत्तराखंड द्वारा 16 सितंबर 2025 को स्थगन आदेश पारित किए जाने के कारण कार्य रोक दिया गया था। प्रकरण की सुनवाई 6 जनवरी 2026 को हुई। न्यायालय द्वारा पारित आदेश में पूर्व में दिए गए 'स्टे ऑन ऑल प्रोसिडिंग' को सशर्त संशोधित करते हुए सफल निविदादाता को 2 करोड़ रुपये की एफडीआर रजिस्ट्रार जनरल, उत्तराखंड हाईकोर्ट के नाम 6 माह की अवधि हेतु जमा करने के निर्देश दिए गए थे। उक्त एफडीआर निर्धारित समयावधि में जमा कर दी गई है, जिसके पश्चात ठेकेदार को सड़क निर्माण कार्य पुनः प्रारम्भ करने की अनुमति प्रदान कर दी गई है। इस संबंध में जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ कार्य की विस्तृत समीक्षा करते हुए सुदृढ़ीकरण कार्य को तत्काल प्रारम्भ कराने के सख्त निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं होगा तथा सभी कार्य तय समय के भीतर पूर्ण किए जाएं। पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया कि कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, जिससे कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे और लापरवाही को तुरंत रोका जा सके।

गैस से घुटा दम, पिकअप में निकले प्राण

- बीते सोमवार को सड़क किनारे पिकअप में मिले थे दो शव
- दोनों शवों की शिनाख्त ठाकुरद्वारा मुरादाबाद निवासी के रूप में हुई

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: भिकियासैंण क्षेत्र के जैनल में पिकअप वाहन में मिले दो युवकों के शवों की पुलिस ने शिनाख्त कर ली है।

दोनों उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के ठाकुरद्वारा क्षेत्र के निवासी थे, जो बिजनौर से पिकअप वाहन लेकर भिकियासैंण पहुंचे थे। प्रारंभिक जांच में ठंड से बचने के लिए जलाए गए पेट्रोमैक्स से निकली गैस को मौत का कारण बताया जा रहा है। हालांकि बिना पहचान पत्र और मोबाइल फोन के यहां पहुंचना तथा वाहन से 52 हजार रुपये बरामद होना कई सवाल खड़े कर रहा है। बीते सोमवार की शाम जैनल क्षेत्र में यूपी नंबर की पिकअप (संख्या यूपी 20 सीटी 0048) में दो युवकों के शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि दोनों युवक रविवार तड़के पिकअप से यहां पहुंचे थे और वाहन को सड़क किनारे खड़ा कर दिया था। अत्यधिक ठंड के कारण उन्होंने बंद पिकअप में पैट्रोमैक्स जलाकर सोना शुरू कर दिया, जिससे गैस भरने के कारण दोनों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान अलाउद्दीन पुत्र जलालुद्दीन, निवासी ग्राम पीपली अहीर, ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद तथा रवि पुत्र गंगा राम, निवासी ग्राम महमूदपुर कैशो, ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद (उ.प्र.) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पिकअप से दो गेहूं के कट्टे तथा मृतकों की जेब से कुल 52 हजार रुपये बरामद किए गए, जबकि उनके पास कोई पहचान पत्र या मोबाइल फोन नहीं मिला। ऐसे में प्रथम दृष्टया मामला गांजा तस्करी से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है।

भिकियासैंण में वाहन में शव मिलने के बाद पुलिस द्वारा पूछताछ की गई। ● अमृत विचार

वाहन स्वामी सहित कई लोगों से की पूछताछ

जैनल क्षेत्र में लावारिस पिकअप से दो शव मिलने के मामले में पुलिस ने यूपी से वाहन स्वामी को बुलाकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि बिजनौर से पिकअप वाहन भिकियासैंण किस उद्देश्य से भेजा गया था। इसके साथ ही अन्य संबंधित लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। उपनिरीक्षक संजय जोशी ने बताया कि मृतकों के पास से गेहूं के कट्टे, 52 हजार की नगदी, तथा आईडी व मोबाइल फोन का न मिलना संदेह पैदा करता है। कहा कि संभावना है कि दोनों युवक गांजा तस्करी के उद्देश्य से क्षेत्र में आए हों।

चालक की बिगड़ी तबीयत, मौत

टनकपुर : यूपी के बदायूं जिला निवासी डंपर चालक की चल्थी में वाहन चलाते समय हालत बिगड़ गई। उसे उप जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

टनकपुर के कोतवाल चेतन रावत ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 4:15 बजे चल्थी क्षेत्र से वाहन चालक विनोद (50) पुत्र भरत पाल, निवासी चितमुरी, थाना दातागंज, जिला बदायूं को गंभीर हालत में उप जिला अस्पताल टनकपुर लाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मेमो आने पर एसआई सुरेंद्र सिंह खड़ायत ने अस्पताल पहुंचकर जानकारी ली। मृतक चालक के स्वजन ने कोतवाली में पत्र देकर कहा कि वह दिल का मरीज था। इसके बाद स्वजन बिना पोस्टमार्टम करवाए शव लेकर गांव चले गए।

गुलदार पकड़ने को वन विभाग ने लगाया रानीधारा मोहल्ले में पिंजरा

संवाददाता, अल्मोड़ा

- नगर के तमाम मोहल्लों में गुलदार की बनी है दहशत
- लोगों की मांग पर वन विभाग ने रानीधारा में लगाया पिंजरा

अमृत विचार: नगर समेत जिले के ग्रामीण इलाकों में लंबे समय से गुलदार का आतंक बना हुआ है। नगर के रानीधारा मोहल्ले में वन विभाग ने गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया है। साथ ही टीम नियमित गश्त कर रही है।

दरअसल, इन दिनों नगर के रानीधारा वार्ड में आए दिन गुलदार दिखाई देने से लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। रिहायशी इलाकों में एकाएक गुलदार दिखाई देने से जहां एक ओर लोग रात के समय कोई बाहर नहीं निकल रहा है।

वहीं, स्कूल जाने वाले बच्चों में भी गुलदार का भय बना हुआ है। इधर, अब गुलदार को पकड़ने के लिए वन विभाग ने रानीधारा में गुलदार को पिंजरा लगा दिया है। साथ ही गश्त कर लोगों को एहतियात बरतने के लिए कहा जा रहा है। हालांकि, गुलदार की चहलकदमी नहीं दिखाई दी। गुलदार का सुराग नहीं लगने लोगों में डर का माहौल है।

इधर, नगर के रानीधारा के अलावा, तल्ला जोशीखोला, सिमकनी, खत्याड़ी, रानीधारा, जाखनदेवी समेत कई इलाकों में गुलदार का खौफ बना हुआ है। स्थिति यह है, कि मोहल्ले वासी पांच-छह बजे ही घरों के भीतर चले जा रहे है। रात के समय कोई भी लोग बाहर नहीं निकल रहा है। वहीं, स्कूल जाने वाले बच्चों में भी गुलदार का भय बना हुआ है

अल्मोड़ा के रानीधारा में वन विभाग ने पिंजरा लगाया। ● अमृत विचार

विकास कार्यों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : सीडीओ

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की मंगलवार को सीडीओ ने समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी योजनाओं में शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीडीओ ने स्पष्ट कहा कि विकास योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में सीडीओ रामजी शरण शर्मा ने मनरेगा, एनआरएलएम, रीप, विधायक निधि, सांसद निधि, मुख्यमंत्री पलायन योजना एवं डीडीयू-जीकेवाई योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त धनराशि का उपयोग केवल जनहित में किया जाए तथा प्राप्त बजट का शत-प्रतिशत व्यय सुनिश्चित किया जाए। सीडीओ ने कहा कि योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों तक पहुंचे, इसके लिए प्रभावी निगरानी की जाए। अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को प्राथमिकता देते हुए गुणवत्ता के साथ कार्य किए जाएं, ताकि योजनाओं का वास्तविक लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचे।

बैठक में परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण केएन तिवारी, जिला विकास अधिकारी एसके पंत सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीडीए समाप्ति का शासनादेश जारी हो

अल्मोड़ा : डीडीए को समाप्त करने की मांग को लेकर संघर्ष समिति का धरना-प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को समिति से जुड़े लोगों ने नगर के माल रोड स्थित गांधी पार्क में साप्ताहिक धरना दिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने डीडीए समाप्ति का शासनादेश शीघ्र जारी करने की मांग की।

धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि जिला विकास प्राधिकरण लागू होने के बाद आम जनता की समस्याएं काफी बढ़ गई हैं। यह प्राधिकरण किसी भी दृष्टि से पहाड़ की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुकूल नहीं है। धरना प्रदर्शन में संघर्ष समिति के संयोजक प्रकाश चंद्र जोशी, उपपा के केंद्रीय अध्यक्ष पीसी तिवारी, प्रताप सिंह सत्याल, पूरन सिंह रौतेला, हेम चंद्र, भारत रत्न पांडेय, प्रतेश कुमार पांडे रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ तहरीर

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने संयुक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर कांग्रेस महिला कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की शव यात्रा निकालकर उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया, जो अशोभनीय और आपत्तिजनक है। इस संबंध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने रानीखेत कोतवाली में भी तहरीर दी है। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि हाल के दिनों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अभद्र एवं अशोभनीय नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री की शव यात्रा निकाली, जिससे मुख्यमंत्री पद की गरिमा के साथ-साथ प्रदेश और भारतीय जनता पार्टी की छवि को ठेस पहुंची है। कार्यकर्ताओं ने संबंधित लोगों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की है। इस मामले को गंभीर बताते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्थानीय कोतवाली में भी तहरीर दी, ताकि दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जा सके। ज्ञापन देने वालों में पूर्व जिलाध्यक्ष दीप भगत, नगर महामंत्री ललित मेहरा, पूर्व नगर महामंत्री उमेश पंत, गिरीश भगत, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुल्तान खान रहे।

रानीखेत कोतवाली में तहरीर सौंपते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

गोष्ठी में वनाग्नि से सुरक्षा को लेकर किया जागरूक

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: प्रभागीय वनाधिकारी, वन प्रभाग चम्पावत एवं उप प्रभागीय वनाधिकारी के निर्देशों तथा वन क्षेत्राधिकारी बूम के आदेश पर ग्राम आमखर्क, बृजनगर (सुखीढांग) में आगामी वनाग्नि सत्र को देखते हुए वानाग्नि सुरक्षा को लेकर एक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी ग्राम प्रधान सरस्वती देवी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

गोष्ठी में अनुभाग अधिकारी महेश सिंह अधिकारी ने ग्रामीणों को वनाग्नि से होने वाले दुष्प्रभावों, उससे बचाव के उपायों तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम से संबंधित आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि आग लगने की किसी भी घटना की सूचना तत्काल वन विभाग को दें, जंगलों में आग फैलाने वाली गतिविधियों से बचें तथा वन संपदा की सुरक्षा में सक्रिय भूमिका निभाएं। अनुभाग अधिकारी ने आगामी वनाग्नि सत्र के दौरान वन विभाग को सहयोग प्रदान करने का भी आह्वान किया।

कार्यक्रम में अनुभाग अधिकारी महेश सिंह अधिकारी, वन दरोगा प्रदीप सिंह चौहान, सुरेंद्र सिंह बोरा, चंद्र कुंवर सिंह, कमलजीत, दिव्यांशु, प्रियंका बिष्ट, मनोज चौड़ाकोटी, प्रकाश चौड़ाकोटी, मदन राम, मुकेश चंद्र, मनोज सिंह, योगेश जोशी, नारायण दत्त जोशी सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

अनदेखी सल्ला भाटकोट की जिला पंचायत सदस्य शैलजा ने लोनिवि के अधिशासी अभियंता को सौंपा ज्ञापन

अधूरी सड़क व जर्जर पुलिया को लेकर आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जनपद के सल्ला भाटकोट क्षेत्र में विकास की धीमी रफ्तार और बदहाल कनेक्टिविटी को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जिला पंचायत सदस्य सल्लाभाटकोट शैलजा चम्याल ने क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को लेकर अधिशासी अभियंता, निर्माण खंड लोक निर्माण विभाग को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने वर्षों से लंबित कनारीछीना–बिनूक–पतलचौरा मोटर मार्ग के निर्माण तथा क्षेत्र की जर्जर पुलियाओं की तत्काल मरम्मत की मांग की।

उन्होंने बताया कि कनारीछीना–बिनूक–पतलचौरा मोटर मार्ग को लगभग पांच–छह वर्ष पूर्व वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है। कई बार सर्वे और मिट्टी की जांच भी हो चुकी है, लेकिन अब तक धरातल पर कार्य शुरू नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण से तल्ली कनारीछीना, रीम, पीपलखेत, बिनूग, चिमचूवा, पतलचौरा और ड्यूख्यत सहित दर्जनों गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। क्षेत्र में अनुसूचित जाति के परिवारों की बड़ी संख्या है और सड़क न होना उनके मूलभूत अधिकारों का भी हनन है। जिला पंचायत सदस्य ने बताया कि खराब और असुविधाजनक रास्तों के कारण बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि तल्ली कनारीछीना, खुड़ियारी, जुड़ा, कुंखेत और मंगलता की पुलियाएं असुरक्षित स्थिति में हैं। कहीं सुरक्षा रेलिंग गायब है तो कहीं बोल्ट ढीले हो चुके हैं। पुलियाओं का रंग-रोगन भी उड़ चुका है, जिससे बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। उन्होंने मांग की कि पुरानी पुलियाओं की मरम्मत के साथ ही नई पुलियाओं का निर्माण भी किया जाए। चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सड़कों की स्थिति नहीं सुधरी तो आंदोलन किया जाएगा।

सल्ला भाटकोट क्षेत्र में खतरनाक बनी सड़क का दृश्य।

डोली के सहारे जिंदगी: बीमारों और गर्भवती महिलाओं पर संकट

सड़क सुविधा न होने का सबसे अधिक असर स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं पर पड़ रहा है। जिला पंचायत सदस्य ने बताया कि सड़क न होने के कारण बीमारों को अस्पताल पहुंचाने के लिए आज भी 'डोली' का सहारा लेना पड़ता है। कई बार समय पर उपचार न मिल पाने से मरीजों की रास्ते में ही मौत हो जाती है। कनेक्टिविटी के अभाव में लोग गांव छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। वहीं जंगली जानवरों के बढ़ते आतंक के कारण ग्रामीण पैदल रास्तों पर चलने से भी भयभीत रहते हैं।

प्रवेश के लिए प्रचार-प्रसार अभियान

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी से संबद्ध सत्र 2026 के अंतर्गत संचालित बीए., एमए एवं विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के उद्देश्य से एक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी प्रचार-प्रसार अभियान चलाया गया।

अभियान के तहत अमोड़ी बाजार, ग्राम अमोड़ी, भुमटा, बेलखेत, सजोली एवं कोट अमोड़ी सहित आसपास के क्षेत्रों में नागरिकों को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया एवं शैक्षणिक अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 के बारे में भी अवगत कराया गया। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अजिता दीक्षित ने कहा कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ना महाविद्यालय का निरंतर प्रयास है। प्रचार-प्रसार कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक लोग शामिल रहे। इस गतिविधि से क्षेत्र के विद्यार्थियों में उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रति रुचि में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। कार्यक्रम में पानदेव भट्ट, नवीन भट्ट, बीके भट्ट, मनीष जोशी (पीटीए अध्यक्ष), देवेंद्र सिंह नेगी, दीपक भट्ट, शंकर भट्ट, पीतांबर भट्ट, रवीश भट्ट, गणेश भट्ट, तुलसी भट्ट, दिनेश भट्ट, बालम सिंह, दीवान सिंह, भैरव सिंह, किसन सिंह, सदानंद जोशी, दीपक बोहरा, देव भट्ट, संदीप सिंह, रमेश भट्ट, मुकेश बोहरा, मोहित बोहरा आदि रहे।

अमोड़ी महाविद्यालय परिवार द्वारा क्षेत्र में किया गया प्रचार-प्रसार। ● अमृत विचार

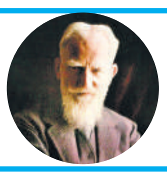

सफलता कभी गलती न करने में निहित नहीं होती, बल्कि एक ही गलती दोबारा न करने में निहित होती है।

–जॉर्ज बर्नार्ड शा, विचारक

चांदी की चकाचौंध

अनुमान बताते हैं कि इस वर्ष चांदी के भाव 4 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंचेंगे। चांदी के दाम में अभूतपूर्व तेजी अब केवल निवेश या कमोडिटी बाजार का विषय नहीं, यह देश में मध्यम वर्ग के घरेलू बजट और सामाजिक जीवन पर सीधा असर डालने वाला मुद्दा बन चुका है। जब महंगाई पहले से ही आम परिवार की क्रय-शक्ति को दबाव में रखे हुए है। ऐसे में चांदी की बढ़ती कीमतें हमारे लिए एक गंभीर आर्थिक और सामाजिक चुनौती बन चुकी है। चांदी के बर्तन, दीवाली और विवाह जैसे अवसरों पर उपहार, पूजा-पाठ, देवमूर्ति, अनुष्ठान और आभूषण भारतीय जीवनशैली के अभिन्न हिस्से हैं। इसलिए हमारे यहां चांदी का महत्व सामाजिक और सांस्कृतिक भी है। ऐसे में चांदी का महंगा होना परंपराओं और रीति-रिवाजों को भी अतिशय महंगा बना देता है। मध्यम वर्ग, जो इन परंपराओं को निभाने के लिए सीमित बचत पर निर्भर रहता है, सबसे अधिक प्रभावित है। चांदी की कीमतों में इस भारी उछाल के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं, उन पर हमारा हस्तक्षेप नहीं के बराबर है। वह चाहे लैटिन अमेरिकी देशों में इसकी खदानों का पुराना पड़ना और इसका उत्पादन घटना हो अथवा भू-राजनीतिक तनाव और व्यापारिक विवादों का बढ़ना। अनिश्चितता और महंगाई के माहौल में देशों व निवेशकों का चांदी का संग्रह हो या फिर चांदी की औद्योगिक मांग का वैश्विक स्तर आसमान छूना। पर्यावरण बचाने की मांग पर प्लांड माइनिंग हो अथवा ज्यादातर देशों का ग्रीन एनर्जी पर ज्यादा केंद्रित होना। यह मांग संरचनात्मक है और निकट भविष्य में घटने वाली नहीं। चूंकि चांदी अक्सर तांबे और जिंक की खुदाई के साथ सह-उत्पाद के रूप में निकलती है, इसलिए जब तक इन धातुओं का उत्पादन नहीं बढ़ेगा, चांदी की वैश्विक आपूर्ति में भी तेजी आना मुश्किल है।

भारत की स्थिति इस संदर्भ में कुछ ज्यादा संवेदनशील है। देश में सालाना चांदी का उत्पादन करीब 800 टन है, जबकि खपत 7,000 टन से अधिक। यानी भारत दुनिया की कुल चांदी मांग का 20-25 प्रतिशत अकेले खींच लेता है और इसका बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता है। यह आयात निर्भरता न केवल कीमतों को अंतर्राष्ट्रीय उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बनाती है, बल्कि चालू खाते के घाटे पर भी दबाव डालती है। बेशक हमें इसका समाधान घर में ही तलाशना होगा। सरकार घरेलू उत्पादन बढ़ाने और रीसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करने की बात कर रही है, लेकिन अब तक इसका असर सीमित दिखता है। पुरानी चांदी की रीसाइक्लिंग, ई-वेस्ट से रिकवरी और खनन में निजी निवेश बढ़ाने जैसे कदम अब और तेज करने होंगे। कीमतें अंतर्राष्ट्रीय भाव, डॉलर रेट, आयात शुल्क, जीएसटी और स्थानीय लागत से तय होती हैं। सरकार के पास सीमित गुंजाइश है, लेकिन आयात शुल्क या कर ढांचे में अस्थायी छूट देकर घरेलू बाजार को कुछ हद तक राहत दी जा सकती है। हालांकि दीर्घकालिक समाधान आयात निर्भरता घटाने, घरेलू उत्पादन और रीसाइक्लिंग बढ़ाने तथा उद्योगों में वैकल्पिक तकनीकों को बढ़ावा देने में ही निहित है। तभी आम आदमी के लिए चांदी की चमक बरकरार रह सकेगी अन्यथा उसकी चौंध कष्ट का कारक बनी रहेगी।

प्रसंगवश

खेती का संकट और पारंपरिक देसी बीज

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

निरंतर लागत बढ़ती चले जाने से हमारे देश में खेती संकट के दौर से गुजर रही है। एक ओर खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल, बिजली आदि का खर्च बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर किसान की आय सिमटती जा रही है। जलवायु संकट के दौर में अनिश्चित मौसम और कीटनाशकों के बढ़ते प्रकोप ने भी खेती के संकट को बढ़ा दिया है। देश के विभिन्न भागों के वह किसान चर्चा में हैं, जो पारंपरिक देसी बीजों को अपनाकर नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। क्या बदहाल खेती के दौर में पारंपरिक देसी बीजों के जरिए हालात को बदला जा सकता है, इस प्रश्न पर आज चर्चा हो रही है। बड़ा सवाल है कि क्या पारंपरिक देसी बीज खेती में नई क्रांति का सूत्रपात कर सकते हैं?

खेती में बीजों की गुणवत्ता का मुद्दा बहुत बड़ा है। नकली एवं अमानक बीजों के कारण किसानों को जिस तरह नुकसान झेलना पड़ रहा है, वह चिंता का विषय है। सरकार भी नया बीज कानून लाने की कवायद में जुटी है। इसी बीच पारंपरिक बीजों का इस्तेमाल और संरक्षण कर रहे किसानों की कहानियां विकल्प सुझा रही हैं। मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले की एक आदिवासी बस्ती की निवासी 27 वर्षीय लहरी बाई अपने छोटे से घर में 150 से अधिक दुर्लभ और विलुप्त प्राय देसी बीजों को सहेज रही हैं। लहरी बाई ये बीज स्थानीय हाटों और आसपास के किसानों से एकत्र करती हैं। फिर उन्हें साफ करके, सुखाकर, सुरक्षित रखती हैं और जरूरत पड़ने पर दूसरे किसानों को दे देती हैं। लहरी बाई को 'मिलेट वुमन' या 'मिलेट एंबेसडर' कहा जाता है, लेकिन वे उस पारंपरिक ज्ञान की प्रतिनिधि हैं, जिसे आधुनिक खेती ने हाशिए पर डाल दिया है। ऐसा ही एक उदाहरण पंजाब के बरनाला जिले के वाहेगुरुपुरा गांव के किसान अमृत चहल का है। वे देसी बीजों और प्राकृतिक खेती पर आधारित एक ऐसा मॉडल विकसित कर रहे हैं, जो आर्थिक रूप से भी टिकाऊ है। सहकारी ज्ञान और मार्केटिंग के सहारे उन्होंने यह दिखाया है कि किसान केवल खेत में काम करने वाला नहीं, बल्कि अपने बीज और बाजार का मालिक भी हो सकता है। 2023 में उन्होंने देसी बीज बैंक की स्थापना की, जहां अनाज, सब्जियों और चारे सहित 35-40 फसलों की लगभग 150 किस्में संरक्षित हैं। यह फसल विविधता उस खेती की याद दिलाती है, जो कभी स्थानीय जरूरतों और परिस्थितियों के अनुरूप थी।

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के आदिवासी इलाकों में बीज संरक्षण की यह पहचान आज भी जीवित है। वहां की आदिवासी महिलाएं फसल के सबसे अच्छे और पहले पकने वाले दानों को चिह्नित करती हैं। कभी उन पर राखी बांध दी जाती है, कभी उन्हें अलग कपड़े में सुरक्षित रखा जाता है, ताकि कटाई के समय उनकी अलग से पहचान संभव हो सके। सहेज कर रखे गए यही दाने अगले मौसम के बीज बनते हैं। ऐसे और भी उदाहरण हैं। यह सच है कि पारंपरिक बीज कोई चमत्कारी समाधान नहीं हैं, लेकिन वे खेती को कम जोखिम वाला और अधिक आत्मनिर्भर बना सकते हैं। ये बीज स्थानीय जलवायु के अनुरूप होते हैं, कम पानी में टिकते हैं और किसान इन्हें खुद सहेज सकता है। इससे बीज, खाद और कीटनाशकों पर होने वाला खर्च घटता है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसार मोटे अनाज कम पानी में उगते हैं और स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हैं। जब देश की 60 प्रतिशत खेती बारिश पर निर्भर है, तब यह पहलू और महत्वपूर्ण हो जाता है। पारंपरिक देसी बीज केवल खेती या पर्यावरण का विषय नहीं हैं, बल्कि खाद्य सुरक्षा से भी जुड़े हैं। देसी बीजों को सहेज रहे किसान केवल अतीत नहीं बचा रहे, बल्कि आने वाले समय की राह तैयार कर रहे हैं। जरूरत है कि सरकार, वैज्ञानिक, किसान संगठन और समाज मिलकर पारंपरिक बीजों को भविष्य की आवश्यकता के रूप में स्वीकार करें, क्योंकि अगर बीज बचेंगे, तभी जीवन बचेगा।

पश्चिम बंगाल चुनाव में क्या भाजपा को मिलेगा बहुमत?

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी
यूएई एंबेसी

बिहार के बाद महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय के चुनाव परिणाम ने लोगों को फिर चौकाया है। बीजेपी के प्रति इतना जबरदस्त समर्थन अब विरोधियों को भी यह कहने पर मजबूर कर रहा है कि भगवा पार्टी कमाल कर रही है। उसका संगठन अब इतना मजबूत हो चुका है कि कोई अन्य पार्टी उसके आसपास भी खड़ी नहीं हो पा रही है। जाहिर है बीजेपी में जिस प्रोफेशनल एक्सेलेन्स की बात अखिलेश यादव ने की है, उसे पार्टी में लाने का श्रेय किसी को जाता है, तो वह गृह मंत्री अमित शाह हैं और अब उन्हीं गृह मंत्री के हाथों में बीजेपी ने बंगाल और तमिलनाडु का चुनाव प्रभार सौंप दिया है। अब लोगों में यह उम्मीद बंध गई है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भी इस बार बीजेपी को दो-तिहाई बहुमत लेकर आएगी।

बंगाल से जुड़े कई स्वतंत्र टिप्पणीकार यह कहने लगे हैं कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी 50 सीटों से भी नीचे चली जाएगी और आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी सीट भवानीपुर को भी बचाने में बड़े पापड़ बेलने पड़ सकते हैं। पश्चिम बंगाल की सत्ता से यदि टीएमसी बाहर होती है, तो इसके पीछे बीजेपी के उत्थान के साथ ममता बनर्जी के ध्रुवीकरण वाली राजनीति का पतन भी एक बड़ा कारण होगा। क्योंकि अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति से प्रदेश की 70 फीसदी जनता ऊब चुकी है और इस बार बदलाव की आवाज साफ सुनाई दे रही है। जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले महीने 29 से 31 दिसंबर तक की कोलकाता की यात्रा की स्थानीय लोगों और बीजेपी कार्यकर्त्ताओं में इसी तरह का जज्बात साफ दिखाई दिया था। यह पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अभियान की एक तरह से शुरुआत थी।

अमित शाह ने अपने चिरपरिचित अंदाज में मैराथन संगठनात्मक बैठकें कीं, पार्टी कार्यकत्ताओं के साथ-साथ आरएसएस के पदाधिकारियों को भी जाग्रत कर दिया और लगे हाथ, उन्होंने पश्चिम बंगाल में बीजेपी के लिए दो-तिहाई बहुमत की भविष्यवाणी भी कर दी। अमित शाह जिस भी विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी लेते हैं, वहां सबसे पहले संगठन को कसने से ही शुरुआत करते हैं। विधायकों, सांसदों के साथ-साथ नगर निगम पार्षदों तक के साथ लगातार बंद कमरे में बात करते हैं और कहीं भी किसी गफलत की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं।

> अमित शाह जिस भी विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी लेते हैं, वहां सबसे पहले संगठन को कसने से ही शुरुआत करते हैं। विधायकों, सांसदों के साथ-साथ नगर निगम पार्षदों तक के साथ लगातार बंद कमरे में बात करते हैं और कहीं भी किसी गफलत की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं।

पश्चिम बंगाल में भी अमित शाह ने ममता सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, चिट फंड घोटाला, नौकरी घोटाला, कोयला घोटाला और पशु तस्करी के मुद्दे चिह्नित कर लिए हैं और उसमें संलिप्त तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और मंत्रियों के नाम भी उजागर कर दिए हैं। सबसे ऊपर बीजेपी जिस मुद्दे को लेकर चुनाव जितने के प्रति आश्वस्त है, वह है बांग्लादेश से घुसपैठ का मुद्दा। ममता बनर्जी इस मुद्दे पर घिर चुकी हैं। अमित शाह के इस आरोप का उनके पास जवाब नहीं है कि आखिर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए उन्होंने बीएसएफ को जमीन देने से क्यों इनकार किया?

बीजेपी ने यह रिकार्ड पेश किया है कि असम और त्रिपुरा से घुसपैठ की घटनाएं लगभग बंद हो गई हैं, जबकि पश्चिम बंगाल में अब भी जारी है। इस कारण बंगाल की डेमोग्राफी तेजी से बदल रही है। खड़गपुर से कोलकाता और बर्धमान से सिलीगुड़ी तक का पूरा इलाका डेमोग्राफिक रूप से बदल गया है। स्थानीय लोग ही बताते हैं कि ये सारे इलाके अब बांग्लादेशी निवासियों से भर गए हैं। ये पश्चिम बंगाल के मूल निवासी नहीं हैं, लेकिन संसाधनों पर इनका कब्जा हो चुका है। वे बेहतर पैसे और अच्छी जिंदगी के लालच में आए थे, लेकिन बंगाल के राजनीतिज्ञों ने उनका यहीं बसेरा बना दिया। बीजेपी के इस वायदे में बंगाली समुदाय को एक विश्वास दिखता है कि घुसपैठ पर लगाम के लिए एक नेशनल ग्रिड बनना चाहिए और गृह मंत्री इसको चुनावी अभियान का हिस्सा बनाना चाहते हैं। देखा जाए तो बीजेपी की चुनावी राजनीति की कमान जब से अमित शाह संभाल रहे हैं, तब से लगातार पश्चिम बंगाल में भी पार्टी की स्थिति सुधर रही है। 2016 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को केवल में 3 विधानसभा सीटों में ही जीत हासिल हुई थी, लेकिन 2021 में 77 सीटों को जीतने में बीजेपी सफल रही। उसी तरह से 2014 के लोकसभा चुनाव में बंगाल में बीजेपी को 17 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी को 39 प्रतिशत वोटों का सहारा मिला। बीजेपी अमित शाह के नेतृत्व में बिहार की ही तरह बूथ-केंद्रित रणनीति अपनाने जा रही है। पश्चिम बंगाल के कुल 81,000 मतदान बूथों में से बीजेपी ने 65,000 के लिए बूथ समितियां बना ली हैं और सभी 294 विधानसभा क्षेत्रों में विस्तारक तैनात कर दिए हैं।

दूसरी तरफ ममता बनर्जी के शासन काल में अपराध और अपराधियों की मौजूदगी बढ़ती जा रही है। खुद मुख्यमंत्री अराजकता की लाइन पार करती दिखाई देती हैं। वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा का भी अक्सर उल्लंघन करती दिखाई देती हैं। केंद्र के साथ बैठकों में भी कागज फेंकने, झल्लाने और घमंड दिखाने से बाज नहीं आतीं। पीएम मोदी लगातार धैर्य और सहिष्णुता से पेश आते रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में ईडी के अधिकारियों के साथ ममता के असंवैधानिक व्यवहार उनकी सरकार को बर्खास्त करने का कारण बन सकता था। फिर भी बीजेपी नेतृत्व इसकी मांग से बच रहा है।

बीजेपी संभवतः यह मान रही है कि 2026 में बंगाल की सीएम ममता नहीं होंगी और टीएमसी के लिए खुद को बचाए रखना भी संभव नहीं होगा, क्योंकि मुस्लिम वोट के लिए हिंदुओं के साथ भेदभाव का यह दौर अब आगे नहीं चल सकता। अमित शाह ज्यादातर मामलों में अपनी बात पर खरे उतरे हैं, बंगाल भी उनके लिए उनके वायदे के साथ खड़ा होगा क्या?

आमने

पीर पंजाल क्षेत्र के लोगों को अपनी प्रशासनिक समस्याओं के लिए बार-बार जम्मू और श्रीनगर नहीं जाना चाहिए। इस इलाके को डिविजन का दर्जा और डिविजनल कमिश्नर स्तर का अधिकारी मिलने से आम जनता को बड़ी राहत मिल सकती है।

–महबूबा मुफ्ती, पीडीपी चीफ

सामने

ऐसे सुझाव जम्मू-कश्मीर को कमजोर करने वाले हैं न कि मजबूत करने वाले। लद्दाख के लोगों को आज तक कोई ठोस फायदा नहीं मिला। इस तरह के फैसलों में भावनाओं या राजनीतिक एजेंडे से ज्यादा जमीनी हकीकत को समझना जरूरी है।

–फारूक अबदुल्ला, नेता, नेशनल कॉन्फ्रेंस

संकीर्ण सोच और गोद लेने की सामाजिक विडंबना

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
लेखक

यह हमारे समाज की एक गहरी और पीड़ादायक विडंबना है कि एक ओर अनेक दंपती संतान सुख के लिए वर्षों तक प्रतीक्षा करते हैं, मंदिरों-अस्पतालों के चक्कर लगाते हैं, तरह-तरह के उपचार कराते हैं, तो दूसरी ओर हमारे ही समाज में असंख्य ऐसे बच्चे हैं, जो माता-पिता के स्नेह से वंचित, अनाथालयों और बाल संरक्षण गृहों में बड़े हो रहे हैं। यह विरोधाभास केवल व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि उस संकीर्ण सोच का परिणाम भी है, जो आज भी गोद लेने जैसी मानवीय प्रक्रिया को संदेह, शर्तों और पूर्वाग्रहों से घेर देती है।

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण के आंकड़े इस सच्चाई को उजागर करते हैं कि गोद लेने की प्रक्रिया में प्रतीक्षा सूची लगातार लंबी होती जा रही है। इसके बावजूद अनेक बच्चे ऐसे हैं, जिनकी उम्र छह वर्ष या उससे अधिक हो चुकी है और वे अब भी किसी परिवार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। दुखद तथ्य यह है कि अधिकांश दंपती नवजात शिशु या अधिकतम चार-पांच वर्ष तक के बच्चों को ही गोद लेना चाहते हैं। जैसे-जैसे बच्चे की उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे उसके लिए परिवार मिलने की संभावनाएं क्षीण होती जाती हैं। यह चयन केवल उम्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि रंग-रूप, स्वास्थ्य और कभी-कभी जातीय पृष्ठभूमि तक फैल जाता है।

इस सोच के पीछे भय और असुरक्षा की भावना गहराई से जमी हुई है। लोग यह मान लेते हैं कि बड़ा बच्चा आसानी से परिवार में घुल-मिल नहीं पाएगा, उसके स्वभाव में जिद या मानसिक जटिलताएं होंगी या वह माता-पिता से भावनात्मक रूप से जुड़ नहीं पाएगा। जबकि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक अध्ययन बताते हैं कि स्नेह, धैर्य और अपनत्व मिलने पर बड़े बच्चे भी उतनी ही सहजता से नए परिवार का हिस्सा बन जाते हैं। वे पहले से समझदार होते हैं, भावनाओं को पहचानते हैं और धीरे-धीरे माता-पिता के साथ गहरा रिश्ता बना लेते हैं। गोद लेने की प्रक्रिया में लंबी प्रतीक्षा और जटिल शर्तों का सबसे बड़ा खामियाजा बच्चों को ही भुगतना पड़ता है। अनाथालयों में बिताए गए ये वर्ष उनके बचपन के सबसे संवेदनशील क्षण होते हैं। इस दौरान उन्हें भोजन, शिक्षा और सुरक्षा तो मिल जाती है, पर वह अपनापन नहीं मिल पाता, जो किसी परिवार का हिस्सा होने से मिलता है। समय के साथ जब वे देखते हैं कि छोटे बच्चों को गोद ले लिया जाता है और वे स्वयं पीछे छूट जाते हैं, तो उनके मन में हीनता, उपेक्षा और अस्वीकृति की भावना घर कर जाती है।

> गोद लेने की प्रक्रिया में लंबी प्रतीक्षा और जटिल शर्तों का सबसे बड़ा खामियाजा बच्चों को ही भुगतना पड़ता है। अनाथालयों में बिताए गए ये वर्ष उनके बचपन के सबसे संवेदनशील क्षण होते हैं।

यह प्रश्न गंभीर है कि क्या संतान सुख पाने के लिए केवल अपनी सुविधा और सामाजिक छवि को ही प्राथमिकता देना सही है। क्या उम्र और रंग-रूप के आधार पर बच्चों में भेदभाव करना स्वस्थ सामाजिक सोच का प्रमाण है। सच तो यह है कि बच्चा किसी भी उम्र का हो, उसकी सबसे बड़ी आवश्यकता प्रेम, सुरक्षा और पहचान होती है। जब उसे यह एहसास होता है कि कोई उसे अपनाना चाहता है, उसकी जिम्मेदारी लेना चाहता है, तो उसका जीवन नई दिशा पा लेता है। यदि निःसंतान दंपती अपनी सोच में थोड़ा-सा बदलाव लाएं और बड़े उम्र के बच्चों को अपनाने का साहस करें, तो न केवल उन बच्चों का भविष्य संवर सकता है, बल्कि स्वयं दंपती का जीवन भी अर्थपूर्ण बन सकता है।

बड़े बच्चे अक्सर अपनी स्थिति को समझते हैं और माता-पिता के प्रयासों की कद्र करते हैं। वे पढ़ाई, व्यवहार और जिम्मेदारियों को लेकर अधिक सजग होते हैं। सही मार्गदर्शन और प्रेम मिलने पर वे परिवार की मजबूती का आधार बन सकते हैं। समाज की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज भी गोद लेने को लेकर तरह-तरह की फुसफुसाहटें, सवाल और शंकाएं उठती हैं। लोग यह भूल जाते हैं कि परिवार खून के रिश्तों से नहीं, भावनात्मक जुड़ाव से बनता है, जब समाज इस सच्चाई को स्वीकार करेगा, तभी गोद लिए गए बच्चों को भी वही सम्मान और समानता मिलेगी, जो जैविक संतान को मिलती है।

अनाथ बच्चों के लिए परिवार मिलना केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक सकारात्मक बदलाव है। परिवार में शामिल होने पर ये बच्चे स्वयं को मूल्यवान महसूस करते हैं, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे समाज के जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। इससे सामाजिक असमानता, अपराध और उपेक्षा की प्रवृत्तियों में भी कमी आ सकती है। इस दिशा में सरकार, सामाजिक संगठनों और मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। गोद लेने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और संवेदनशील बनाया जाना चाहिए, ताकि दंपतियों का भय कम हो और वे आगे आने के लिए प्रेरित हों। साथ ही समाज में ऐसे उदाहरणों को सामने लाना आवश्यक है, जहां बड़े उम्र के बच्चों को गोद लेकर उन्हें प्रेम, शिक्षा और सम्मानपूर्ण जीवन दिया गया हो।

विद्यालयों और सामाजिक मंचों पर गोद लेने को लेकर सकारात्मक संवाद होना चाहिए, जिससे यह भावना विकसित हो कि हर बच्चा अपनाए जाने योग्य है, जब संवेदना, जिम्मेदारी और मानवीय दृष्टि हमारी सोच का हिस्सा बनेंगी, तभी गोद लेने की प्रक्रिया एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले सकेगी और असंख्य बच्चों का सूना जीवन आशा से भर उठेगा। अनाथ बच्चों को सामान्य बच्चों की तरह खुशहाल जीवन देने के लिए सोच में परिवर्तन अनिवार्य है, क्योंकि किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसके सबसे कमजोर वर्ग के प्रति उसके व्यवहार से होती है।

सोशल फोरम

एक साथ नहीं मिल सकते सुखभोग और आत्मगौरव

सुशोभित
लेखक

आज समाज में भोगी और कामी (स्त्री और पुरुष दोनों) का इतना महिमामंडन क्यों किया जाने लगा है? महिमामंडन तो त्यागी और संयमी का होना चाहिए न? भोगी और कामी ने वैसी कौन-सी उपलब्धि पाई है, जिसके लिए वह गौरव से भरना चाहता है, समाज से मान्यता चाहता है? जैसे जल नीचे की ओर रिस जाता है, वैसे ही मनुष्य की चेतना मूलाधार के सुखों में अटकी रहती है। कोई मनुज इससे मुक्त नहीं। यश तो उसका है, जिसने अपनी चेतना को ऊर्ध्वगामी बनाया, जो जितेन्द्रिय हुआ या जिसने इसके लिए यत्न किए। कामनाओं के सम्मुख घुटने टेक देने वालों को किस बात के आत्मगौरव की चाह है? कामना मनुष्य की प्राथमिक, मूलभूत और आदिम वृत्ति है। मनुष्य सुख का लोभी है। प्रायः पूरा जीवन ही सुख की टोह में रहता है। इसमें भी बहुधा यह सुख भौतिक ही रहता है- जिह्वा और जननेन्द्रिय की क्षणचपल उत्फुल्लता। सुख के इस अनवरत शोध से मनुष्य क्या अर्जित करना चाहता है, ये उसे स्वयं ही नहीं पता। किंतु यदि कोई व्यक्ति आजीवन अपनी कामनाओं की ही पूर्ति करता रहे, तो वह खंख होकर रह जाएगा, निरा भौतिकवादी भोग-पुतुल बनकर रह जाएगा, उसके भीतर सरणियां नहीं होंगी, कोई आत्मसंघर्ष न होगा।

व्यक्ति के चरित्र और व्यक्तित्व का निर्माण आत्मसंघर्ष से होता है। इन्द्रिय-दमन की बात नहीं कर रहा हूं, कामनाओं के शमन की ओर भी संकेत नहीं है। संकेत उस विषाद की ओर है, रिक्तता और क्षोभ की ओर है, जो हर निरे इन्द्रिय-सुख की पूर्ति के बाद मनुष्य के भीतर उठता है, उठना ही चाहिए। अपने सुखों के प्रति एक मूक-विद्रोह मनुष्य होने की बुनियादी पहचानों में से है। फिर यह युग तो यों भी भोग का ही है। भोग की कीच में सभी सूरमा अपनी तलवारों की टूटी मूंठों के साथ निरुपाय पड़े हैं। कोई इसे अपनी विजय बताता हो, तो यह उसकी मूढ़ता ही कहलाएगी। स्मरण रहे, वर्तमान कालखंड में क्रांतिकारी वह है, जो कहता है मैंने त्यागा, वह नहीं, जो कहता है मैंने भोगा। आज की तारीख में विद्रोही वह है, जो पूछता है मैं कब तक अपनी इन्द्रियों का अनुचर बना रहूंगा, कब तक इसकी तृष्णा पूरी करने के लिए खटता रहूंगा? आज की तारीख में वह विद्रोही नहीं है, जो कहता है मैंने छककर खाया और फिर अघाया और कल फिर उठा और फिर से सुखों की टोह में निकल पड़ा- निष्प्रयोज्य, दिशाहारा। जो वैसा करते हैं, उनसे विरोध नहीं है, उनकी निंदा भी नहीं है, किंतु उसमें आत्मगौरव नहीं है। उन्मुक्त सुखभोग और आत्मगौरव दोनों एक साथ नहीं मिल सकते, मित्र। कोई एक चुन लो। **–फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

हाइड्रोजन ट्रेन: भारत की हरित परिवहन क्रांति

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

भारत ने स्वच्छ ऊर्जा और आधुनिक परिवहन के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज कर ली है। हाल ही में भारतीय रेलवे ने विश्व की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन-चालित ट्रेन का सफल परीक्षण कर यह सिद्ध कर दिया है कि देश अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार का नेतृत्वकर्ता बनता जा रहा है। यह उपलब्धि न केवल रेलवे के लिए गर्व का विषय है, बल्कि भारत के उस व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसमें ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को केंद्र में रखा गया है। हाइड्रोजन आधारित यह ट्रेन आने वाले समय में भारतीय परिवहन व्यवस्था की दिशा और दशा दोनों बदलने की क्षमता रखती है। उत्तर रेलवे के अनुसार हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच इस अत्याधुनिक ट्रेन का सफल ट्रायल किया गया है। इसके लिए जींद में विशेष रूप से हाइड्रोजन उत्पादन और आपूर्ति से जुड़ा एक प्लांट स्थापित किया गया है, जिसे निर्बाध 11 केवी विद्युत आपूर्ति से जोड़ा गया है।

यह व्यवस्था दर्शाती है कि हाइड्रोजन आधारित परिवहन केवल प्रयोग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे व्यावहारिक स्तर पर लागू करने की ठोस तैयारी की जा चुकी है। परीक्षण के दौरान रेलवे विशेषज्ञों ने पावर कार, सुरक्षा प्रणालियों, स्पीड सेंसर, ब्रेकिंग सिस्टम और नियंत्रण तंत्र की गहन जांच की, ताकि किसी भी स्थिति में ट्रेन का सुरक्षित और स्थिर संचालन सुनिश्चित किया जा सके। यह भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन है, जिसे 'जीरो आवाज, जीरो पॉल्यूशन' के सिद्धांत पर विकसित किया गया है। इसकी अनुमानित गति 110 से 140 किलोमीटर प्रति घंटा के बीच होगी, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ आधुनिक डीजल ट्रेनों के बराबर प्रदर्शन करने में सक्षम होगी। परीक्षण के दौरान ट्रेन को धीमी और मध्यम गति पर चलाकर कोचों की ऊंचाई, पायदान और संरचनात्मक मजबूती की भी बारीकी से जांच की गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार भविष्य में यह ट्रेन ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लिए आदर्श मॉडल बन सकती है।

हाइड्रोजन को ऊर्जा स्रोत के रूप में अपनाने की दिशा में भारत पहले से ही व्यापक प्रयास कर रहा है। 'राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन' के तहत सरकार ने वर्ष 2030 तक प्रतिवर्ष 5 मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसका उद्देश्य देश की ऊर्जा जरूरतों को स्वदेशी और स्वच्छ संसाधनों से पूरा करना तथा भारत को वैश्विक हरित हाइड्रोजन हब के रूप में स्थापित करना है। ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन सौर और पवन ऊर्जा से पानी के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा किया जाता है, जिसमें उत्सर्जन के नाम पर केवल पानी निकलता है। परिवहन क्षेत्र में हाइड्रोजन के उपयोग को लेकर भारत में कई स्तरों पर प्रयोग हो रहे हैं। दिल्ली में इंडियन ऑयल द्वारा सौर ऊर्जा से संचालित ग्रीन हाइड्रोजन फ्यूल सेल बसों का परीक्षण किया जा रहा है। हाइड्रोजन ईंधन को बढ़ावा देने के पीछे सरकार का उद्देश्य केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, ऊर्जा आयात घटाना और रोजगार के नए अवसर पैदा करना भी है। कुल मिलाकर, हाइड्रोजन की पटरी पर दौड़ती यह ट्रेन केवल एक तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन साधने की भारतीय सोच का प्रतीक है। यदि यह प्रयोग सफलतापूर्वक विस्तारित होता है, तो भारत स्वच्छ परिवहन के साथ-साथ वैश्विक हरित ऊर्जा नेतृत्व की दिशा में भी एक मजबूत कदम बढ़ाएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

हस्तशिल्प और कला इन दोनों के बीच बहुत महीन विभाजन रेखा है और यह दोनों ही एक-दूसरे में रूपांतरित हो सकते हैं। ठीक वैसे ही जैसे पानी और भाप। एक निश्चित तापमान के बाद पानी स्वतः ही भाप में परिवर्तित हो जाता है और उस निश्चित तापमान से नीचे आते ही भाप पुनः पानी में बदल जाती है। अनेक हस्तशिल्पी अपने हस्तशिल्प कार्य को अपनी कल्पनाशीलता और शिल्प कौशल के संतुलित संयोजन से, उसे कलात्मकता के स्तर तक ले जाते हैं। तब उनका बनाया वह हस्तशिल्प एक कलाकृति के रूप में स्वीकार्य हो जाता है। फिर वह मात्र हस्तशिल्प न रहकर एक कलात्मक कलाकृति कहलाता है, परंतु यह अपवाद स्वरूप ही देखने में आता है, सामान्य हस्तशिल्प इस श्रेणी तक कभी नहीं पहुंच पाते।

मुश्ताक खान
लेखक, नई दिल्ली

समझना होगा कला और हस्तशिल्प के अंतर को

अभिव्यक्ति एवं संप्रेषण का महत्व

हस्तशिल्प के कई कलाकार भी अपनी कलाकृति को इतना भावहीन एवं यांत्रिक बना देते हैं कि उन्हें कला की श्रेणी में रखना कठिन हो जाता है। हस्तशिल्प की मान्यता प्राप्त परिभाषा के अनुसार, पावर द्वारा चालित मशीनों के कम से कम उपयोग से मुख्यत: हाथों द्वारा बनाई गई कोई भी सुंदर, उपयोगी एवं टिकाऊ वास्तु हस्तशिल्प कहलाती है। इस परिभाषा के अनुसार हस्तशिल्प में उपयोग एवं टिकाऊ पक्ष उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि हस्तशिल्प का सुदर्शन होना। हस्त शिल्प का यही पक्ष उसे कला के क्षेत्र से बाहर करता है, क्योंकि कला में उपयोग एवं टिकाऊ होने की कोई शर्त नहीं है। कला की अनेक परिभाषाओं में उसे आत्म अभिव्यक्ति से जोड़ा गया है, वहां दृष्टि, संप्रेषण और सृजन की बात की गई है। हस्तशिल्प और कला की परिभाषाओं में यह अंतर ही उनके वास्तविक चरित्र को उजागर करता है। हस्तशिल्प में सौंदर्य के साथ उपयोगिता पक्ष का बाहुल्य है, जबकि कला में सौंदर्य सृजन के साथ अभिव्यक्ति एवं संप्रेषण महत्व रखता है।

हस्तशिल्प में अनुशासन और दक्षता

कला के सृजन का कोई निश्चित नियम या पूर्वनिर्धारित फार्मूला नहीं होता। कला को जबरन गढ़ा नहीं जा सकता, वह तो स्वयं अपनी अभिव्यक्ति का मार्ग खोज लेती है। कलाकार केवल माध्यम होता है, सृजन की प्रक्रिया उसके भीतर स्वतः घटित होती है। इसके विपरीत हस्तशिल्प एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया पर आधारित होता है, जहां निर्माण के स्पष्ट नियम, तकनीक और तयशुदा ढांचे मौजूद होते हैं। हस्तशिल्प में यह लगभग निश्चित रहता है कि अंत में उत्पाद कैसा होगा, जबकि कला में अंतिम परिणाम सृजन की यात्रा पूरी होने के बाद ही सामने आता है। कला की यही अनिश्चितता उसे रोमांचक और जीवंत बनाती है। यह अनपेक्षित मोड़, आकस्मिक अनुभूतियां और भावनात्मक गहराई ही कला को विशिष्ट बनाती हैं। कला-सृजन के लिए उन्मुक्त चिंतन, कल्पनाशीलता और आत्म-विस्मृति अत्यंत आवश्यक होती है। जब कलाकार अपने अहं और चेतन नियंत्रण से मुक्त होकर सृजन में डूब जाता है, तभी कला का वास्तविक रूप प्रकट होता है।

हस्तशिल्प में अनुशासन, हस्तकौशल और दक्षता का विशेष महत्व होता है। वहां अभ्यास, परंपरा और तकनीकी निपुणता ही प्रमुख आधार हैं। किंतु हस्तशिल्प में भावनाओं का गहन संप्रेषण, अंतर्मन की अभिव्यक्ति या किसी अनदेखे, अमूर्त संसार की रचना का उद्देश्य नहीं होता। यही तत्व कला को हस्तशिल्प से अलग और उच्चतर आयाम प्रदान करते हैं। कला केवल रूप या संरचना तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह संवेदना, अनुभूति और विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनती है। उसमें भाव, कल्पना और स्वतंत्रता का समन्वय होता है, जो दर्शक या श्रोता के भीतर भी एक नई चेतना का संचार करता है। इस प्रकार कला और हस्तशिल्प के बीच मूल अंतर तकनीक का नहीं, बल्कि भाव, स्वतंत्रता और सृजनात्मक अनिश्चितता का है और यही कला की आत्मा है।

अनोखी परंपरा

कोरबा : जहां बेटी को दहेज में दिए जाते हैं जहरीले सांप

शादी-विवाह में दहेज की प्रथा भारतीय समाज की एक कड़वी सच्चाई रही है। आमतौर पर दुल्हन के पिता अपनी बेटी को दहेज के रूप में महंगे तोहफे, कीमती सामान, सोने-चांदी के गहने और नकदी देते हैं। कई परिवार तो इस सामाजिक दबाव के कारण कर्ज तक ले लेते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि किसी शादी में पिता अपनी बेटी को दहेज में गहने या नकदी नहीं, बल्कि जहरीले सांप देता हो? यह बात सुनकर भले ही अचरज हो, लेकिन यह परंपरा वास्तव में भारत के एक हिस्से में आज भी जीवित है।

दहेज की यह अनोखी परंपरा छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पाई जाती है। जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित मुकुंदपुर गांव में रहने वाला संवरा जनजाति समुदाय इस परंपरा का पालन करता है। इस समुदाय में बेटी की शादी के समय दूल्हे को दहेज के रूप में 21 जहरीले सांप दिए जाते हैं। यदि यह शर्त पूरी नहीं होती, तो विवाह संपन्न नहीं माना जाता।

यह परंपरा कोई हाल की नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही है। दरअसल संवरा जनजाति के लोगों का पारंपरिक और पुश्तैनी पेशा जहरीले सांप पकड़ना है। ये लोग सांपों को पकड़कर उन्हें दिखाने का काम करते हैं और इसके बदले लोगों से पैसे लेते हैं। इसी से उनके परिवार का भरण-पोषण होता है। समुदाय की मान्यता है कि बेटी के पिता द्वारा दामाद को सांप देना, दरअसल उसकी आजीविका सुनिश्चित करना है। यह दहेज लालच या प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि बेटी के भविष्य की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि इन सांपों के माध्यम से दामाद कमाई कर सकेगा, जिससे उसकी पत्नी यानी बेटी को जीवनभर खाने-पीने या गुजर-बसर की कोई कमी न हो। आज भले ही आधुनिक समाज दहेज प्रथा को सामाजिक बुराई मानता हो, लेकिन संवरा जनजाति की यह परंपरा हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हर परंपरा का अर्थ एक जैसा नहीं होता। यह प्रथा दिखाती है कि कुछ समुदायों में दहेज भी सामाजिक सुरक्षा और आजीविका से जुड़ा हुआ एक सांस्कृतिक प्रतीक बन चुका है।

आर्ट गैलरी

समकालीन कला के विशिष्ट चित्रकार

जोगेन चौधरी के चित्रों में ग्रामीण जीवन और कोलकाता के विभिन्न पक्षों का चित्र दिखाई देता है। उनकी निजी चित्र शैली में क्रमशः परिवर्तन होता हुआ दिखाई देता है। बाद में उनकी चित्र शैली में मछली, तितली, सांप आदि को व्यंजक रूप में प्रस्तुत किया गया। वनस्पतियों के चित्रण में कहीं-कहीं खिला हुआ दिखाया गया, तो कहीं वनस्पतियों को तरोताजा दिखाया गया और कहीं उन्हें मुरझाया हुआ भी दिखाया गया है। जोगेन चौधरी ने गणेश जी के अनेक चित्र बनाए हैं। इन्होंने गणेश जी को दुबला-पतला और व्यंग्यात्मक पद्धति में दिखाया गया है। जहां तक नारी आकृतियों की बात है, तो जोगेन चौधरी ने नारी को सुंदर मांसल दिखाने के साथ-साथ नारी आकृति को दुखी रूप में भी चित्रित किया है। क्योंकि जोगेन चौधरी का जीवन प्रकृति के साथ घुला-मिला था, इसलिए इन्होंने अपने चित्रों में पुरुषों के चित्रों को कहीं-कहीं पत्तों की तरह, लता की भांति दिखाया और अंगों के उभार को फूलों की तरह दर्शाया। इनके चित्रों में चित्रित आकृतियों की अंकन शैली से व्यंग्य-विनोद के भाव उभरते हैं। स्थूल-स्थूल आकारों और तुनक मिजाज भंगिमाओं को भोले लगते चेहरे, नेताओं, व्यापारियों को देखकर आज के परिवेश और आज की यथार्थता दिखाई देती है। जोगेन चौधरी उन महत्वपूर्ण चित्रकारों में हैं, जिन्होंने समकालीन भारतीय कला में अपनी सशक्त अभिव्यक्ति से कला और समाज के रिश्ते को अच्छी तरह परिभाषित किया है।

जोगेन चौधरी के बारे में

जोगेन चौधरी का जन्म 19 फरवरी 1939 को पूर्वी बंगाल (आज का बांग्लादेश) के फरीदपुर कस्बे में हुआ था। इनके पिता प्रमथ नाथ चौधरी ब्राह्मण जमींदार थे। इनके पिता ने गांव में होने वाले नाटकों में कई पौराणिक आख्यानों को दीवारों में पेंट किया था और बहुत से हिंदू आइकॉन के चित्र भी बनाए थे। जोगेन चौधरी की माता अल्पना ड्राइंग में दक्ष थीं। 1947 तक जोगेन चौधरी गांव के परिवेश में ही रहे। 1947 में भारत विभाजन के ठीक पहले जोगेन और उनके पिता कोलकाता शिफ्ट हो गए और 1948 के बाद पूरा परिवार कोलकाता में आकर बस गया। 1951 तक उनका पूरा परिवार अपने चाचा के पुलिस डिपार्टमेंट के क्वार्टर में ही रहता रहा। इसी मकान में जोगेन ने दीवारों पर अपनी पहली पेंटिंग बनाई। 1951 में जोगेन चौधरी का परिवार शहीद नगर कॉलोनी, ढाकुरिया, कोलकाता के दूसरे घर में शिफ्ट हो गया।

लोकायन

लावणी: महाराष्ट्र की जीवंत लोक कला

लावणी अपने जोरदार लयबद्ध अंदाज के कारण भारत के सबसे लोकप्रिय लोक नृत्यों में से एक है। यह महाराष्ट्र में विशेष रूप से प्रसिद्ध है और इसमें संगीत, गीत और नृत्य का अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है। लावणी की पहचान इसकी तेज-तर्रार ढोलक की ताल और नर्तकियों के नटखट, आकर्षक हाव-भाव से होती है। यह नृत्य दक्षिणी मध्य प्रदेश में भी प्रचलित है और मराठी लोक रंगमंच के विकास में इसका बड़ा योगदान माना जाता है। लावणी को एक रोमांटिक गीत के रूप में भी देखा जाता है, जिसमें एक महिला प्रेमी के आने का इंतजार करती है और अपनी भावनाओं को गीत के माध्यम से व्यक्त करती है।

नृत्य का इतिहास

लावणी शब्द का मूल "लावण्य" शब्द से माना जाता है, जिसका अर्थ है सौंदर्य। इसमें नारी की सुंदरता, शक्ति और भावनात्मक अभिव्यक्ति का सुंदर मेल दिखाई देता है। हालांकि लावणी की उत्पत्ति की सटीक तिथि स्पष्ट नहीं है, लेकिन माना जाता है कि यह एक मनोरंजक कला के रूप में विकसित हुई थी और युद्धग्रस्त समय में सैनिकों के मनोबल को बढ़ाने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता था। 18 वीं और 19 वीं शताब्दी में महाराष्ट्र युद्धों से जूझ रहा था और उस समय लावणी का महत्व बढ़ गया। यह नृत्य थके हुए सैनिकों के मनोरंजन का प्रमुख स्रोत बन गया। पेशवा शासन के दौरान लावणी को शाही संरक्षण मिला और यह और भी अधिक लोकप्रिय हुई। मराठी कवि जैसे माननीय बाला, रामजोशी, प्रभाकर आदि ने इसे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और इस कला को साहित्यिक तथा सांस्कृतिक रूप से समृद्ध किया।

प्रदर्शन

लावणी का प्रदर्शन एक संगीत-संवाद जैसा होता है, जिसमें गीत, नृत्य, ताल और परंपरा का संयोजन होता है। ढोलक की तेज धुनों के साथ नर्तकियां अपने लयबद्ध कदमों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। लावणी के गीतों में समाज, धर्म, राजनीति और रोमांस जैसे विषयों को सहजता से प्रस्तुत किया जाता है। महाराष्ट्र की कई जातियां, जैसे महार, कोल्हाती, कुंभार और मतंग, लावणी के प्रमुख कलाकार माने जाते हैं। लावणी मुख्यत: दो प्रकार की होती है- फडाची लावणी और बैठकी लावणी। फडाची लावणी बड़े मंच पर नाटकीय रूप में प्रस्तुत की जाती है, जबकि बैठकी लावणी निजी समारोहों में, अधिक शास्त्रीय शैली में गाई जाती है।

नर्तकियों की वेशभूषा

लावणी की नर्तकियां 9 गज की नौवारी साड़ी पहनती हैं और अपने बालों को सख्ती से बांधकर रखती हैं। वे भारी गहनों जैसे हार, झुमके, पायल, कमरपट्टा, चूड़ियां आदि से सजती हैं। लावणी में बिंदी का भी विशेष महत्व है, जो नृत्य की सौंदर्यात्मकता को और बढ़ाती है।

हिंदी भाषा में कला विषयक लेखन: चुनौतियां और संभावनाएं

हिंदी भाषा में कला विषयक लेखन आज भी एक सहज और स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं बन पाया है। जबकि हिंदी भारत की सबसे व्यापक रूप से बोली और समझी जाने वाली भाषा है, फिर भी कला विमर्श के क्षेत्र में उसका स्थान अपेक्षाकृत सीमित दिखाई देता है। इसके पीछे ऐतिहासिक, संस्थागत, सामाजिक और बाजार से जुड़ी अनेक जटिल वजहें हैं, जिन पर विचार करना आवश्यक है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

इस मामले में एक बड़ी चुनौती भाषा और शब्दावली से जुड़ी है। आधुनिक कला विमर्श में जिन अवधारणाओं-जैसे मॉडर्निज्म, कन्सेप्चुअल आर्ट, इंस्टीच्युशनल क्रिटिक, एस्थेटिक, क्युरोटोरियल प्रैक्टिस का व्यापक उपयोग होता है, उनके लिए हिंदी में या तो सर्वमान्य शब्द नहीं हैं या जो अनुवाद उपलब्ध हैं, वे प्रचलन में नहीं आ सके। परिणामस्वरूप हिंदी में कला लेखन करने वाला लेखक या तो अंग्रेजी शब्दों का सहारा लेने को विवश होता है या फिर अत्यधिक व्याख्यात्मक भाषा अपनाता है, जिससे लेखन का प्रवाह बाधित होता है।

ऐसे में एक सुझाव तो यही है कि इन शब्दों को ज्यों का त्यों प्रयोग किया जाए। क्योंकि इस तरह के शब्द अब सहजग्राह्य हो चुके हैं और इसका धड़ल्ले से प्रयोग कला जगत में आम बातचीत में होता है। दूसरी बड़ी चुनौती कला संस्थानों और अकादमिक ढांचे से जुड़ी है। भारत में कला शिक्षा, कला इतिहास और कला आलोचना से संबंधित अधिकांश पाठ्यक्रम, शोध और प्रकाशन अंग्रेजी में केंद्रित रहे हैं। ललित कला अकादमियां, विश्वविद्यालय, संग्रहालय और गैलरियां भी लंबे समय तक अंग्रेजी को ही 'गंभीर विमर्श' की भाषा मानती रही हैं। इस संस्थागत झुकाव का सीधा प्रभाव हिंदी लेखन की संख्या, गुणवत्ता और दृश्यता पर पड़ा।

तीसरा पहलू कला बाजार से जुड़ा है। यह सच है कि भारतीय कला बाजार पर आज भी एक अभिजात्य वर्ग का प्रभुत्व है, जो अंग्रेजी को अपनी बौद्धिक और सामाजिक पहचान से जोड़कर देखता है। चूंकि अधिकांश कला संग्राहक, क्यूरेटर और गैलरी संचालक इसी वर्ग से आते हैं, इसलिए प्रदर्शनी कैटलॉग, प्रेस रिलीज और आलोचनात्मक लेखन में अंग्रेजी को प्राथमिकता दी जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हिंदी पट्टी के कलाकार भी अपनी प्रस्तुति में अंग्रेजी को अनिवार्य मान लेते हैं, चाहे उनका सामाजिक-सांस्कृतिक अनुभव हिंदी का ही क्यों न हो। हालांकि इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच कुछ सकारात्मक बदलाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। पिछले एक-दो दशकों में हिंदी में कला विषयक पुस्तकों की संख्या बढ़ी है, चाहे वे कला इतिहास, लोक एवं आदिवासी कला, आधुनिक भारतीय कला या समकालीन विमर्श पर आधारित हों। इसके साथ ही आलेखन डॉट इन जैसी वेबसाइटों और अन्य डिजिटल मंचों ने हिंदी कला लेखन को एक नया विस्तार दिया है। ये मंच न केवल लेखकों को अभिव्यक्ति का अवसर दे रहे हैं, बल्कि एक ऐसे पाठक वर्ग का निर्माण भी कर रहे हैं, जो कला को अपनी भाषा में समझना चाहता है। डिजिटल माध्यमों की भूमिका यहां विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। सोशल मीडिया, ऑनलाइन पत्रिकाएं और ब्लॉग्स ने उस दूरी को कुछ हद तक पाटा है, जो पहले कला और आम हिंदी पाठक के बीच थी।

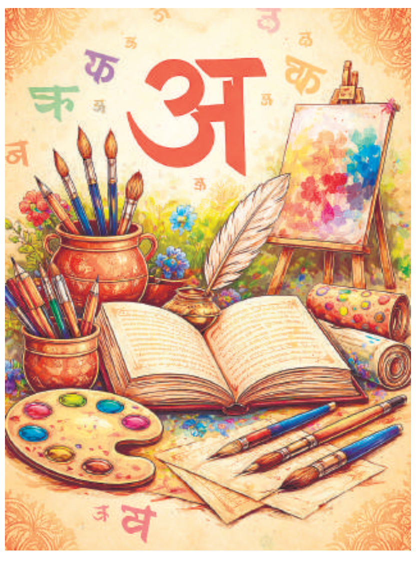

आज युवा लेखक, कलाकार और समीक्षक बिना किसी बड़े संस्थागत समर्थन के भी हिंदी में सार्थक कला विमर्श खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, किंतु इन सबके बावजूद आवश्यकता इस बात की भी है कि हिंदी के समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में नियमित रूप से कला विषयक लेख, समीक्षा, परिचर्चा और साक्षात्कार का प्रकाशन होता रहे।

अंततः यह कहा जा सकता है कि हिंदी में कला विषयक लेखन की चुनौती केवल भाषा की नहीं, बल्कि दृष्टि और संरचना की भी है। जब तक कला विमर्श को अभिजात्य दायरे से बाहर निकालकर व्यापक सांस्कृतिक संवाद का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा, तब तक हिंदी को उसका वाजिब स्थान नहीं मिल पाएगा। हाल के प्रयास यह संकेत देते हैं कि हिंदी कला लेखन धीरे-धीरे अपनी जमीन तलाश रहा है और यही भविष्य के लिए सबसे आशाजनक संकेत है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	82,180.47	25,232.50
गिरावट	1,065.71	353
प्रतिशत में	1.28	1.38

सोना 1,53,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,23,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार, 21 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1870, फ़ॉर्चून कि. 2365, रविन्द्रा 2460, फॉर्चुन 13 किग्रा 2085, जय जवान 2065, सचिन 2060, सूरज 2065, अवसर 1900, उजाला 1985, गृहणी 13 किग्रा 1910, क्लासिक (किग्रा) 2235, मोर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2325, स्वास्तिक 2520

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 15000–17800, धनिया 9400–12000, अजवायान 13500–20000, मेथी 6000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300–400, मखाना 800–1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050, लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800–8500, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 10400, उड़द साबुत दिल्ली 10200, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800–10400, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700–8400, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8200, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000–10300, अरहर कोरी छोटी 11400

चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती– 3100, मसूरी– 760, बासमती– 5400, परमल– 1100

दाल दलहन : काला चना– 2400, साबुत चना दाल– 1300, मूंग साबुत– 4000, राजमा– 8100–11400, दाल उड़द– 5200, साबुत मसूर दाल– 2000, मसूर दाल– 1900, उड़द साबुत– 3800, काबुली चना– 7600, अरहर दाल– 10300, लोबिया/करमानी– 1200

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 4 माह के उच्चतम स्तर 3.7 प्रतिशत पर

उर्वरक-सीमेंट में आया उछाल, कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पाद घटे

नई दिल्ली, एजेंसी

उर्वरक और सीमेंट उत्पादन में उछाल से बीते महीने देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 3.7 प्रतिशत रही। यह चार महीने का उच्चतम स्तर है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2024 में यह दर 5.1 प्रतिशत थी। इस तरह बीते महीने के आंकड़े में सालाना आधार पर गिरावट है। पिछले साल नवंबर में यह आंकड़ा 2.1 प्रतिशत था।

समीक्षाधीन महीने के दौरान कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन बढ़ने की रफ्तार घट गई। इस दौरान उर्वरक के उत्पादन में 4.1 प्रतिशत और सीमेंट के उत्पादन में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दिसंबर 2025 में कोयला उत्पादन 3.6 प्रतिशत, इस्पात उत्पादन 6.9 प्रतिशत और बिजली उत्पादन 5.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा। बिजली उत्पादन में नवंबर 2025 के मुकाबले बढ़ोत्तरी हुई,

क्योंकि नवंबर में इसमें 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान इन आठ क्षेत्रों के उत्पादन में 2.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.5 प्रतिशत थी। आठ प्रमुख उद्योगों की औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि आईआईपी वृद्धि दर नवंबर 2025 के 6.7 प्रतिशत से घटकर दिसंबर 2025 में लगभग 4.5-5 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान है।

फिक्की विनिर्माण सूचकांक तीसरी तिमाही में उच्चतम स्तर पर पहुंचा

- आठ प्रमुख क्षेत्रों के विनिर्माताओं के प्रदर्शन एवं बाजार की स्थिति का किया आकलन

नई दिल्ली। उत्पादन लागत अधिक रहने के बावजूद फिक्की विनिर्माण सूचकांक चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। इसमें 91% कंपनियों ने स्थिर या उससे अधिक उत्पादन दर्ज किया है जो जुलाई–सितंबर के 87 प्रतिशत से अधिक है। फिक्की के विनिर्माण पर तिमाही सर्वेक्षण (क्यूएसएम) के 68वें संस्करण में तीसरी (अक्टूबर–दिसंबर) तिमाही में आठ प्रमुख क्षेत्रों के विनिर्माताओं के प्रदर्शन एवं बाजार की स्थिति का आकलन किया गया। इनमें मोटर वाहन कलपुर्जों, पूंजीगत सामान, रसायन, उर्वरक तथा दवा, इलेक्ट्रॉनिक एवं इलेक्ट्रिकल, मशीन उपकरण, धातु व धातु उत्पाद, वस्त्र, परिधान तथा प्रौद्योगिकी वस्त्र तथा विविध वस्तुएं शामिल हैं। लघु एवं मझोले उद्यम दोनों क्षेत्रों की विनिर्माण इकाइयों से प्रतिक्रियाएं प्राप्त की गई हैं, जिनका वार्षिक कारोबार संयुक्त रूप से तीन लाख करोड़ से अधिक है। 57% उत्तरदाताओं ने बिक्री के प्रतिशत के रूप में उत्पादन लागत में वृद्धि की जानकारी दी जो पिछली तिमाही के निष्कर्षों के अनुरूप है और यह दर्शाता है कि लागत अब भी अधिक है। उद्योग मंडल ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादन लागत में वृद्धि मुख्य रूप से कच्चे माल की उच्च लागत, मुद्रा में उतार–चढ़ाव और लॉजिस्टिक, बिजली एवं यूटिलीटी लागत में वृद्धि के कारण हुई है। तीसरी तिमाही (अक्टूबर–दिसंबर) में विनिर्माण सूचकांक का प्रदर्शन भारत के विनिर्माण क्षेत्र में निरंतर वृद्धि एवं बढ़ते आशावाद को दर्शाता है।

चीनी उत्पादन 22 प्रतिशत बढ़कर हुआ 159 लाख टन : इस्मा

नई दिल्ली, एजेंसी

गन्ने की अधिक आपूर्ति और बेहतर पैदावार के चलते भारत का चीनी उत्पादन 2025-26 सत्र में 15 जनवरी तक सालाना आधार पर 22% बढ़कर 1.59 करोड़ टन हो गया है। उद्योग संगठन इस्मा ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

भारतीय चीनी एवं बायो-ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) ने कहा कि पिछले साल इसी अवधि में उत्पादन 1.3 करोड़ टन था। इस साल 15 जनवरी तक 518 चीनी मिलें चालू थीं, जबकि एक साल पहले यह संख्या 500 थी। देश में चीनी का सत्र अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। सबसे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन सालाना आधार पर 42.7 लाख टन से 51% बढ़कर 64.5 लाख टन हो गया। उत्तर प्रदेश में उत्पादन 42.8 लाख टन से बढ़कर 46 लाख टन हो गया। कर्नाटक का उत्पादन सालाना आधार पर 27.5 लाख टन से बढ़कर 31 लाख टन हो गया।

इस्मा ने कहा कि गन्ने की पर्याप्त उपलब्धता, बेहतर पैदावार और प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में सुचारू कामकाज के कारण 2025-26 के सत्र में भारत के चीनी क्षेत्र ने अब तक स्थिर प्रगति की है। उद्योग निकाय ने चेतावनी दी कि गन्ने की बढ़ती कीमतों और चीनी की कीमतों में गिरावट से मिलों की वित्तीय स्थिति खराब हो रही है और किसानों को गन्ने के भुगतान में देरी हो रही है।

इस्मा ने बताया कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में मिलों

- उत्तर प्रदेश में उत्पादन 42.8 लाख टन से बढ़कर 46 लाख टन पहुंचा, कर्नाटक ने भी दर्ज की बढ़ोतरी
- उद्योग निकाय ने कहा- गन्ने की बढ़ती और चीनी के गिरते दाम से मिलों को हानि, किसानों के भुगतान में देरी

से निकलने वाली चीनी की कीमतें गिरकर 3,550 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गई हैं, जो उत्पादन लागत से काफी कम है। संस्था ने कहा कि चीनी का भंडार बढ़ रहा है और संकेत मिल रहे हैं कि गन्ने के भुगतान का बकाया बढ़ना शुरू हो गया है। अगर मौजूदा हालात बने रहे तो यह और बढ़ सकता है। इस्मा ने वित्तीय स्थिरता बहाल करने और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) में जल्द संशोधन की मांग की है।

कर राहत, ऋण कोष के लिए इंडेक्सेशन लाभ बहाल करे केंद्र सरकार : एम्फी

नई दिल्ली, एजेंसी

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) ने सरकार से आगामी बजट 2026-27 में ऋण (बॉण्ड) कोष के लिए इंडेक्सेशन लाभों को बहाल करने की मांग की। एम्फी ने साथ ही म्यूचुअल फंडों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के समान कर लाभों के साथ पेंशन आधारित योजनाएं पेश करने की अनुमति देने का आग्रह भी किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लोकसभा में आम बजट पेश करेंगी।

इंडेक्सेशन वह तरीका है, जिससे निवेश पर होने वाले मुनाफे में महंगाई को समायोजित किया जाता है,

- निकाय ने की एलटीसीजी पर कर मुक्त छूट की सीमा बढ़ाने की मांग

जिससे कर का बोझ कम हो जाता है। म्यूचुअल फंड निकाय ने खुदरा और दीर्घकालिक निवेशकों को अधिक राहत देने के लिए इक्विटी निवेश से होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर कर मुक्त छूट की सीमा बढ़ाने की भी मांग की है। वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट के लिए अपनी सिफारिशों में एम्फी ने सरकार से इक्विटी एलटीसीजी (एलटीसीजी) के लिए कर मुक्त छूट की सीमा को 1.25 लाख से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने का आग्रह किया है। उसने कहा कि एमएफ उद्योग में स्थिर दीर्घकालिक पूंजी को प्रोत्साहित करने को पांच वर्ष से अधिक समय तक रखी गई इकाइयों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ से छूट की सिफारिश की है। इससे सुनिश्चित होगा कि निवेशक लंबी अवधि तक निवेशित रहें। एम्फी ने एमएफ की ऋण योजनाओं के लिए दीर्घकालिक इंडेक्सेशन लाभ को बहाल करने का अनुरोध किया है, जिसे बजट 2024 में वापस ले लिया गया था।

सोना 1.5 लाख के पार, चांदी 20,400 रुपये उछली

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना मंगलवार को मजबूत मांग के कारण 5,100 रुपये की छलांग लगाते हुए पहली बार 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया जबकि चांदी ने 20,400 रुपये के उछाल के साथ नया रिकॉर्ड बना दिया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि सोना 5,100 रुपये की बढ़त के साथ 1,53,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर) पर पहुंच गया। साथ ही सोने ने 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम का अहम मनोवैज्ञानिक स्तर भी पार कर लिया। सोना सोमवार को 1,48,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतों ने भी सर्राफा बाजार में मजबूती दिखाते हुए नया उच्चतम स्तर छू लिया। सफेद

- विदेशी बाजारों में भी सोना और चांदी की मांग में रही तेजी

धातु 20,400 रुपये यानी 7% बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर) पर पहुंच गई। सोमवार को चांदी की कीमतों में 10,000 रुपये की तेजी देखी गई थी, जिससे यह तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर गई थी।

विदेशी बाजारों में भी सोना और चांदी की मांग में तेजी रही। फॉरेक्स डॉटकॉम के आंकड़ों के मुताबिक, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना पहली बार 4,700 डॉलर प्रति औंस का स्तर के पार पहुंचा। सोने में 66.38 डॉलर यानी 1.42% की बढ़त के साथ कीमत 4,737.40 डॉलर प्रति औंस पहुंच गई।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी हाजिर चांदी ने नया रिकॉर्ड बनाया और 95.88 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, सुरक्षित निवेश की मांग और आभूषणों एवं निवेशकों से आने वाली लगातार मांग से कीमती धातुओं में यह तेजी देखी जा रही है।

वायदा में भी पीले-सफेद धातु की चमक बढ़ी

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से सोने का वायदा भाव मंगलवार को 1.5 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर के पार पहुंचा। चांदी भी 3.27 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के उच्चतम स्तर पहुंची। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में फरवरी में आपूर्ति वाले सोने का भाव 6,861 रुपये यानी 4.7% चढ़कर 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि और रुपये के कमजोर होने से सोने की कीमत में वृद्धि हो रही है। आपूर्ति वाले चांदी के अनुबंधों का वायदा भाव 6% चढ़कर 3,27,998 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंचा।

ईडी रिट दायर कर सकती है या नहीं, सुप्रीम कोर्ट करेगा तय

न्यायालय ने केरल-तमिलनाडु की अपीलों पर जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को इस मुद्दे पर सुनवाई करने पर सहमति जताई कि क्या प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत एक न्यायिक इकाई (ज्यूरिस्टिक पर्सन) के रूप में अपने अधिकारों के प्रवर्तन के लिए उच्च न्यायालयों में रिट याचिका दायर कर सकती है। ज्यूरिस्टिक पर्सन वह गैर-इंसानी कानूनी इकाई होती है, जिसे कानून द्वारा मान्यता दी जाती है और जिसे मानव की तरह अधिकार और दायित्व प्राप्त होते हैं।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने केरल और तमिलनाडु सरकारों की अपीलों पर ईडी को नोटिस जारी किया। इन अपीलों में केरल हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें ईडी को अनुच्छेद 226 के तहत रिट याचिका दायर करने का अधिकार होने की पुष्टि की गई थी। अनुच्छेद 226 हाईकोर्ट को कुछ रिट

- संविधान के अनुच्छेद 226 से संबंधित मुद्दे पर सुनवाई के लिए जताई सहमति

जारी करने की शक्ति से संबंधित है। केरल हाईकोर्ट ने गत वर्ष 26 सितंबर को पारित आदेश में एकल न्यायाधीश के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें 2020 में राजनयिक माध्यम से हुए सोना तस्करी मामले में ईडी की जांच से संबंधित न्यायिक जांच पर रोक लगाई थी। यह न्यायिक जांच आयोग उन आरोपों के बाद गठित हुआ था, जिनमें कहा गया था कि ईडी अधिकारियों ने आरोपियों पर दबाव डालकर मुख्यमंत्री समेत नेताओं को सोना तस्करी मामले में फंसाने की कोशिश की। हाईकोर्ट ने केरल सरकार की उस अपील को खारिज किया था, जिसमें एकल पीठ के अंतरिम स्थगन आदेश को चुनौती दी गई थी।

अदालत ने कहा था कि अपील में कोई दम नहीं है और ईडी की याचिका पर सुनवाई कर जांच पर रोक लगाने में एकल पीठ ने कोई त्रुटि नहीं की। यह मामला 7 मई 2021 की राज्य सरकार की अधिसूचना से उत्पन्न हुआ था, जिसमें आयोग जांच अधिनियम, 1952 के तहत ईडी अधिकारियों के खिलाफ न्यायिक जांच का आदेश दिया गया था। ईडी के उप निदेशक ने हाईकोर्ट का रुख करते हुए सवाल उठाया था कि क्या राज्य सरकार को किसी केंद्रीय जांच एजेंसी के खिलाफ जांच का आदेश देने का अधिकार है। एकल पीठ ने यह माना कि ईडी को अधिकार प्राप्त है और 11 अगस्त 2021 को अधिसूचना पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसके बाद राज्य सरकार ने इसके खिलाफ अपील दायर की।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : संबंधित याचिकाओं पर 28 को सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला से जुड़ीं 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई मंगलवार को 28 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। इन याचिकाओं में आरोपियों की जमानत याचिकाएं भी हैं। उच्चतम न्यायालय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को जमानत देने के खिलाफ दायर ईडी की याचिका पर भी अगले बुधवार को सुनवाई करेगा। मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विपुल पंचोली की पीठ ने पूर्व नौकरशाह सौम्या चौरसिया की अलग याचिका पर राज्य सरकार और जांच एजेंसी को नोटिस जारी किए। चौरसिया छत्तीसगढ़ कैडर की लोकसेवक थीं। वह पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यालय में उप सचिव और विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) थीं। कोयला घोटाला मामले में शीर्ष अदालत से जमानत मिलने के बाद जांच एजेंसियों ने शराब घोटाले में उन्हें फिर से गिरफ्तार किया था। चौरसिया के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह प्राथमिकी को निरंतर बनाए रखने का मामला है और उच्चतम न्यायालय की पूरी तरह से अनदेखी है।

रिट अदालतें सभी समस्याओं का समाधान नहीं

उच्चतम न्यायालय ने एक यूट्यूबर की उस याचिका को मंगलवार को खारिज कर दिया, जिसमें उसने फिल्म निर्माता के आरोपों को लेकर चेन्नई में सील किये उसके कार्यालय को खोलने और जब्त उपकरण लौटाने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। फिल्म निर्माता ने यूट्यूबर पर मारपीट और वसूली का आरोप लगाया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश को चुनौती देने वाली सावुक्कू शंकर की याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया और उसे न्यायिक मजिस्ट्रेट का रुख करने को कहा। पीठ ने शंकर के अधिवक्ता बालाजी श्रीनिवासन से कहा कि यह मत सोचिए कि रिट अदालत सभी समस्याओं का रामबाण इलाज है। याचिका खारिज की जाती है। उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के लिये रिट अदालत शब्द का भी इस्तेमाल किया जाता है। मद्रास हाईकोर्ट ने 30 दिसंबर 2025 को सीलिंग आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था और यूट्यूबर को संबंधित मजिस्ट्रेट का रुख करने का निर्देश दिया था।

एआईबीई में एलएलबी के अंतिम सेमेस्टर के छात्र हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि उसने कानून के अंतिम वर्ष के छात्रों के अखिल भारतीय बार परीक्षा (एआईबीई) में शामिल होने के लिए नियम तैयार किये हैं और यह वर्ष में दो बार आयोजित की जाएगी। एआईबीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा है। विधि स्नातकों के वकालत करने के लिए प्रमाण पत्र प्राप्त करने के वास्ते इसमें शामिल होना आवश्यक है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ 2024 में दायर रिट याचिका की सुनवाई कर रही थी, जिसमें अंतिम सेमेस्टर के छात्रों को एआईबीई में शामिल होने की अनुमति देने के निर्देश का अनुरोध किया गया था। पीठ ने दलीलें दर्ज कीं और याचिका का निस्तारण कर दिया।

नितिन ने 12वें अध्यक्ष के रूप में संभाला पदभार

नई दिल्ली, एजेंसी

नितिन नबीन के मंगलवार को भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालने के साथ पार्टी के एक नये अध्याय की शुरूआत हो गई। उन्होंने जेपी नड्डा की जगह ली है। नवीन ऐसे समय में भाजपा अध्यक्ष बने हैं जब वह देश की राजनीति पर अपनी पकड़ और मजबूत करने की कोशिश कर रही है और पार्टी संगठन में पीढ़ीगत बदलाव के जरिए अपना प्रभाव विस्तारित करना चाहती है।

इस अवसर पर भाजपा मुख्यालय की सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब बात पार्टी के विषयों की आती है, तब वह एक कार्यकर्ता हैं। नबीन के नाम की घोषणा के बाद, प्रधानमंत्री और अन्य वरिष्ठ नेता उन्हें पार्टी मुख्यालय स्थित उनके नये कार्यालय में ले गए, जहां उन्होंने आधिकारिक तौर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष नड्डा और पार्टी

- भाजपा मुख्यालय में आयोजित सभा को मोदी ने किया संबोधित

महासचिव बीएल संतोष मौजूद थे। नबीन की पत्नी, बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य भी वहां उपस्थित थे। इससे पहले, पार्टी मुख्यालय की सभा में मोदी ने नवीन को युवा ऊर्जा और संगठन में व्यापक अनुभव वाला मिलेनियल बताया, जो पार्टी के लिए मददगार साबित होगा। मिलेनियल शब्द आमतौर पर ऐसे व्यक्ति के लिए उपयोग किया जाता है, जिसका जन्म 1980 से लेकर 1990 के मध्य हुआ हो। नबीन ने अपने संबोधन में लोगों, खासकर युवाओं से राजनीति में आने की अपील की ताकि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा किया जा सके।

असम में हिंसा, आरएएफ तैनात और इंटरनेट बंद

कोकराझार/गुवाहाटी, एजेंसी

असम के कोकराझार जिले में मंगलवार को भीड़ की हिंसा के बाद बोडो और आदिवासियों के बीच झड़पें हुईं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) को तैनात किया गया और इंटरनेट/मोबाइल डेटा सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गईं।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि सेना की तैनाती के लिए प्रक्रिया जारी है और कोकराझार में झड़पों और हिंसा के बाद आरएएफ तैनात है। कोकराझार और पड़ोसी चिरांग जिले में इंटरनेट/मोबाइल डेटा सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और सरकार की मदद करने की अपील की। मुख्यमंत्री अभी विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की

असम के कोकराझार में हिंसा के बाद तैनात सुरक्षाकर्मी।

- हिंसा के बाद बोडो और आदिवासी समुदाय आमने-सामने, एक व्यक्ति की मौत
- मुख्यमंत्री सरमा ने की शांति बनाए रखने और सरकार की मदद करने की अपील

बैठक में भाग लेने के लिए दावोस में हैं।

उन्होंने एक्स पर कहा कि वह राज्य और जिला प्रशासन के अधिकारियों के संपर्क में हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्थिति सामान्य हो जाए। उन्होंने राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के नेताओं से जिले में सामान्य स्थिति बहाल करने में सहयोग की अपील की। पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ कोकराझार रवाना हो गए हैं। गृह विभाग के अधिकारी ने बताया कि सोमवार रात कोकराझार में तीन बोडो लोगों को ले जा रहे वाहन से दो आदिवासियों को टक्कर लगी। ग्रामीणों ने तीनों बोडो से मारपीट की और वाहन को आग लगा दी। इसमें एक की मौत हो गई।

एसआईआर सुनवाई के लिए भारतीय गेंदबाज शमी हुए पेश

कोलकाता। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी मंगलवार को पश्चिम बंगाल में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत अपनी निर्धारित सुनवाई के लिए कोलकाता में चुनाव अधिकारियों के सामने पेश हुए। अधिकारी ने बताया कि शमी दक्षिण कोलकाता के बिक्रमगढ़ इलाके के स्कूल में आवश्यक दस्तावेजों के साथ चुनाव अधिकारियों के सामने पेश हुए।

सुनवाई पूरी होने के बाद शमी ने कहा कि एसआईआर हर किसी की ज़िम्मेदारी है और इस प्रक्रिया के दौरान सभी को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे कोई परेशानी नहीं हुई और चुनाव अधिकारियों ने इसे अच्छे से संभाला। मैं 25 सालों से यहीं रह रहा हूं। वे मुझे दोबारा बुलाते हैं, तो मैं आऊंगा। राज्य के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के कार्यालय के अधिकारी ने बताया कि शमी द्वारा भरे गणना प्रपत्र में कुछ स्थानों पर विसंगतियां थीं, जिससे उन्हें सुनवाई के लिए तलब किया गया था।

बंगाल में एसआईआर के दौरान उत्पीड़न के खिलाफ प्रदर्शन

कोलकाता, एजेंसी

प. बंगाल के विभिन्न जिलों में मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान लोगों के कथित उत्पीड़न के कारण विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और कई स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध कर दी गईं तथा टायर जलाए गए। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दक्षिण और उत्तर 24 परगना, झाड़ग्राम और पूर्व मेदिनीपुर जिलों में विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके बाद पुलिस को इन क्षेत्रों में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ानी पड़ी। इससे एक दिन पहले उच्चतम न्यायालय ने आदेश में कहा था कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और इससे कोई

- सही दस्तावेज के बावजूद बुजुर्ग और मतदाताओं को नोटिस देने का लोगों ने लगाया आरोप

असुविधा नहीं होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग (ईसी) को यह निर्देश भी दिया कि तर्कसंगत विसंगतियों वाली सूची में शामिल लोगों के नाम उन ग्राम पंचायत भवनों और ब्लॉक कार्यालयों में प्रदर्शित किए जाएं, जहां दस्तावेज और आपत्तियां प्रस्तुत की जाएंगी।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सही दस्तावेज होने के बावजूद बुजुर्ग और मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कई क्षेत्रों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुद्ध किया।

मुर्शिदाबाद में बार-बार हो रही हिंसा से हाईकोर्ट चिंतित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बार-बार हो रही हिंसा और अशांति पर चिंता व्यक्त करते हुए, कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस और प्रशासन को वहां शांति बनाए रखने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि राज्य सरकार आवश्यकता पड़ने पर केंद्रीय बल की मांग कर सकती है।

- पुलिस और प्रशासन को शांति बनाए रखने का दिया निर्देश

अदालत ने मुर्शिदाबाद के पुलिस अधीक्षक और जिला मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय करने का निर्देश दिया कि वहां हिंसा या अशांति की कोई और घटना न हो। पड़ोसी राज्यों में प्रवासी श्रमिकों पर कथित हमलों के संबंध में पिछले सप्ताह मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में हुई हिंसा के मद्देनजर केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग करते हुए अदालत में दो जनहित याचिकाएं दायर की गईं। झारखंड में बेलडांगा निवासी एक प्रवासी मजदूर की मौत के विरोध में 16 जनवरी को प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को लगभग छह घंटे तक अवरुद्ध रखा।

इस्लामिक स्टेट ने ली काबुल में चीनी रेस्टोरेंट में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी

काबुल, एजेंसी

- चीनी नागरिक समेत सात लोगों की हुई थी मौत, 25 लोग घायल

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक चीनी रेस्तरां में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह ने ली है और धमाके के कारणों की जांच अब भी जारी है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इस विस्फोट में चीन के एक नागरिक समेत सात लोग मारे गए।

आतंकवादी समूह ने सोमवार देर रात समाचार एजेंसी अमाक पर जारी एक बयान में कहा कि एक आत्मघाती हमलावर शहर के एक रेस्तरां में घुस और विस्फोट कर दिया। इस रेस्तरां में अक्सर चीनी नागरिक आते-जाते थे। हमले में तालिबान के सुरक्षाकर्मियों समेत 25 लोग हताहत हुए। इन विवरणों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। अफगान प्राधिकारियों ने सोमवार को हुए विस्फोट के कारण की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है और गृह मंत्रालय के प्रवक्ता मुफ्ती अब्दुल मतीन क़ानी ने मंगलवार को कहा कि इसकी अब भी जांच की जा रही है। तालिबान ने 2021 में काबुल पर कब्जा कर लिया था और सभी देशों ने अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुला ली थीं, लेकिन चीन ने आर्थिक उपस्थिति बनाए रखी है।

चीनी नागरिकों की सुरक्षा का आग्रह

बीजिंग। चीन ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से अपने नागरिकों, परियोजनाओं और संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने का मंगलवार को आग्रह किया। यह अपील काबुल में एक चीनी रेस्तरां में हुए घातक विस्फोट के बाद की गई है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां बताया कि इस विस्फोट में एक चीनी नागरिक की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, जान गंवाने वाले लोगों के प्रति चीन गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

दावोस में बर्फ की परतें क्या पिघलेंगी

विश्व आर्थिक मंच की दावोस में होने वाली वार्षिक बैठक हमेशा से वैश्विक अर्थव्यवस्था और नीतिगत बदलावों का केंद्र रही है। लेकिन साल 2026 की इस बैठक में ग्रीनलैंड का मुद्दा गरमाया हुआ है जो न केवल पर्यावरण से जुड़ा है, बल्कि वैश्विक सत्ता के संतुलन को भी बदल सकता है। दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप ग्रीनलैंड वर्तमान में जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। बर्फ पिघलने के साथ इसके नीचे दबे अकूत खनिज भंडार और दुर्लभ पृथ्वी तत्व दुनिया की नजरों में आ गए हैं। दावोस 2026 में यह सवाल प्रमुखता से उठ रहा है कि क्या यह द्वीप भविष्य की ग्रीन इकोनॉमी का इंजन बनेगा या महाशक्तियों के बीच नए शीत युद्ध का अखाड़ा? बहरहाल इस वैश्विक मंच से ग्रीनलैंड की बर्फ की परतों के नीचे दबी भू-राजनीति के पिघलने की उम्मीद ही की जा सकती है।

ग्रीनलैंड पर महासंग्राम

अमेरिका-ईयू के साथ अन्य दावेदार

- अमेरिका इसे अपनी सुरक्षा और आर्कटिक रणनीति के लिए अनिवार्य मानता है, जबकि यूरोपीय संघ (ईयू) इसे अपनी ग्रीन डील के लिए कच्चे माल का सबसे भरोसेमंद स्रोत देख रहा है। दूसरी ओर, रूस और चीन की बढ़ती सक्रियता ने पश्चिमी देशों की नींद उड़ा दी है। रूस जहां आर्कटिक में अपने सैन्य प्रभुत्व को ग्रीनलैंड के करीब तक ले जाना चाहता है, वहीं चीन पोलर सिल्क रोड के जरिए यहां भारी निवेश कर रहा है। दावोस का मंच इन विरोधाभासों को सुलझाने का एक आखिरी कूटनीतिक प्रयास हो सकता है, जहां व्यापारिक हितों और संप्रभुता के बीच एक महीन रेखा खींचने की कोशिश की जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप तो किसी भी की कीमत पर ग्रीनलैंड को हासिल कर लेना चाहते हैं। उनका कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल किया जाना बहुत जरूरी है और हम इसके लिए सैन्य प्रयास भी कर सकते हैं।

रक्षा बनाम संसाधन

- अमेरिका : अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड का मुद्दा केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक है। आर्कटिक में रूस की बढ़ती मिसाइल क्षमता को देखते हुए ग्रीनलैंड में मौजूद थ्यूल एयर बेस का महत्व बढ़ गया है।
- यूरोपीय संघ : ईयू के लिए ग्रीनलैंड एक रणनीतिक साझेदार है। चूंकि डेनमार्क ईयू का हिस्सा है और ग्रीनलैंड उसका स्वायत्त क्षेत्र है, इसलिए ब्रुसेल्स यहां से लिथियम, कोबाल्ट और जिंक की आपूर्ति चाहता है।

ग्रीनलैंड कीमती क्यों

- दुर्लभ खनिज : यहां दुनिया के 25% दुर्लभ पृथ्वी तत्व होने का अनुमान है, जो स्मार्टफोन और इलेक्ट्रिक कारों के लिए जरूरी हैं।
- नए व्यापारिक मार्ग : बर्फ पिघलने से जहाजों के लिए एशिया से यूरोप का रास्ता 40% छोटा हो जाएगा।
- रणनीतिक स्थिति : उत्तरी अमेरिका और यूरोप के बीच होने से महत्वपूर्ण।

रूस और चीन का रुख

- रूस : रूस का कहना है कि आर्कटिक क्षेत्र केवल पश्चिमी देशों की जागीर नहीं है। दावोस में रूसी प्रतिनिधियों का तर्क है कि ग्रीनलैंड के आसपास के जलक्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता होनी चाहिए। रूस अपनी 'नॉर्दर्न सी रूट' परियोजना को ग्रीनलैंड के आर्थिक विकास से जोड़कर देख रहा है।
- चीन : चीन खुद को नियर-आर्कटिक स्टेट घोषित कर चुका है। दावोस में चीन का पक्ष स्पष्ट है कि वे ग्रीनलैंड के बुनियादी ढांचे और खनन क्षेत्र में निवेश करना चाहते हैं। चीन का तर्क है कि आर्थिक विकास पर किसी एक देश का एकाधिकार नहीं होना चाहिए, जो सीधे तौर पर अमेरिका को चुनौती है।

आगे की राह

दावोस में ग्रीनलैंड मुद्दे का समाधान रातों-रात नहीं निकलेगा, लेकिन यह मंच संवाद की शुरुआत जरूर कर सकता है। 2026 तक ग्रीनलैंड की सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी जमीन को भू-राजनीतिक मोहरा नहीं बनने देगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

इस्तीफा देंगे बुल्गारिया के राष्ट्रपति रादेव

सोफिया। बुल्गारिया के वामपंथी झुकाव वाले राष्ट्रपति रूमेन रादेव ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। रादेव ने संकेत दिया है कि वह आगामी चुनाव में हिस्सा ले सकते हैं, जिसकी व्यापक उम्मीद की जा रही है क्योंकि हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद मध्य-दक्षिणपंथी सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। रादेव ने कहा कि वह मंगलवार को अपना इस्तीफा औपचारिक रूप से संवैधानिक न्यायालय को सौंपेंगे। संविधान के तहत मौजूदा उपराष्ट्रपति इलियाना योतोवा को संसद द्वारा शपथ दिलाई जाएगी और वह राष्ट्रपति कार्यकाल की शेष अवधि तक इस पद पर रहेंगी।

मत्स्य पालन गोलमेज सम्मेलन आज

नई दिल्ली। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्य विभाग की ओर से द्विपक्षीय व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय बाजार संपर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से 21 जनवरी को यहां समुद्री खाद्य निर्यात संवर्द्धन के विषय में राजदूतों और उच्चायुक्तों के साथ गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की ओर से मंगलवार को बताया गया कि केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

जासूसी में नौ की मौत की सजा बरकरार

सना। हूती समूह द्वारा संचालित राजधानी सना स्थित एक अदालत ने सोमवार को जासूसी के आरोप में दोषी ठहराए गए नौ यमनियों की मौत की सजा को बरकरार रखा। हूती -संचालित अल-मसीरा टीवी ने बताया कि अदालत ने नौ आरोपियों के खिलाफ मूल फैसले को बरकरार रखा है, जिन पर हूती समूह अमेरिका, इजरायल और सऊदी अरब सहित विदेशी देशों के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया है। चैनल ने यह भी बताया कि इनमें से आठ आरोपी हिरासत में हैं और एक फरार है।

कोलंबिया में झड़पों में 26 लोग मारे गए

बोगोटा। कोलंबिया के गुआवियारे प्रांत में सशस्त्र गुटों के बीच हुई भीषण झड़पों में 26 लोग मारे गए। कोलंबियाई सेना ने सोमवार को यह जानकारी दी। सेना के चौथे प्रभाग के कमांडर रिकार्डो रोके ने स्थानीय मीडिया को बताया कि प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र गुटों के बीच हुई लड़ाई के बाद सैनिकों ने एल रेटोर्नो नगर पालिका से 26 शव बरामद किए।

ग्रीनलैंड पर शुल्क की धमकी से ट्रंप की विश्वसनीयता पर उठे सवाल

दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में शीर्ष ईयू अधिकारी ने बताया ट्रंप की भूल

दावोस, एजेंसी

यूरोपीय संघ की शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने पिछले वर्ष यूरोपीय संघ के सदस्य देशों पर नए शुल्क नहीं लगाने पर सहमति जताई थी। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच जुलाई में एक व्यापार समझौता हुआ था। राजनीति में भी, जैसे व्यापार में समझौता मतलब समझौता होता है। और जब मित्र हाथ मिलाते हैं, तो उसका कुछ अर्थ होना चाहिए।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक के दौरान दावोस में दिए गए अपने संबोधन में वॉन डेर लेयेन ने कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए शुल्क खासतौर पर लंबे समय से सहयोगी रहे देशों के बीच एक भूल हैं। उन्होंने संकेत दिया कि ऐसे कदम ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और आपसी भरोसे को कमजोर कर सकते हैं।

ट्रंप बोले, अब शांति रखने की जिम्मेदारी मेरी नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर पूर्ण और संपूर्ण नियंत्रण की अपनी मांग को लेकर नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोएरे को एक पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला है इसलिए अब वह शांति के बारे में सोचने के लिए बाध्य नहीं हैं। स्काई न्यूज द्वारा प्रकाशित पत्र में ट्रंप ने लिखा, प्रिय जोनास, यह देखते हुए कि आपके देश ने आठ से अधिक युद्ध रुकवाने के बावजूद मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं देने का निर्णय लिया, अब मैं केवल शांति के बारे में सोचने के लिए स्वयं को बाध्य नहीं मानता। शांति हमेशा प्रमुख रहेगी, लेकिन अब मैं यह भी सोच सकता हूं कि अमेरिका के लिए क्या उचित है। पत्र में कहा गया, डेनमार्क उस भूमि को रूस या चीन से सुरक्षित नहीं रख सकता, और वैसे भी उनके पास 'स्वामित्व का अधिकार' क्यों है? कोई लिखित दस्तावेज नहीं हैं। सिर्फ यह कहा जाता है कि सैकड़ों साल पहले वहां एक जहाज उतरा था, लेकिन हमारे जहाज भी वहां उतरे थे। मैंने नाटो के गठन के बाद से किसी भी व्यक्ति से अधिक योगदान दिया है। अब नाटो को अमेरिका के लिए कुछ करना चाहिए। उन्होंने अपने पत्र के अंत में लिखा, दुनिया तब तक सुरक्षित नहीं है, जब तक हमारे पास ग्रीनलैंड का पूर्ण और सम्पूर्ण नियंत्रण न हो। धन्यवाद! राष्ट्रपति ट्रंप का यह संदेश नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोएरे से प्राप्त एक संदेश के जवाब में भेजा गया था। यह संदेश प्रधानमंत्री स्टोएरे ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब की ओर से भी भेजा था।

अमेरिका के साथ यूरोप के संबंध अब भी मजबूत : बेसेंट

दावोस। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने मंगलवार को कहा कि यूरोप के साथ अमेरिका के संबंध अब भी मजबूत बने हुए हैं। साथ ही उन्होंने अपने व्यापारिक साझेदार देशों से अपील की कि वे ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप प्रशासन की नई शुल्क (टैरिफ) धमकियों से उत्पन्न तनाव को समय के साथ शांत होने दें और धैर्य रखें। उन्होंने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक से इतर कहा, मुझे लगता है कि हमारे संबंध कभी इतने घनिष्ठ नहीं रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि फरवरी से आठ यूरोपीय देशों से आने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। ये वही देश हैं जिन्होंने ग्रीनलैंड को अमेरिका के अधीन लेने की ट्रंप की बढ़ती मांगों के बाद डेनमार्क के समर्थन में एकजुटता दिखाई है। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका को सुरक्षा कारणों से ग्रीनलैंड की आवश्यकता है, ताकि चीन और रूस से संभावित खतरों का मुकाबला किया जा सके।

ईडी ने केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में की छापेमारी

- शबरिमला सोना चोरी मामले में केंद्रीय एजेंसी ने की कार्रवाई

कोच्चि/नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शबरिमला में कथित सोने की चोरी के मामले में धन शोधन की जांच के तहत तीन राज्यों में मंगलवार को छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में लगभग 21 स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है। संघीय जांच एजेंसी ने बेंगलुरु में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार के अलावा आभूषण विक्रेताओं से जुड़े परिसरों की तलाशी ली।

ईडी ने केरल पुलिस की प्राथमिकियों का संज्ञान लेते हुए नौ जनवरी को पीएमएलए के तहत एक मामला दर्ज किया था। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस मामले की जांच केरल उच्च न्यायालय की देखरेख में राज्य के विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह जांच कई अनियमितताओं से संबंधित है, जिनमें आधिकारिक कदाचार, प्रशासनिक चूक और भगवान अयप्पा मंदिर की विभिन्न कलाकृतियों से सोना चोरी करने की आपराधिक साजिश शामिल है। आरोपों में द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों की सोने से मढ़ी तांबे की प्लेटों और मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों के फ्रेम से सोने की चोरी भी शामिल है। ईडी के अधिकारियों ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि सोने से मढ़ी पवित्र कलाकृतियों को आधिकारिक अभिलेखों में जानबूझकर तांबे की प्लेट के रूप में गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया और 2019 तथा 2025 के बीच मंदिर परिसर से गैरकानूनी रूप से हटा दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, चेन्नई और कर्नाटक में निजी प्रतिष्ठानों में रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से कथित तौर पर सोना निकाला गया था, जिससे अपराध की आय अर्जित हुई और इस आय को अपने पास रखा गया, हस्तांतरित तथा छिपाया गया।

फर्जी जीएसटी मामले में कई राज्यों में तलाशी

नई दिल्ली/कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में 658 करोड़ रुपये के कथित फर्जी जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट मामले के संबंध में कई राज्यों में तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही जांच के सिलसिले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और मणिपुर में इस मामले से जुड़े व्यक्तियों और कंपनियों के कई परिसरों की तलाशी ली जा रही है। 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' (आईटीसी) वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में एक कानूनी प्रावधान है जो व्यावसायिक संस्थाओं को व्यवसाय से संबंधित खरीद पर भुगतान किए गए जीएसटी पर क्रेडिट का दावा करके अपनी कर देनदारी को कम करने की अनुमति देता है। अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में स्थित ईडी कार्यालय विभिन्न राज्य पुलिस बलों के समन्वय से इस अभियान का संचालन कर रहा है। धन शोधन का यह मामला ईटानगर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राकेश शर्मा और आशुतोष कुमार झा नामक व्यक्तियों ने बिना किसी वास्तविक वस्तु या सेवा की आपूर्ति किए फर्जी रसीद के जरिए धोखाधड़ी करके इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाया। मामले में सिद्धि विनायक ट्रेड मर्चेंट्स नाम की एक फर्जी कंपनी भी शामिल बताई गई है।

रूस-भारत में एसजे -100 यात्री विमान की बिक्री पर समझौता

मॉस्को, एजेंसी

- रूस के उद्योग-व्यापार उपमंत्री गेनाडी ने दी जानकारी

रूस और भारत के बीच रूसी निर्मित यात्री विमान एसजे -100 की खरीद और स्थानीय उत्पादन पर प्रारंभिक समझौते हो चुके हैं और बातचीत जारी है। यह जानकारी रूस के उद्योग और व्यापार उप मंत्री गेनाडी अब्रामेनकोव ने मंगलवार को दी।

अब्रामेनकोव ने कहा साझेदारों के साथ खरीद की संभावना पर एक प्रारंभिक समझौता हो चुका है, जिसके बाद भारत में इस प्रकार के विमान का स्थानीय उत्पादन किया जाएगा। फिलहाल, बातचीत चल रही है। अक्टूबर के अंत में यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने एसजे-100 विमान के उत्पादन पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यूएसी के प्रमुख वादिम बदेहा ने बाद में कहा कि भारत ने एसजे-100 विमान की उच्च दक्षता को ध्यान में रखा है। एसजे-100 एक अल्प दूरी का नैरो-बॉडी विमान है जिसे आयातित प्रणालियों को बदलने के कार्यक्रम के तहत विकसित किया जा रहा है। यह विमान वर्तमान में संचालित सुपरजेट प्रकार के विमानों के परिवार में एक और मॉडल बनेगा। एसजे विमान ने रूसी पीडी-8 इंजन के साथ पहली उड़ान 17 मार्च, 2025 को कोम्सोमोल्स्क-ऑन-अमूर शहर में भरी।

रूस का यूक्रेन के बिजली ग्रिड पर ड्रोन से हमला

कीव। रूस ने यूक्रेन के बिजली ग्रिड को निशाना बनाते हुए 300 से अधिक ड्रोन तथा बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागीं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि मॉस्को की ओर से युद्ध समाप्त करने की कोई इच्छा फिलहाल दिखाई नहीं दे रही है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को के अनुसार, सोमवार रात हुए इस हमले के कारण राजधानी में 5,600 से अधिक अपार्टमेंट इमारतों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। उन्होंने बताया कि प्रभावित इमारतों में से लगभग 80 प्रतिशत में, हाल ही में 9 जनवरी को हुए बड़े रूसी हमले के बाद बिजली बहाल की गई थी। उस दौरान हजारों लोग कई दिनों तक बिजली गुल रहने से प्रभावित हुए थे। यूक्रेन हाल के वर्षों के सबसे सर्द मौसम का सामना कर रहा है। कीव में तापमान शून्य से 20 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिर गया है। इसी बीच, रूस ने बिजली ग्रिड पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जिनका उद्देश्य यूक्रेनवासियों को गर्मी प्रदान करने वाले उपकरणों के उपयोग और पेयजल आपूर्ति से वंचित करना तथा 24 फरवरी 2022 को शुरू किए गए आक्रमण के प्रतिरोध को कमजोर करना है।

ट्रंप ने दी फ्रांस की वाइन पर 200% टैरिफ की धमकी

वाशिंगटन/पेरिस, एजेंसी

- गाजा शांति योजना पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति पर दबाव का प्रयास

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फ्रांसिसी वाइन और शैंपेन पर 200 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की धमकी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम को व्यापक रूप से फ्रांसिसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर दबाव बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, ताकि वे गाजा और अन्य वैश्विक संघर्षों को सुलझाने के उद्देश्य से ट्रंप की प्रस्तावित शांति बोर्ड पहल का समर्थन करें।

ट्रंप ने संकेत दिया कि इन दंडात्मक आयात शुल्क का उपयोग फ्रांस को सहयोग के लिए मजबूर करने हेतु किया जा सकता है। यह बयान उन रिपोर्टों के बाद आया है, जिनमें कहा गया था कि मैक्रों ने इस पहल में शामिल होने के निमंत्रण को स्वीकार करने में अनिच्छा जताई है। प्रस्तावित निकाय शुरू में गाजा युद्ध पर ध्यान केंद्रित करेगा और बाद में अन्य अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों तक विस्तार करेगा। हालांकि यह सवाल भी उठ रहे हैं कि यह निकाय संयुक्त राष्ट्र जैसे मौजूदा संस्थानों के साथ कैसे तालमेल बिठाएगा। ट्रंप से मैक्रों की कथित अनिच्छा के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि क्या उन्होंने ऐसा कहा? वह बहुत जल्द पदच्यूत होने वाले हैं।

झड़पों के बीच आईएस के 120 सदस्य जेल से फरार

रक्का। सीरिया के गृह मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि सरकारी बलों और जेल की रखवाली करने वाले कुर्दों के नेतृत्व वाले बल 'सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज' के बीच हुई झड़प के बीच उत्तर-पूर्वी सीरिया की एक जेल से इस्लामिक स्टेट के 120 सदस्य फरार हो गए। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने फरार हुए 81 कैदियों को फिर से पकड़ लिया है, जबकि बाकी कैदियों का पता लगाने के लिए गहन सुरक्षा प्रयास जारी हैं। शद्दादेह शहर की एक जेल से कैदियों के भागने की घटना को लेकर एसडीएफ और सरकार ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं, जबकि दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम समझौता टूट चुका है। एसडीएफ ने मंगलवार को ही दमिश्क से जुड़े गुटों पर रक्का शहर के पास अल-अक्तान जेल में पानी की आपूर्ति बंद करने का आरोप लगाया और इसे मानवीय मानकों का घोर उल्लंघन बताया। सीरिया में आईएस से लड़ने वाले अमेरिका समर्थित मुख्य बल एसडीएफ उत्तर-पूर्वी सीरिया में 10 से अधिक जेलों को नियंत्रित करता है, जिनमें लगभग 9,000 आईएस सदस्यों को वर्षों से बिना मुकदमे चलाए रखा गया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 जनवरी, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 22 जनवरी 02 .47 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

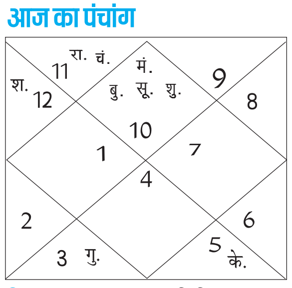

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।

ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- धनिष्ठा 13 .58 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष

आज नया काम शुरू करने के लिए दिन बेहद अनुकूल है। आप अपने शौकों को पूरा करने में लगे रहेंगे। संतान के आज्ञाकारी व्यवहार से प्रसन्नता होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी आय बढ़ेगी। मित्रों के साथ किसी महत्वपूर्ण कार्य की चर्चा कर सकते हैं।

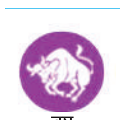
वृष

आज अटके हुए कार्यों को आप दोबारा शुरू कर सकते हैं। आपकी प्रबंधन क्षमता की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी को उपहार दे सकते हैं। पुराने कर्जों से छुटकारा मिल सकता है। आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी।

मिथुन

आज यदि नई नौकरी के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं, तो सफलता मिलेगी। परिवार के सदस्यों का विशेष ध्यान रखें। पिता की सलाह लेना आपके लिए हितकर होगा। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर महसूस करेंगे। व्यापार में दोगुनी वृद्धि हो सकती है।

कर्क

आज आपके कार्यों की लोग सराहना करेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। मानसिक तनाव से बचने के लिए योग करें। अनावश्यक विचारों में अधिक समय बर्बाद न करें। व्यवसाय को लेकर परेशानी हो सकती है।

सिंह

आज मन में नए विचार उत्पन्न होंगे। लोग आपसे अधिक अपेक्षा रखेंगे। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी सामाजिक कार्य के लिए आपकी प्रशंसा हो सकती है। नव विवाहित लोग कहीं घूमने जा सकते हैं।

कन्या

आज आपके सामाजिक यश में वृद्धि होगी। दांपत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। करियर को लेकर उत्तम अवसर प्राप्त हो सकते हैं। भविष्य को लेकर योजना बनाएंगे। मेहनत का उत्तम लाभ मिलेगा। सिर में थोड़ा भारीपन हो सकता है।

तुला

आज का दिन आपके लिए अत्यधिक विशेष रहेगा। आयात-निर्यात से बड़ा धन लाभ हो सकता है। दूसरों के सामने अपने हितों को अनदेखा न करें। व्यापार में कुछ तकनीकी समस्या हो सकती है, जिसे आप शाम तक सुलझा लेंगे।

वृश्चिक

आज यात्रा के दौरान थकान हो सकती है। शुगर के रोगी अपनी सेहत का ध्यान रखें। दूसरों पर अधिक ध्यान न दें। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए दिन काफी अच्छा है। अनावश्यक कार्यों को अधिक समय देने के कारण आवश्यक कार्य छूट सकते हैं।

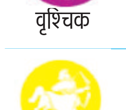
धनु

आज दिन के उत्तरार्ध भाग में रुका हुआ सरकारी काम बन सकता है। परिस्थितियां आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाली हैं। घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। अपनी प्रतिभा से लोगों को प्रभावित कर सकते हैं।

मकर

आज व्यापार में नए लोगों से थोड़ा संभलकर व्यापार करें। बेरोजगार लोगों को जॉब मिल सकती है, किंतु आप अपने काम से संतुष्ट नहीं रहेंगे। मित्रों पर अधिक विश्वास न करें। यदि कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो चिकित्सक से परामर्श ले लें।

कुंभ

आज अचल संपत्ति के झगड़ों का निवारण होगा। कलात्मक विधाओं में आपकी रुचि बढ़ेगी। वैवाहिक जीवन में प्रसन्नता और संतुष्टि रहेगी। बड़ा काम करने का विचार बनेगा। शेयर और लॉटरी आदि से धन लाभ मिलने की संभावना बन रही है।

मीन

आज यात्राओं के दौरान सावधानी रखें। बुरे लोगों की संगत के कारण धन हानि हो सकती है। गुप्त शत्रु आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेंगे। दिखावे के कारण आपकी छवि खराब हो सकती है। कोई महत्वपूर्ण कार्य अटक सकता है।

सुडोकू -38

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

6		3			8		7	9
	9		6			3		
2			9					1
		2			5		1	
9		4		7			3	2
1			3			7		
	5			8			6	
7			1			4		3
		1			4		2	

सुडोकू - 37 का हल

1	3	8	5	4	6	9	2	7
4	2	5	9	7	3	1	8	6
6	9	7	1	8	2	3	4	5
9	5	6	8	2	4	7	1	3
3	4	2	6	1	7	8	5	9
7	8	1	3	9	5	2	6	4
8	1	4	7	5	9	6	3	2
2	6	9	4	3	1	5	7	8
5	7	3	2	6	8	4	9	1

मैंने अपने करियर के दौरान काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं और मैं जानती हूं कि सही समय पर उचित मार्गदर्शन से कितना बदलाव आ सकता है। द नेक्स्ट सेट मेरे लिए बेहद व्यक्तिगत है। भारतीय महिला टेनिस में अपार प्रतिभा है और सही मार्गदर्शन से उन्हें आगे बढ़ाया जा सकता है।
-सानिया मिर्जा

स्टेडियम

हल्द्वानी, बुधवार, 21 जनवरी 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

दक्षिण अफ्रीका जाएगी भारतीय महिला टीम

जोहानिसबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को घोषणा की कि भारतीय महिला टीम पांच मैचों की अंतर्राष्ट्रीय टी20 श्रृंखला खेलने अप्रैल में वहां पहुंचेगी। ये मैच 17 से 27 अप्रैल के बीच डरबन, जोहानिसबर्ग और बेनोनी में खेले जाएंगे। पहला और दूसरा मैच डरबन में 17 और 19 अप्रैल को होगा। इसके बाद तीसरा और चौथा मैच जोहानिसबर्ग में 22 और 25 अप्रैल को और आखिरी मैच बेनोनी में 27 अप्रैल को खेला जायेगा। इंग्लैंड में 12 जून से होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व से पहले दक्षिण अफ्रीका टीम की यह आखिरी श्रृंखला होगी।

नॉर्वे शतरंज 2026 में खेलेंगे प्रज्ञानानंदा

स्टावेंजर (नॉर्वे)। भारतीय स्टार आर प्रज्ञानानंदा ने मंगलवार को पुष्टि की कि वह तीसरी बार नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भाग लेंगे। नई पीढ़ी के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में शामिल प्रज्ञानानंदा ने 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने यहां एक विज्ञप्ति में कहा नॉर्वे शतरंज में वापसी को बेकरार हूं। मुझे 2024 में वहां खेलने में काफी मजा आया। बेहद रोमांचक प्रारूप। नॉर्वे शतरंज के सीओओ बेनेडिक्टे रेस्ट्रे एस ने कहा प्रज्ञानानंदा ने 2024 में यहां शानदार प्रदर्शन किया। उनका फिर स्वागत करना बेहतरीन होगा।

सातवीं बार असम में होगी संतोष ट्रॉफी

नई दिल्ली। 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप संतोष ट्रॉफी बुधवार से असम में शुरू होगी जो सातवीं बार इसकी मेजबानी कर रहा है। पहली बार असम में 1959 . 60 में संतोष ट्रॉफी खेली गई थी। टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग दौर के लिये सभी राज्यों की टीमों को नौ समूहों में बांटा गया है और हर समूह की शीर्ष टीम फाइनल दौर में खेलेगी। मेजबान और पिछले सत्र की उपविजेता असम, पश्चिम बंगाल और केरल सीधे फाइनल दौर में खेलेंगे। नॉकआउट क्वार्टर फाइनल दो और तीन फरवरी को होंगे, जबकि सेमीफाइनल 5 फरवरी को और फाइनल 8 फरवरी को खेला जाएगा।

भारतीय महिला टीम की कोच बनीं अमेलिया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को कोस्टा रिका की अमेलिया वाल्वेर्डे को भारतीय सीनियर महिला टीम की मुख्य कोच बनाया। 39 वर्ष की अमेलिया अंताल्या में भारतीय टीम के शिविर में पहुंच गई है। भारतीय टीम मार्च में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप आस्ट्रेलिया 2026 की तैयारी कर रही है। पंद्रह बरस पहले कोचिंग कैरियर की शुरूआत करने वाली अमेलिया 2015 से 2023 तक कोस्टा रिका महिला टीम की कोच रहीं। उनके कार्यकाल में कोस्टा रिका ने 2015 और 2023 फीफा महिला विश्व कप में भाग लिया। वह 2015 विश्व कप में 28 वर्ष की थी और सबसे युवा मुख्य कोच रहीं। उनके साथ गोलकीपिंग कोच एली अविला और स्ट्रेंथ तथा कंडीशनिंग कोच जोस सांचेज भी टीम से जुड़ेंगे।

न्यूजीलैंड से वनडे का हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत

कप्तान सूर्यकुमार के प्रदर्शन पर होगी नजर, मुकाबला शाम 7 बजे से

नागपुर, एजेंसी

पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से फॉर्म में वापसी करने के लिए बेताब होंगे जिसमें भारत की नजर वनडे श्रृंखला में मिली हार का बदला चुकता करके अगले महीने घरेलू धरती पर होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता अंजाम देने पर होगी।

सूर्यकुमार ने 2024 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी जिसके बाद भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसकी जीत का प्रतिशत 72 प्रतिशत से अधिक रहा है। इससे कप्तान के बल्लेबाजी में निराशाजनक प्रदर्शन पर ज्यादा गौर नहीं किया गया लेकिन अब ऐसा नहीं है। पिछले दो वर्षों में भारतीय टी20 टीम स्वचालित मोड पर रही है, जिसमें उसे इक्का-दुक्का हार का ही सामना करना पड़ा। आईपीएल के कारण उसके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से जानते हैं।

भारतीय टीम पर हालांकि विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने और घरेलू धरती पर खेलने का दबाव होगा और सूर्यकुमार न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से पहले इन बातों पर जरूर गौर कर रहे होंगे। न्यूजीलैंड की टीम काफी मजबूत है और उसने पिछले एक साल में कई उपलब्धियां हासिल की है जिसमें भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में क्लीन स्वीप करना और वनडे श्रृंखला जीतना भी शामिल है। भारतीय धरती पर पहली बार द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला जीतने से निश्चित तौर पर उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा होगा। लेकिन जब टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की बात आती है तो सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत एक अलग ही टीम साबित हुई है, जिसने पिछले 25 में से 18 मैच जीते हैं। इसका श्रेय काफी हद तक अभिषेक शर्मा की तूफानी शुरुआत और वरुण चक्रवर्ती की बीच के ओवरों में शानदार गेंदबाजी को जाता है। न्यूजीलैंड ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद खेले गए 21 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में से 13 में जीत हासिल की है। आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे, कप्तान मिचेल सैंटनर, तेज गेंदबाज जैकब डफी, बेहतरीन फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की मौजूदगी में न्यूजीलैंड मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीम साबित हो सकती है। इसका यह भी मतलब है कि मौजूदा चैंपियन भारत को विश्व कप की तैयारी के लिए बेहतरीन समय मिलेगा। इस पृष्ठभूमि में केवल सूर्यकुमार ही ऐसे हैं, जिनकी खराब फॉर्म मजबूत टीम की कमजोर कड़ी साबित हुआ है।

अभ्यास सत्र के दौरान फुटबाल खेलते न्यूजीलैंड के खिलाड़ी। एजेंसी

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी, क्रिस्टियन क्लार्क।

ईशान किशन को श्रेयस अय्यर से पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा जाएगा : सूर्यकुमार

नागपुर। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज में ईशान किशन को श्रेयस अय्यर से पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा जाएगा क्योंकि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा हैं और चोटिल तिलक वर्मा की तरह ही खब्बू बल्लेबाज हैं। तिलक के पेट का आपरेशन हुआ है और वह पहले तीन मैचों से बाहर हैं। इससे श्रेयस को पहले तीन मैचों के लिये वापसी का मौका मिला है। सूर्यकुमार ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा ईशान तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेगा क्योंकि वह हमारी टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा है और उसे टीम में पहले चुना गया तो उसे मौका देना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा पिछले डेढ साल से वह भारत के लिए खेला नहीं है, लेकिन घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा ईशान को टी20 विश्व कप के लिये चुना गया है तो उसे श्रेयस से ऊपर भेजा जाना चाहिए।

टी20 विश्व कप विवाद

आईसीसी के दबाव में नहीं आएगा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरूल ने मंगलवार को दोहराया कि उनकी टीम किसी भी हालत में टी20 विश्व कप के लिये भारत नहीं जायेगी हालांकि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भागीदारी पर फैसला लेने के लिये 21 जनवरी तक का समय दिया है। बीसीबी अगर 20 टीमों के टूर्नामेंट के लिये भारत टीम नहीं भेजता है तो मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को उतारा जा सकता है।

नजरूल ने पत्रकारों से कहा मुझे जानकारी नहीं है कि हमारी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया है। अगर आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड के दबाव में आकर बेतुकी शर्ते रखकर हम पर दबाव बनाने की कोशिश करता है तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा पहले भी ऐसा हुआ है कि पाकिस्तान ने कहा कि वे भारत नहीं जाएंगे तो आईसीसी ने वेन्यू बदल दिया।

अब भी पक्का नहीं है कि हम वर्ल्ड कप में जाएंगे या नहीं : लिटन दास

बंगलादेश के टी20 के कप्तान लिटन दास ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए एक पत्रकार को बीच सवाल में ही रोक दिया, जब उसका सवाल टी20 वर्ल्ड कप से पहले चल रहे गतिरोध की ओर जा रहा था। आपको नहीं पता, मुझे नहीं पता, हम एक ही नाव में हैं। वर्ल्ड कप अभी बहुत दूर है। हमें अभी यह भी पक्का नहीं है कि हम वर्ल्ड कप में जाएंगे भी या नहीं।

ए प्लस श्रेणी को हटाकर केंद्रीय अनुबंध को सरल बनाएगा बोर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

बीसीसीआई खिलाड़ियों के केंद्रीय अनुबंध को सरल बनाते हुए 2018 में शुरू की गई ए प्लस श्रेणी खत्म करने जा रहा है। मौजूदा नीति के तहत ए प्लस श्रेणी के क्रिकेटरों को सालाना सात करोड़ रूपये, ए श्रेणी वालों को पांच करोड़, बी श्रेणी वाले को तीन करोड़ और सी श्रेणी में एक करोड़ रूपये दिये जाते हैं। वर्ष 2025-26 के लिये खिलाड़ियों को ए, बी और सी श्रेणी में रखा जाएगा।

पिछले चक्र में सिर्फ चार खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा ए प्लस श्रेणी में थे। इनमें से सिर्फ बुमराह तीनों प्रारूप में खेलते हैं। कोहली और रोहित सिर्फ वनडे खेलते हैं जबकि जडेजा टेस्ट और वनडे खेलते हैं। केंद्रीय अनुबंध को शीर्ष परिषद की अगली बैठक में मंजूरी दी जायेगी। बोर्ड के एक अधिकारी ने हालांकि पीटीआई को बताया कि तीनों प्रारूपों में तेज आक्रमण की अगुवाई करने वाले बुमराह जैसे खिलाड़ी के पारिश्रमिक में कोई कटौती नहीं की जायेगी भले ही वह कार्यभार प्रबंधन के कारण कुछ मैचों से बाहर रहे हों। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का ए श्रेणी में रहना तय है।

आईपीएल के एआई प्रायोजन के लिए 270 करोड़ रुपये का करार

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले गूगल के एआई प्लेटफॉर्म जेमिनी के साथ 270 करोड़ रूपये का प्रायोजन करार किया है। जेमिनी की प्रतिद्वंद्वी कंपनी चैट जीपीटी महिला प्रीमियर लीग के प्रायोजकों में से एक है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया यह करार तीन साल के लिये है और आईपीएल की वैश्विक अपील की बानगी देता है।

चोटिल कमलिनी की जगह वैष्णवी मुंबई इंडियंस में शामिल

वडोदरा। भारतीय स्पिनर वैष्णवी शर्मा को मंगलवार को महिला प्रीमियर लीग के शेष मैचों के लिए चोटिल विकेटकीपर बल्लेबाज जी कमलिनी की जगह मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल किया गया। सत्रह वर्षीय कमलिनी ने डब्ल्यूपीएल के इस सत्र में पांच मैचों में से चार में पारी की शुरुआत की जिसमें उन्होंने 97.40 के स्ट्राइक रेट से केवल 75 रन बनाए। डब्ल्यूपीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा वैष्णवी शर्मा 30 लाख रुपये में मुंबई इंडियंस में शामिल होंगी।

वैष्णवी 2025 में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम की सदस्य थीं। उन्होंने पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला से टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया, जिसे भारत ने 5-0 से जीता था। इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने स्पिन गेंदबाजी से अच्छा प्रभाव डाला और पांच विकेट लिए।

मुंबई ने दिल्ली को दिया 155 रनों का लक्ष्य

मुंबई इंडियंस की बल्लेबाज नेट स्किवर ब्रंट व कप्तान हरमनप्रीत कौर। एजेंसी

वडोदरा, एजेंसी

पावरप्ले में मुंबई इंडियंस का खराब फॉर्म जारी रहा लेकिन नेट स्किवर ब्रंट के अर्धशतक की मदद से टीम ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मंगलवार को महिला प्रीमियर लीग के मैच में पांच विकेट पर 154 रन बनाए। हीली मैथ्यूज के चोट से उबरने के बाद वापसी करने के बावजूद मुंबई इंडियंस पावरप्ले में अपने प्रदर्शन में सुधार नहीं कर सकी। वेस्टइंडीज की मैथ्यूज और उनकी सलामी जोड़ीदार साजीवन साजना सस्ते में आउट हो गई।

दिल्ली कैपिटल्स के लिये मरिजाने काप ने सटीक गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में आठ रन देकर मैथ्यूज का विकेट लिया। अब रन बनाने की जिम्मेदारी स्किवर ब्रंट और कप्तान हरमनप्रीत कौर पर आ गई थी। हरमनप्रीत ने 33 गेंद में 41 रन बनाए।

वहीं स्किवर ब्रंट 45 गेंद में दो छक्कों और चार चौकों की मदद से 66 रन बनाकर नाबाद रही। यह इस सत्र में उनका तीसरा अर्धशतक है। चार मैचों में से सिर्फ एक जीत सकी दिल्ली कैपिटल्स को हर हालत में यह मैच जीतना होगा।

मालासुक ने अंडर 19 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ा

विंडहोक (नामीबिया)। आस्ट्रेलिया के बायें हाथ के बल्लेबाज विल मालासुक ने आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के इतिहास का सबसे तेज शतक सिर्फ 51 गेंदों में लगाया जिसकी मदद से आस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप में मंगलवार को जापान को आठ विकेट से मात दी। विल ने 55 गेंद में 102 रन बनाये और 202 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया को आसान जीत दिलाई। इसके साथ ही आस्ट्रेलिया ने सुपर सिक्स में प्रवेश कर लिया है। जापान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 201 रन बनाये थे।

मैडिसन कीज।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

पिछले दो बार के विजेता हैं इटालवी स्टार, महिला सिंगल्स की मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज ने भी दूसरे दौर में बनाई जगह

सिनर के खिताबी हैट्रिक अभियान की सकारात्मक शुरुआत

मेलबर्न, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर और मैडिसन कीज ने अपने खिताब बचाने के अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। सिनर ने रॉड लेवर एरिना पर सिर्फ तीन गेम गंवाए और एक घंटे से थोड़ा अधिक समय बिताकर खिताबी हैट्रिक पूरा करने के अपने अभियान की शुरुआत की।

विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर जब 6-2, 6-1 से आगे चल रहे थे, तभी ह्यूगो गैस्टन ने अचानक एक अज्ञात चोट के कारण मैच से हटने का फैसला किया। सिनर ने कहा मैंने देखा कि वह दूसरे सेट में बहुत तेज गति से सर्व नहीं कर रहा था लेकिन मैं इस तरह से मैच नहीं जीतना चाहता था। सिनर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार तीन बार चैंपियन बनने वाले चौथे खिलाड़ी बनने की राह पर हैं।

नौवीं वरीयता प्राप्त कीज ने पहले दौर में ओलेक्सांद्रा ओलिन्यकोवा को 7-6 (6), 6-1 से हराया। अपने 50वें ग्रैंड स्लैम मैच में खेल रही कीज ने पहले सेट में 4-0 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करके यूक्रेन की खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबला टाईब्रेकर तक पहुंचाया। पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेल रही ओलिन्यकोवा ने टाईब्रेकर में भी 4-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन वह दो सेट प्वाइंट के मौकों को भुनाने में असफल रही। कीज ने कहा मैच की शुरुआत में थोड़ी नर्वस हो गई थी। मैं जितनी नर्वस थी उसे देखते हुए वापसी करना और जीत हासिल करना शानदार रहा। कीज़ ने ओलिन्यकोवा की प्रशंसा की जिन्होंने मैच के बाद ऑटोग्राफ दिए और कोर्ट पर यूक्रेन का ध्वज लहराया। इस बीच महिला वर्ग में सुबह के सत्र में दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा।

इंडोनेशिया की जेनिस टजेन ने कनाडा की 22वीं वरीयता प्राप्त लेयला फर्नांडीज को 6-2, 7-6 (1) से और चेक गणराज्य की टेरेजा वैलेंटोवा ने ऑस्ट्रेलिया की 30वीं वरीयता प्राप्त माया जॉइंट को 6-4, 6-4 से हराया। पूर्व अमेरकी ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस भी पहले दौर में कैरोलिना प्लिस्कोवा से 7-6 (7), 6-2 से हार गई। वर्ष 2017 में अमेरिकी ओपन जीतने वाली स्टीफंस ने इस साल क्वालीफायर के जरिए मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई थी। बाएं हाथ से खेलने वाले खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने फ्रांस के यूगो हंबर्ट को 6-3, 7-6 (2), 7-6 (5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग में आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन पिछले साल में टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे।

पूनाचा व इसारो की जोड़ी पहले दौर में बाहर

मेलबर्न। भारत के निकी पूनाचा और थाईलैंड के उनके जोड़ीदार प्रुच्य इसारो मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के पहले दौर में बाहर हो गए। पूनाचा और इसारो की वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली जोड़ी ने पेड्रो मार्टिनेज और जौमे मुनार की स्पेनिश जोड़ी के सामने अच्छी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें एक घंटे और 51 मिनट में 6-7(3) 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों जोड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं था, पर पूनाचा व इसारो तीन में से केवल एक ब्रेक प्वाइंट के मौके को ही भुना पाए और मैच में दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठे। युगल स्पर्धा में भारत की उम्मीदें बरकरार हैं। युकी भांबरी स्वीडन के साथी आंद्रे गोरान्सन के साथ चुनौती पेश करेंगे। उन्हें 10वीं वरीयता दी गई है।

सानिया ने 'द नेक्स्ट सेट' लॉन्च किया

हैदराबाद। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सानिया मिर्जा ने मंगलवार को 'द नेक्स्ट सेट' नामक एक पहल की घोषणा की, जिसका उद्देश्य टेनिस सहित भारत की अग्रणी और उभरती महिला खिलाड़ियों को सलाह और समर्थन देना है।

सानिया ने खेल जगत को वापस कुछ देने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की है जिसमें शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करना है।

इस कार्यक्रम के तहत मुख्य रूप से एक समर्पित सहायता प्रणाली तक सहजता से पहुंच बनाना होगा जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट आदि शामिल होंगे जो पूरे सत्र में खिलाड़ियों के साथ टूर्नामेंट में यात्रा कर सकते हैं ताकि पूरे सत्र में निरंतर तैयारी और समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम के तहत सानिया की अकादमी में उनके नेतृत्व में विशेष टेनिस शिविर और कोचिंग कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा।